3 राजधानी
बॉलीवुड का म्यूजिक कंपोजर गिरफ्तार

6 अभिमत
अवामी लीग की विजय महत्वपूर्ण

10 विदेश
चीन में पहाड़ ढहने से 14 लोगों की मौत

12 स्पोर्ट्स
रवि दहिया बिश्केक रैंकिंग सीरीज से हटे

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 209
नई दिल्ली, सोमवार, 5 जून, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

बोम्मई ने गोवध को लेकर मंत्री के बयान की निंदा की

राष्ट्रीय-11

रेल हादसे की सीबीआई जांच की सिफारिश

- रेलवे ने चालक की गलती और प्रणाली की खराबी की संभावना से इनकार करते हुए संभावित तोड़फोड़ और इंटरलॉकिंग प्रणाली से छेड़छाड़ का संकेत दिया
- मुख्य लाइन की पटरियों की मरम्मत पूरी, राहत और बचाव कार्य समाप्त

बालासोर में रविवार को राहत और बचाव कार्य के समाप्त होने के बाद यातायात की बहाली के काम में लगे रेलकर्मी।

पीएनएस/एजेंसी। बालासोर/नई दिल्ली

ओडिशा में बालासोर जिले के बाहानगा बाजार में शुक्रवार को हुए भीषण रेल हादसे के बाद, पूर्वी एवं दक्षिण भारत को जोड़ने वाली मुख्य ट्रंक लाइन से रेलगाड़ियों के क्षतिग्रस्त डिब्बे हटा दिए गए हैं तथा ट्रेन सेवा बहाल करने के लिए दो रेल पटरियों को दुरुस्त कर दिया गया है। रेलवे ने ट्रेन दुर्घटना की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की सिफारिश की है। रेलवे ने एक तरह से चालक की गलती और प्रणाली की खराबी की संभावना से इनकार किया तथा संभावित 'तोड़फोड़' और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से छेड़छाड़ का संकेत दिया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दुर्घटना के 'असल कारण' का पता लगा लिया गया है और इसके लिए जिम्मेदार 'अपराधियों' की पहचान कर ली गई है।

बालासोर जिले में दुर्घटनास्थल पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि यह (हादसा) इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और प्वाइंट मशीन में किए गए बदलाव के कारण हुआ।' दिल्ली में रेलवे के शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि प्वाइंट मशीन और इंटरलॉकिंग प्रणाली कैसे काम करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रणाली 'त्रुटि रहित' और 'विफलता में भी सुरक्षित (फेल सेफ) है।' अधिकरियों ने बाहरी हस्तक्षेप की संभावना से इनकार नहीं किया। रेलवे बोर्ड की परिचालन और व्यवसाय विकास मामलों की सदस्य जया वर्मा सिन्हा ने कहा, इसे फेल सेफ प्रणाली कहा जाता है, तो इसका मतलब है कि अगर यह फेल हो जाता है, तो सारे सिग्नल लाल हो जाएंगे और ट्रेन का सारा परिचालन बंद हो जाएगा। अब, जैसा कि मंत्री ने कहा कि सिग्नल प्रणाली में समस्या थी। हो सकता है कि किसी ने बिना केबल देखे कुछ खुदाई की हो। किसी भी मशीन के चलाने में विफलता का खतरा होता है। इस संबंध में रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के 'लॉजिक' के साथ इस तरह की छेड़छाड़ केवल 'जानबूझकर' हो सकती है।

उन्होंने प्रणाली में किसी खराबी की संभावना को खारिज किया। अधिकारी ने अपना नाम उजागर न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'यह अंदर या बाहर से छेड़छाड़ या तोड़फोड़ का मामला हो सकता है। हमने किसी भी चीज से इनकार नहीं किया है।' रेल मंत्री वैष्णव ने यह भी कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने जांच पूरी कर ली है और रिपोर्ट का इंतजार है। अधिकारियों ने रविवार को कोरोमंडल एक्सप्रेस के चालक को भी यह कहकर क्लीन चिट दे दी कि उसके पास आगे बढ़ने के लिए हरी झंडी थी और वह अनुमत गति से अधिक रफ्तार में ट्रेन को नहीं चला रहा था। अधिकारी ने कहा कि इंटरलॉकिंग प्रणाली ट्रेन को स्टेशन से बाहर ले जाने का सुरक्षित तरीका है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बाद में भुवनेश्वर में संवाददाताओं से कहा, हमने तीन ट्रेन से जुड़ी दुर्घटना की सीबीआई जांच की सिफारिश की है, जिसमें 275 लोगों की जान चली गई और 1,000 से अधिक घायल हुए हैं। सरकार ने रविवार को कहा कि बालासोर दुर्घटनास्थल पर अप और डाउन दोनों रेल पटरियों की मरम्मत कर दी गई है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया कि अप-लाइन को दुरुस्त कर दिया गया है और ओवरहेड विद्युतीकरण का काम भी शुरू हो गया है। वैष्णव ने रविवार को ट्वीट किया, अप-लाइन की पटरी की मरम्मत का काम शाम 4.45 बजे पूरा हो गया। ओवरहेड विद्युतीकरण का काम शुरू हो गया है। उन्होंने इससे पहले एक ट्वीट में कहा था कि हावड़ा जाने वाली डाउन लाइन को बहाल कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इसका तात्पर्य यह है कि रेल पटरियों का कम से कम एक हिस्सा अब ट्रेनों के परिचालन के लिए तैयार है, लेकिन बालासोर दुर्घटनास्थल पर लूप लाइन सहित सभी पटरियों को ठीक करने में अभी और समय लगेगा। यहां डेरा डाले हुए केंद्रीय मंत्रियों-अश्विनी वैष्णव और धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को दुर्घटनास्थल का दौरा किया। प्रधान ने कहा, बचाव कार्य पूरा हो गया है... हम हादसे में प्रभावित हुए लोगों को उनके घर भेजने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा, मंगलवार तक यह काम संभवत: हो जाएगा। बाद में, वैष्णव ने रविवार को कहा कि दुर्घटना के असल कारण का पता लगा लिया गया है। वैष्णव ने कहा कि हादसे का कारण रही इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में जो बदलाव किया गया था, उसका पता लगा लिया गया है। उन्होंने कहा कि हादसे का टक्कर-रोधी प्रणाली कवच से कोई लेना-देना नहीं है।

मुर्दाघरों में लगा लावारिस शवों का ढेर

एजेंसी। भुवनेश्वर

- जगह कम पड़ने ओडिशा सरकार ने 187 शवों को भुवनेश्वर भेजा

बालासोर ट्रेन हादसे के बाद ओडिशा सरकार के सामने एक नया संकट खड़ा हो गया है। मुर्दाघरों में ऐसे शवों का ढेर लगा है जिनकी अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है या जिन्हें लेने के लिए कोई दावेदार सामने नहीं आए हैं। ऐसे लावारिस शवों की संख्या इतनी अधिक है कि मुर्दाघरों में जगह कम पड़ गई है। बड़ी संख्या में ऐसे शवों से निपटने में असमर्थ ओडिशा सरकार ने बालासोर से 187 शवों को भुवनेश्वर भिजवाया लेकिन यहां भी जगह की कमी शवगृह प्रशासकों के लिए परेशानी खड़ी कर रही है।

भुवनेश्वर एम्स में 100 शव रखे गए हैं जबकि बाकी शव कैपिटल अस्पताल, अमरी अस्पताल, सम अस्पताल एवं अन्य निजी अस्पतालों में भेजे गए हैं। भुवनेश्वर एम्स के एक अधिकारी ने कहा, यहां भी शवों को संभालकर रखना हमारे लिए एक असल चुनौती है क्योंकि हमारे यहां अधिकतम 40 शवों को रखने की सुविधा है। उन्होंने कहा कि शरीर रचना विभाग में अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। भुवनेश्वर एम्स के प्रशासन ने शवों की पहचान होने तक उन्हें संभालकर रखने के लिए बड़ी संख्या में ताबूत, बर्फ और फार्मलिन रसायन खरीदा है। सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने शनिवार को दुर्घटनास्थल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के दौरान उनके सामने शवों को संभालकर रखने के सिलसिले में उत्पन्न स्थिति की ओर ध्यान आकृष्ट किया। अधिकारी ने कहा, गर्मी के इस मौसम में शवों को संभालकर रखना वाकई मुश्किल है।

सूत्रों ने बताया कि दुर्घटनास्थल से ही प्रधानमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से बात की तथा इन शवों को भुवनेश्वर एम्स में रखवाने का इंतजाम करवाने को कहा। ओडिशा के मुख्य सचिव पी के जेना ने कहा कि शनिवार को 85 एम्बुलेंस से शव भुवनेश्वर लाए गए और अन्य 17 शव रविवार को लाए गए। ओडिशा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव शालिनी पंडित ने कहा, सभी शव (मुर्दाघरों की कमी के कारण) प्रशीतन भंडारण गृह में रखे गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासन के लिए इन शवों की शिनाख्त एक बड़ी चुनौती है क्योंकि दुर्घटना में मारे गए लोग विभिन्न राज्यों के हैं। उन्होंने कहा कि इन यात्रियों का ब्योरा तीन वेबसाइटों- विशेष राहत आयुक्त, भुवनेश्वर नगर निगम और ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की वेबसाइटों पर डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इन मृत यात्रियों की फोटो युक्त सूची भी वेबसाइटों पर अपलोड कर दी गई है ताकि उनकी पहचान करने में सहूलियत हो। मुख्य सचिव ने (शेष पेज 9)

मृतकों की संख्या संशोधित कर 275 की गई

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने रेल हादसे में मृतकों की संख्या रविवार को 288 से संशोधित कर 275 कर दी और घायलों की संख्या 1,175 बताई है। मुख्य सचिव पी के जेना के मुताबिक, कुछ शवों की दो बार गिनती हो गई थी। उन्होंने कहा, विस्तृत सत्यापन और बालासोर जिलाधिकारी की एक रिपोर्ट के बाद संशोधित मृतक संख्या 275 है। जेना ने कहा कि घायलों का उपचार सोरो, बालासोर, भद्रक और कटक के विभिन्न अस्पतालों में हो रहा है। उन्होंने कहा, अब तक 793 यात्रियों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है और 382 का सरकारी खर्च पर इलाज हो रहा है।

माता-पिता को खोने वाले बच्चों को मुफ्त शिक्षा देगा अडाणी समूह

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी गौतम अडाणी ने रविवार को ओडिशा में हुए रेल हादसे को बेहद विचलित करने वाला बताया और इस घातक दुर्घटना में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को मुफ्त स्कूली शिक्षा देने की पेशकश की। अडाणी ने एक ट्वीट मे कहा कि पीड़ितों और उनके परिवारों की मदद करना तथा बच्चों को बेहतर कल देना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ट्वीट किया, उड़ीसा की रेल दुर्घटना से हम सभी बेहद व्यथित हैं। हमने फैसला लिया है कि जिन मासूमों ने इस हादसे में अपने अभिभावकों को खोया है, उनकी स्कूली शिक्षा की जिम्मेदारी अडाणी समूह उठाएगा। उन्होंने आगे लिखा, पीड़ितों एवं उनके परिजनों को संबल और बच्चों को बेहतर कल मिले यह हम सभी की संयुक्त जिम्मेदारी है।

मणिपुर हिंसा: जांच के लिए तीन सदस्यीय आयोग का गठन

- गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय लांबा करेंगे अध्यक्षता, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने मणिपुर में हाल में हुई हिंसा की जांच के लिए गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश अजय लांबा की अध्यक्षता में रविवार को एक जांच आयोग का गठन किया। हिंसा की घटनाओं में 80 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, आयोग तीन मई को और उसके बाद मणिपुर में विभिन्न समुदायों के सदस्यों को लक्षित कर हुई हिंसा और उसके कारणों की जांच करेगा।

आयोग उन घटनाओं की कड़ी और ऐसी हिंसा से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करेगा। यह भी पता लगाया जाएगा कि किसी जिम्मेदार अधिकारी/व्यक्ति की ओर से इस संबंध में क्या कोई चूक या कर्तव्य में लापरवाही हुई है? जांच में हिंसा और दंगों को रोकने तथा इससे निपटने के लिए किए गए प्रशासनिक उपायों पर भी गौर किया जाएगा। अधिसूचना के अनुसार, किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा आयोग को दी जाने वाली शिकायतों पर भी गौर किया जाएगा। आयोग जितनी जल्दी हो सके केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा, लेकिन उसकी पहली बैठक (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करते मणिपुर के मैती समुदाय के लोग *समाचार पेज 3*

शाह ने की नाकेबंदी हटाने की अपील

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मणिपुर के लोगों से राष्ट्रीय राजमार्ग-दो से नाकेबंदी हटाने की अपील की, ताकि राज्य में भोजन, दवा और ईंधन जैसी बुनियादी और जरूरी चीजें पहुंच सकें। शाह ने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर नागरिक समाज के सदस्यों से इस संदर्भ में पहल करने को कहा है। उन्होंने कहा, मणिपुर के लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि इंफाल-दीमापुर, राष्ट्रीय राजमार्ग-दो पर लगाई गई नाकेबंदी को हटा लें, ताकि भोजन, दवाइयां, पेट्रोलाडीजल और अन्य आवश्यक वस्तुएं (शेष पेज 9)

नायडू ने नड्डा और शाह से गठबंधन पर की चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- तेलंगाना विस और अगले साल आम चुनाव से पहले रणनीति तय पर करने हुई बात, प्रधानमंत्री से भी मिलेंगे तेदेपा प्रमुख

तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने इस साल के अंत में तेलंगाना विधानसभा चुनाव और अगले साल आम चुनाव से पहले गठबंधन पर चर्चा करने के लिए यहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक इस साल होने वाले तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और तेदपा का गठबंधन हो सकता है। 2018 के बाद से नायडू की शाह के साथ यह पहली मुलाकात है, जब तेदेपा ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से हाथ खींच लिया था। सूत्रों ने कहा कि बैठक शनिवार देर रात आधे घंटे से अधिक समय तक चली। जी20 पर नेताओं की परामर्श बैठक में भाग लेने के लिए यहां आए नायडू के प्रधानमंत्री से भी मिलने की उम्मीद है। तेदेपा ने 2018 में तेलंगाना विधानसभा में दो सीटों पर जीत हासिल की थी, जिसमें भाजपा ने एक विधायक के साथ खाता खोला था। सत्तारूढ़ भारतीय राष्ट्रीय समिति (बीआरएस) 88 सीटों के साथ सत्ता में आई, वहीं कांग्रेस ने 19 सीटों पर जीत हासिल की थी।

आंध्र प्रदेश में तेदेपा 2019 के विधानसभा चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) से बुरी तरह हार गई थी। वाईएसआरसीपी ने 175 सीटों में से 151 सीटों पर जीत हासिल की थी। तेदेपा ने केवल 23 सीटें जीतीं और भाजपा आंध्र प्रदेश में खाता भी नहीं खोल सकी (शेष पेज 9)

विपक्षी दलों की 12 जून को पटना में होने वाली बैठक टली

नई दिल्ली (भाषा)। विपक्षी दलों की पटना में 12 जून को होने वाली बैठक टाल दी गई है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कुछ अन्य प्रमुख विपक्षी नेता बैठक के लिए अनुपलब्ध हैं, ऐसे में मुख्य विपक्षी दल के साथ परामर्श कर इसे (बैठक को) बाद की तारीख पर करने का विचार है, ताकि वे भी इसमें भागीदारी कर सकें। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और द्रमुक मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन भी अपने-अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के चलते 12 जून की बैठक में शरीक होने में कठिनाई महसूस कर रहे थे। राहुल अभी अमेरिका की यात्रा पर हैं। जनता दल यूनाइटेड (जद-यू) के नेता एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों के बीच एकता कायम करने के उद्देश्य से कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप) और वाम (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

ज्ञानवापी शृंगार गौरी मामले में मुख्य वादी ने खुद को मुकदमे से अलग करने की घोषणा की

वाराणसी। ज्ञानवापी शृंगार गौरी मुकदमे के मुख्य वादी और विश्व वैदिक सनातन संघ के संस्थापक जितेंद्र सिंह बिसेन ने ज्ञानवापी से जुड़े सभी मामलो से खुद को अलग करने की घोषणा की है। इससे पूर्व, जितेंद्र सिंह के वकील शिवम गौड़ ने इस मामले से खुद को हटा लिया था। जितेंद्र सिंह ने यहां जारी एक बयान मे कहा, मै और मेरा परिवार ज्ञानवापी से जुड़े उन सभी मामलो से स्वयं को अलग कर रहे है, जो देश और धर्म के हित मे हमारे परिवार ने विभिन्न अदालतो मे दायर किए थे। उन्होने कहा, इन सभी मामलो को दायर करने के बाद से मुझे और मेरे परिवार को हर तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है। इस धर्मयुद्ध को लड़ते हुए हमारे समाज द्वारा हमे ही गद्दार घोषित किया जा चुका है। सिंह ने कहा, शासन ने केवल हमे ही प्रताड़ित किया। ऐसे मे शक्ति और सामर्थ्य सीमित होने की वजह से इस धर्मयुद्ध को मै अब और नही लड़ सकता, इसलिए मै यह युद्ध छोड़ रहा हूं। इस धर्मयुद्ध को शुरू करके शायद मैने अपने जीवन मे सबसे बड़ी गलती की थी।

बिहार में निर्माणाधीन पुल गिरा, कोई हताहत नहीं

भाषा। पटना

बिहार के भागलपुर जिले में रविवार को गंगा नदी पर एक निर्माणाधीन पुल ढह गया। राज्य सरकार ने भवन निर्माण विभाग को इस घटना की जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भवन निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत को मामले की जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह निर्माणाधीन पुल दो बार गिर चुका है। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव में नैतिकता बची हुई है तो वे तुरंत इस्तीफा दें। अश्विनी कुमार ने ट्वीट कर कहा कि बिहार में व्याप्त भ्रष्टाचार का एक (शेष पेज 9)

जनता भाजपा को हराने जा रही: राहुल गांधी

- पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने अमेरिका में भाजपा पर साधा निशाना

एजेंसी। न्यूयॉर्क

अमेरिका की यात्रा पर गए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सीधे तौर पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी और भारत की जनता नफरत को हराने जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद अब तेलंगाना व अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा का सफाया कर देगी।

राहुल गांधी वाशिंगटन और सैन फ्रांसिस्को की यात्रा के बाद न्यूयॉर्क पहुंचे। वह रविवार को मैनहट्टन के जेविट्स सेंटर में सामुदायिक रैली को संबोधित करेंगे। न्यूयॉर्क में राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने हर पैंतरा आजमाया। फिर भी हमने उनको हरा दिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सामुदायिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक, पार्टी सदस्य, अधिकारी और प्रवासी समुदाय के सदस्य एकत्र हुए, जिनमें न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स भी शामिल थे। राहुल ने कहा कि तेलंगाना के अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी चुनाव होने हैं। हम इन राज्यों में उनके (भाजपा के) साथ वही करेंगे, जो हमने कर्नाटक में किया।

उन्होंने कहा, सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही नहीं है, जो भाजपा को हराने जा रही है। भारत के लोग, मध्य प्रदेश के लोग, तेलंगाना के लोग, राजस्थान-छत्तीसगढ़ के लोग भाजपा को हराने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद फिर 2024 (लोकसभा चुनाव) में भी हम ऐसा ही करेंगे। विपक्ष एकजुट है, हम सब मिलकर काम कर रहे हैं। यह एक वैचारिक लड़ाई है। एक तरफ भाजपा की विभाजनकारी, नफरत भरी विचारधारा है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी की स्नेह से भरी, प्रेमपूर्ण विचारधारा है।

विदेश में राजनीति से बड़ा राष्ट्रहित: एस जयशंकर

- विदेश मंत्री ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना किया पलटवार

एजेंसी। केपटाउन

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि जब कोई व्यक्ति देश से बाहर कदम रखता है, तो राजनीति से पहले राष्ट्रहित और सामूहिक छवि होती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी राजनीति से भी बड़ी चीजें होती हैं। जयशंकर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर कई बार निशाना साधा है।

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में शनिवार को भाग लेने के बाद केपटाउन में प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि वह अपने बारे में बात कर सकते हैं और विदेश यात्रा के दौरान राजनीति नहीं करते। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, देखिए, मैंने कहा है कि मैं केवल अपने लिए बात कर सकता हूं, मैं कोशिश करता हूं कि जब मैं विदेश जाऊं तो राजनीति न करूं। विदेश मंत्री ने कांग्रेसी नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मैं भारत में जोरदार तरीके से बहस करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था की भी एक निश्चित सामूहिक जिम्मेदारी होती है। राष्ट्रीय हित होता है, सामूहिक छवि होती है। कभी-कभी राजनीति से भी बड़ी चीजें होती हैं और जब आप देश के बाहर कदम रखते हैं, तो मुझे लगता है कि यह याद रखना महत्वपूर्ण होता है। जयशंकर ने कहा कि तो मेरी किसी के साथ असहमति हो सकती है। लेकिन, इसका जवाब अपने देश में जाकर देना उचित रहेगा। जयशंकर ने कहा कि आज भारतीय विदेश नीति का एक हिस्सा विदेशों में भारतीय नागरिकों के कल्याण को सुरक्षित करने पर केंद्रित है। उन्होंने (शेष पेज 9)

अदालत ने 35 पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज करने का दिया आदेश

● फर्जी मुकदमे में महंत और उसकी पत्नी को फंसाकर भेज दिया था जेल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट विभांशु सुधीर ने थाना लोनी बॉर्डर के इंस्पेक्टर सहित 35 पुलिसकर्मियों पर रिपोर्ट करने का आदेश दिया है।

आरोप है कि इन पुलिसकर्मियों ने एक महंत और उनकी पत्नी को फर्जी मुकदमा दर्ज करके जेल भेज दिया था। गांव टीला शहबाजपुर स्थित मोनू धाम के महंत मोनू शर्मा की पत्नी दीपा ने कोर्ट में अर्जी लगाई थी। दीपा के अनुसार, 6 जुलाई 2022 को एक गरीब लड़की का शादी समारोह था। इसमें गांव के मनीष भाटी, बल्ली और विकास मावी आए। उन्होंने 2 लाख रुपए महीना की रंगदारी मांगी। विरोध करने पर महंत और मेरी पिटाई करके सामान लूटकर ले गए। मैंने थाने में इसकी शिकायत की तो पुलिस ने मुझे ही बैठा लिया।

पुलिस ने इसी मामले में पति मोनू एक झूठा केस दर्ज करके जेल भेज दिया। दीपा ने कोर्ट को बताया, मंदिर में जो चढ़ावा आता है, हम उसे सामाजिक कार्यों पर खर्च करते थे। आरोपी पक्ष शायद इससे नाखुश थे। वो चाहते थे कि ये पैसा हमें मिले। संभवत इसीलिए आरोपी पक्ष ने मंदिर में आकर हमारे साथ मारपीट और लूटपाट की।

दीपा ने बताया तीनों आरोपी एक विधायक के गुर्गे हैं। इसलिए पुलिस ने उन पर कोई एक्शन नहीं लेकर उल्टा हम पर ही कार्रवाई कर दी। अधिवक्ता अंबरीश कुमार ने बताया कि इस मामले में कोर्ट ने लोनी बॉर्डर थाने के इंस्पेक्टर योगेंद्र पंवार, सब इंस्पेक्टर विभांशु तोमर, मलखान सिंह, प्रदीप शर्मा, अमरपाल सिंह, कांस्टेबल राहुल, मुकेश, कुलदीप, अंकुश मलिक, कृष्ण कुमार, विजयपाल, सुशील व 25 अज्ञात पुलिसकर्मियों पर रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया है।

प्रधान के घर से लापता युवक की लाश मिलने से मची सनसनी

नोएडा। शनिवार को लापता हुए ग्रामीण का शव मिलने से बादलपुर थाना क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खास बात यह है कि लापता ग्रामीण का शव उसके गांव के ही ग्राम प्रधान के खाली पड़े मकान से बरामद हुई है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, थाना बादलपुर क्षेत्र के गांव आकिलपुर निवासी 42 वर्षीय मनोज पुत्र सोरन सिंह शनिवार की दोपहर करीब 12 बजे अचानक लापता हो गया था। बताया जाता है कि मनोज किसी काम के लिए अपने घर से निकला था, लेकिन देर रात तक भी वह वापस नहीं लौट सका।

परिजनों द्वारा मनोज की काफी खोजबीन की गई, किंतु उसका कुछ पता न चल सका। जिसके बाद परिजनों ने थाना बादलपुर में मनोज की गुमशुदगी दर्ज कराई।

पुलिस कमिश्नरेट में बदमाशों के कमर तोड़ने की कारवाई जारी

● रणदीप भाटी गैंग के सक्रिय सदस्य का कैंटर पुलिस ने कुर्क किया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतम बुद्ध नगर में बदमाशों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस लगातार कुख्यात बदमाशों और उनके सदस्यों की कमर तोड़ने में जुटी हुई है। बदमाशों के द्वारा अवैध रूप से कमाई हुई उनकी संपत्तियों को कुर्क किया जा रहा है।

इसी कड़ी में रणदीप भाटी गैंग के सक्रिय सदस्य के एक कैंटर को पुलिस के द्वारा कुर्क किया गया। इस कैंटर की कीमत 15 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में पुलिस कमिश्नरेट के समस्त पुलिस अधिकारियों द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अपराधियों के विरुद्ध निरंतर स्तर पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी के क्रम में पुलिस आयुक्त न्यायालय गौतमबुद्धनगर द्वारा 14/1 गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के अंतर्गत थाना जारचा पुलिस द्वारा रणदीप भाटी गैंग के सक्रिय सदस्य मनीष निवासी डाबरा की चल सम्पत्ति को कुर्क किया गया। इस दौरान उसके एक आयशर कैंटर को पुलिस ने जब्त किया।

इस कैंटर की कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अपराधियों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की कड़ी कार्रवाई निरंतर स्तर पर जारी रहेगी।

कुख्यात बदमाश अनिल दुजाना के गिरोह के सदस्यों की करीब 6 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। पुलिस अन्य बदमाशों पर कार्रवाई करने जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

कार्यशाला में लोगों को संबोधित करते कविश कपूर।

साइबर अपराधों को रोकने के लिए कार्यशाला

नोएडा। भारत में प्रतिवर्ष वीजा के नाम पर तकरीबन ढाई लाख लोग ठगी का शिकार होते हैं। जानकारी के आभाव में अक्सर वीजा दिलाने का झांसा देकर एजेंट लोगों को टैग ठगी का शिकार बना लेते हैं। लोगों को इसी ठगी से बचाने के लिए ए वीजा एक्सपर्ट्स ने जन जागरूकता मुहिम चलाई है। यह जानकारी दी ए वीजा एक्सपर्ट्स के सीईओ कविश कपूर ने वह नोएडा सेक्टर 02 में वीजा की बारीकियों को समझाने के लिए बतौर मोटिवेशनल स्पीकर एक कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ए विजा एक्सपर्ट पिछले 5 महीने में 300 से अधिक लोगों को विजा दिलवा चुकी है। उन्होंने कहा कि ए वीजा एक्सपर्ट वीजा दिलाने के नाम पर लोगों को निशुल्क सलाह देती है। उनसे एक भी पैसा चार्ज नहीं करती है।

लापता मजदूर की लाश सिकंदराबाद नहर में मिली

गाजियाबाद। गाजियाबाद से लापता चल रहे एक मजदूर की लाश बुलंदशहर के सिकंदराबाद में गंगनहर में मिली है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शिनाख्त नहीं होने पर शव को दफना दिया। गाजियाबाद पुलिस को इसका पता छह दिन बाद चला है। मृतक के परिजन बुलंदशहर के लिए रवाना हो गए हैं। मृतक के दोस्त का पता नहीं चला है, जो तभी से लापता है। गाजियाबाद में निवाड़ी थाना क्षेत्र के अबूपुर गांव निवासी अकरम और नितिन गुप्ता दोस्त थे। दोनों प्रॉपर्टी साइट पर मजदूरी करते थे।

क्रिकेट मैच के दौरान प्रोफेसर व खिलाड़ियों में मारपीट

गाजियाबाद। मोदीनगर के दिल्ली-मेरठ मार्ग पर एमएम डिग्री कॉलेज के मैदान में क्रिकेट खेलने को लेकर खिलाडियो व प्रोफेसर के बीच मारपीट हो गई। इस संघर्ष में प्रोफेसर व खिलाड़ी घायल हुए हैं। पुलिस ने प्रोफेसर की तहरीर पर हरिजन एक्ट की धाराओं में तीन के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। दिल्ली- मेरठ मार्ग पर एमएम डिग्री कॉलेज के मैदान में रविवार सुबह कुछ शिक्षक क्रिकेट खेल रहे थे। इसी बीच दो युवक आए। युवकों ने शिक्षकों से बैट लेकर क्रिकेट खेलने के लिए कहा। शिक्षक ने उन्हें बैट दे दिया और उन्होने खेलना शुरू कर दिया। वह काफ ी देर तक खेलते रहे। इस बात को लेकर शिक्षक व खिलाड़ियों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते बात इतनी बिगड़ी कि दोनों पक्ष आमने सामने आ गए और जमकर मारपीट हो गए।

डिवाइन वैली सोसाइटी में पूजा व भंडारे का आयोजन

डिवाइन वैली सोसाइटी स्थित मंदिर में सत्यनारायण कथा का आयोजन किया गया

गाजियाबाद। ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को वैशाली सेक्टर-6 स्थित डिवाइन वैली सोसायटी में सत्यनारायण भगवान की कथा और पूजन के साथ भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रशांत सोम ने बताया कि समाज में सौहार्द, शांति, खुशहाली और भाईचारे के विकास के लिए सोसायटी में पूजन और भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सोसायटी के हर आयु वर्ग के लोगों ने बेहद उत्साह के साथ भाग लिया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रशांत सोम, कैशियर रोशन बड़ौनी, मनोज सेठी, मनीष जायसवाल, बिहोर शर्मा, अभिनंदन त्रिपाठी समेत कॉलोनी के लोग शामिल हुए।

ऑनलाइन धर्मांतरण मामले में मस्जिद कमेटी का पूर्व सदस्य गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में जैन परिवार के नाबालिग बेटे के धर्मांतरण में पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मस्जिद कमेटी के पूर्व सदस्य अब्दुल रहमान को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस का दावा है कि रहमान एक गैंग के साथ काम कर रहा था, जो ऑनलाइन गेम जिताने के लिए कुरान की आयतें पढ़वाता था। फिर ब्रेनवॉश करके उनका धर्मांतरण कराता था। रहमान के मोबाइल से धर्मांतरण से जुड़े सबूत भी मिले हैं। 30 मई को राजनगर के रहने वाले एक व्यक्ति ने थाना कविनगर में धर्मांतरण मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में संजयनगर सेक्टर-23 की मस्जिद का मौलवी अब्दुल रहमान और दूसरा मुंबई का रहने वाला बद्दो नामक के शख्स का जिक्र था। दोनों पर आरोप है कि वह हिंदू लड़कों का ब्रेनवॉश कर नमाज पढ़वाते थे।

निपुण अग्रवाल ने बताया, अब्दुल रहमान संजयनगर सेक्टर.23 की मस्जिद कमेटी का सदस्य था। दो महीने पहले इसे कमेटी से बाहर निकाल दिया गया था। पूछताछ में अब्दुल रहमान ने धर्मांतरण की बात कबूल की है।

सेहत से खिलवड़ : अमूल का नकली घी व मक्खन जब्त

● पुलिस ने किया गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

पायनियर समाचा सेवा। नोएडा

थाना फेस-3 पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो नोएडा की जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा था। पुलिस ने विभिन्न ब्रांड के नकली घी और मक्खन बनाने वाले गिरोह के पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से अमूल ब्राण्ड के नकली पैकिंग रैपर व पैकिंग पेपर भी बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार, थाना फेस 3 पुलिस द्वारा लोकल इटेलिजेन्स व बीट पुलिसिंग के माध्यम से गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग सेक्टर 70 मे नकली घी व मक्खन बनाकर बेचते हैं। इस सूचना के आधार पर तत्काल फूड सेफ्टी

आफिसर को मौके पर बुलाया गया तथा पुलिस व फूड सेफ्टी आफिसर द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए मकान नंबर जीटी 58, सेक्टर 70 पर छापेमारी की और संजय पुत्र श्याम सिंह, राजकुमार पुत्र किशोर सिंह, आसिफ पुत्र अंसार अली, साजिद पुत्र कामिल तथा दीपक मल्होत्रा पुत्र नारायणदास को गिरफ्तार किया, जबकि छह आरोपी मौके से फरार हो गए। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह मानव स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करते हुए अपने निजी व आर्थिक लाभ के लिए नकली मिलावटी मक्खन व घी से अमूल ब्राण्ड का मक्खन व घी बनाकर सप्लाई कर अवैध तरीके से धोखाधडी व मिलावट करने का अपराध कारित किया है।

नोएडा विधायक पंकज सिंह से मुलाकात करते नेफोमा के पदाधिकारी।

ग्रेटर नोएडा में फ्लैट की रजिस्ट्री के लिए लड़ाई लड़ रहे खरीदारों ने विधायक से लगाई गुहार

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट फ्लैट बॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अन्नू खान ने नोएडा के विधायक और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह से मीटिंग कर हजारों फ्लैट निवासियों की समस्याओं से अवगत कराया।

नेफोमा अध्यक्ष ने बताया की सबसे बड़ी समस्या इस वक्त हजारों फ्लेट निवासियों की रजिस्ट्री है जो कि पिछले 12 वर्ष से फ्लैट की लड़ाई लड़ रहे थे किसी तरह बिल्डरों उनको फ्लेट का पजेशन तो दे दिया लेकिन फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं करी जिसकी वजह से वह मालिकाना हक से वंचित हैं और अपनी फरियाद को लेकर हर जगह धक्के खा रहे हैं। धरना प्रदर्शन कर रहे हैं प्राधिकरण के दफ्तर के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उनकी कहीं पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। विधायक विधायक पंकज सिंह ने आश्वस्त किया की उच्च स्तर पर इस समस्या को रखकर निदान करेंगे हमारी सरकार जब से बनी है। फ्लेट निवासियों को हक दिलाने के लिए कार्य कर रही है मीटिंग में नेफोमा से उमेश, किशोर, नितिन राणा, आशीष बंसल उपस्थित रहे।

प्लाट दिलाने के नाम पर पूर्व सभासद से ठगी

● 40 लाख रुपये वापस मांगने पर मिली धमकी, मामला दज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मुरादनगर में पाइपालाइन मार्ग स्थित गोकुलधाम इन्डस्ट्रियल एरिया में दो हजार गज प्लाट देने की बात कहकर पूर्व सभासद से 40 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पैसे वापस मांगने पर पीड़ित को परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस कमिशनर के आदेश पर मुरादनगर पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नगर की कच्ची सरॉय कॉलोनी स्थित आजाद मार्केट निवासी ताज चौधरी पूर्व सभासद हैं। ताज चौधरी ने बताया कि मेरी मुलाकात अक्टूबर माह में नगर की गुड मंडी कॉलोनी निवासी अरुण कुमार से हुई। मेरे दो प्लॉट दो हजार गज के पाइपालाइन मार्ग स्थित गोकुलधाम इन्डस्ट्रियल एरिया में है और पैसे की जरुरत होने के कारण सस्ते दाम पर बेचने हैं। इसके बाद ताज चौधरी व अरुण कुमार के बीच आठ हजार रुपये गंज के हिसाब से प्लॉट का सौंदा हो गया। इसके बाद बीती 10 नवंबर 2021 को ताज चौधरी ने उन्हें 34 लाख रुपये दे दिए और जल्द बैनामा करने की बात तय हुई। कुछ समय बाद भी वह उनसे 6 लाख रुपये और ले गया। बैनामा करने पर वह आनाकानी करने लगा।

इसी बीच उसने ताज चौधरी को तीन चैक दिए एजो बाउंस हो गए। ताज चौधरी द्वारा पैसे मांगने पर वह परिवार सहित जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस कमिशनगर अजय कुमार मिश्र से की।

अजय कुमार मिश्र ने एंटी फ्रांड सेल को जांच भेज दी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर सीपी ने मुरादनगर पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए है। एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि अरुण कुमार निवासी पुरानी गुड मंडी कॉलोनी मुरादनगर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

अवैध रूप से रह रही तीन विदेशी महिलाएं पकड़ीं

● नोएडा में ड्रग्स फैक्ट्री पकड़े जाने के बाद पुलिस की कार्रवाई जारी

पायनिय समाचार सेवा। नोएडा

गौतम बुद्धनगर में विदेशी नागरिकों के सत्यापन की कार्रवाई लगातार पुलिस के द्वारा की जा रही है। इस दौरान पासपोर्ट और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी ग्रेटर नोएडा में रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने तीन विदेशी महिलाओं को पुलिस अभिरक्षा में लिया और उसके बाद सभी को दिल्ली भेज दिया गया।

ग्रेटर नोएडा में 600 करोड़ की ड्रग्स पकड़े जाने के बाद से अफीकी मूल के और विदेशी नागरिकों के सत्यापन की कार्रवाई पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश के बाद पूरे जिले में चल रही है। सभी थाना क्षेत्रों में रह रहे विदेशी नागरिकों का पुलिस के द्वारा सत्यापन कराया जा रहा है और इस दौरान काफी ऐसे विदेशी पुलिस द्वारा पकड़े जा रहे हैं जो अवैध रूप से ग्रेटर नोएडा में रह रहे हैं। इन लोगों की पासपोर्ट और वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी है लेकिन उसके बावजूद भी यह लोग यही पर रह रहे हैं।

थाना कासना पुलिस व एलआईयू टीम के संयुक्त चेकिंग अभियान के दौरान ओमीक्रॉन प्रथम सोसाइटी में अवैध रूप से रह रही विदेशी मूल के 3 महिला विदेशी नागरिकों को अभिरक्षा में लिया गया है। सभी विदेशी महिला नागरिकों को मेडिकल परीक्षण कराकर एफ आरआरओ आरके पुरम नई दिल्ली भेजा गया। इनकी पहचान मरियम नाटूकुण्डा, मरियम मवानिका, जूलिथा फ्रेडरिक जार्ज के रूप में हुई। ये सभी युगांडा और तनजानिया की रहने वाली हैं।

बाइक रैली से पहले 51 किसान गिरफ्तार

नोएडा। अपनी मांगों को लेकर सिलारपुर अंडरपास के नीचे अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसानों ने 21वें दिन 21 गांवों की बाइक रैली निकालने का निर्णय लिया था, जिसके तहत सैकड़ों की संख्या में किसान बाइकों के साथ धरना स्थल पर पहुंचे। लेकिन मौके पर कई थानों की पुलिस बल के साथ मौजूद थी।

इस दौरान बाइक रैली निकालने को लेकर पुलिस और किसानों के बीच तीखी नोकझोंक हुई लेकिन किसान बाइक रैली निकालने पर अड़े रहे। मामला बढ़ता देख प्रशासन ने 51 किसानों को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन भेज दिया।

बाइक सवारों को ट्रैफिक के बारे में जानकारी देता पुलिसकर्मी।

मैं प्रमोटर M/s Shubh Advisors Pvt. Ltd. व्यक्तिगत कारणों से उ0 प्र0 रेरा में पंजीकृत परियोजना NCR AURIEL TOWNE पंजीयन संख्या UPRERAPRJ6660 के टावर-दो, टावर-तीन, टावर-चार, टावर-पाँच और विलास का सरेंडर / कैंसिलेशन/निरस्तीकरण करा रहा हूं। किसी व्यक्ति/संस्था आदि द्वारा इस परियोजना में यदि कोई बुकिंग करायी गई हो तो कृपया अपना क्लेम/दावा प्रस्तुत करें। उक्त क्लेम/दावा को विवरण सहित 15 दिनो के अंदर उ0प्र0 रेरा की ईमेल आईडी contactuprera@up-rera.in पर भी भेजा जाए तथा क्लेम / दावा विवरण को सचिव उ0प्र0 रेरा मुख्यालय नवीन भवन, राज्य नियोजन संस्थान कालाकांकर हाउस पुराना हैदराबाद लखनऊ 226007 को प्रेषित किया जाए।
M/S SHUBH ADVISORS PVT.LTD.
EMAIL ID :- info@ncrgroup.in

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में अब मिलेगा आशियाना

● डीएमआईसी ने तीन ग्रुप हाउसिंग भूखंड और दो वाणिज्यिक भूखंड की योजनाएं लॉन्च की

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर के तहत विकसित देश की सबसे स्मार्ट टाउनशिप में से एक इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा में आशियाना पाने की चाहत अब जल्द पूरी हो सकेगी।

डीएमआईसी आईआईटीजीएनएल ने तीन ग्रुप हाउसिंग भूखंड और दो वाणिज्यिक भूखंड की योजनाएं लॉन्च कर दी हैं। यह टाउनशिप में आईआईटीजीएनएल की पहली ग्रुप हाउसिंग और वाणिज्यिक भूखंड

योजनाएं हैं। इससे पहले तक सिर्फ औद्योगिक भूखंडों की योजना ही लाई गई थीए जो काफी सफल रही है। डीएमआईसीआई आईटीजीएनएल की प्रबंध निदेशक और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने हाल ही में बैठक कर इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में ग्रुप हाउसिंग और वाणिज्यिक भूखंडों की योजना लॉन्च करने के निर्देश दिए थे। जिस पर अमल करते हुए आईआईटीजीएनएल की टीम ने शनिवार को ग्रुप हाउसिंग के तीन और दो वाणिज्य भूखंडों की योजना लॉन्च कर दी है। आईआईटीजीएनएल के कार्यकारी निदेशक अमनदीप डुली ने बताया कि तीन ग्रुप हाउसिंग भूखंडों में से एक भूखंड 19503 वर्ग मीटर, दूसरा भूखंड 34247 वर्ग मीटर और तीसरा भूखंड 56329 वर्ग मीटर का है। रिजर्व प्राइस के आधार पर इन तीनों भूखंडों की कुल कीमत लगभग 473 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। इसी तरह दो वाणिज्यिक भूखंडों में से एक भूखंड 10800 वर्ग मीटर और दूसरा 23530 वर्ग मीटर का है। रिजर्व प्राइस के आधार पर इन दोनों भूखंडों की कुल कीमत लगभग 247 करोड़ रुपए है।

इन भूखंडों का आवंटन ऑनलाइन ऑक्शन के जरिए होगा, जो आवेदक सबसे अधिक बोली लगाएगा, उसे ये भूखंड आवंटित किए जाएंगे। ब्रोशर को 16 जून से कर सकेंगे डाउनलोड इन दोनों तरह की स्कीमों में पंजीकरण और ब्रोशर डाउनलोड करने की सुविधा 16 जून से मिलने लगेगी। पंजीकरण और डॉक्यूमेंट सबमिट करने की अंतिम तिथि 7 जुलाई है। इन स्कीमों में पंजीकरण, आवेदन, फीस डिपॉजिट और ई-ऑक्शन की सुविधा बैंक ऑफ बड़ौदा के पोर्टल पर होगी। इन दोनों स्कीमों के बारे में और अधिक जानकारी के लिए ब्रोशर आईआईटीजीएनएल की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा। सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने कहा कि भारत सरकार और ग्रेटर नोएडा के संयुक्त उपक्रम डीएमआईसी आईआईटीजीएनएल की तरफ से बोड़ाकी के पास इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसाई गई है।

यह पूर्ण रूप से विकसित देश के सबसे स्मार्ट टाउनशिप में से एक है। यह टाउनशिप प्लग एंड प्ले सिस्टम पर आधारित है। बिजली और पानी की 24 घंटे सप्लाई की व्यवस्था है। यह टाउनशिप ऑटोमेटेड वेस्ट कलेक्शन की सुविधा से युक्त है। इस तरह की टाउनशिप में निवेश करने के लिए कई निवेशक बहुत इच्छुक हैं। खरीदारों की भी काफी मांग है। इसीलिए ग्रुप हाउसिंग और वाणिज्य भूखंडों की योजना लाई गई है। ये सभी भूखंड पूर्ण रूप से विकसित किए जा चुके हैं। इन स्कीमों के सफ ल आवेदकों को एक माह में इन भूखंडों पर पोजेशन भी दे दिया जाएगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 5 जून, 2023

सामूहिक प्रयासों से यमुना का होगा कायाकल्पः राय

लोगों ने कई जगहों पर मानव श्रृंखला बनाकर नदी की सफाई का लिया संकल्प

यमुना संसद अभियान में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

यमुना सांसद में मानव श्रृंखला बनाते गोविंदाचार्य, लोकेश मुनि, गोपाल राय, सौरभ और वीरेंद्र सचदेवा। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए एक पहल के तहत बड़ी संख्या में लोग यमुना के किनारे मानव श्रृंखला बनाने के लिए इकट्ठा हुए। यमुना संसद पहल के अंतर्गत, लोगों ने राजधानी दिल्ली के इलाकों आईटीओ, वजीराबाद, कालिंदी कुंज, गीता कालोनी और ओल्ड उस्मानपुर में मानव श्रृंखला बनाकर नदी की साफ-सफाई का संकल्प लिया।

साथ ही यमुना में गिरने वाले सिवेज और औद्योगिक कचरे से निजात दिलाने की मांग की। सामाजिक, सांस्कृति और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों ने भी यमुना संसद अभियान में हिस्सा लिया। भाजपा के पूर्व संगठन सचिव गोविंदाचार्य, जैन मुनि लोकेश मुनि, आम आदमी पार्टी के दिल्ली संयोजक व मंत्री गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित कई राजनेताओं ने भी अभियान में भाग लिया। हाथों में हाथ लेकर यमुना की निर्मलता को वापस लाने का ये संकल्प लिया कि यमुना नदी जीवनदायिनी रही है इसलिए नदी का अस्तित्व बचाए रखना बेहद जरूरी है।

यमुना चिंतकों ने विशेष तौर पर नदी में जल की अविरलता बरकरार रखने तथा नदी में गिरते नालों का जल शोधित कर नदी में डालने की मांग की। यमुना संसद के संयोजक रविशंकर तिवारी ने कहा कि यमुना को पुनर्जीवित करने में योगदान देने के लिए लोगों के संकल्प को व्यक्त करते हुए मानव श्रृंखला बनाई गई थी, जिसे सरकारों द्वारा इसे साफ करने के वर्षों के प्रयासों के बावजूद एक नाले में बदल दिया गया है। गोपाल राय ने इस मौके पर कहा कि यमुना दिल्ली के लिए एक नदी ही नहीं है बल्कि यह एक बहुत बड़े इकोसिस्टम को सपोर्ट करती है। उन्होंने यमुना संसद में उपस्थित सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए संकल्प ले की नदी के पानी को ना तो प्रदूषित करेंगे और ना ही किसी को करने देंगे क्योंकि जनसहभागिता से ही पर्यावरण को बेहतर और प्रदूषण मुक्त बनाने का रोडमैप बनेगा।

इस अवसर पर पर जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि वायु व जल प्रदूषण पूरी दुनिया में एक बड़ी समस्या है। आधुनिकीकरण के साथ समाज में कुछ समस्याएं भी आई, जिसमें प्रदूषण भी एक है। मगर अच्छी बात यह है कि कुछ वर्षों से प्रदूषण को लेकर लोगों में और सरकारों में जागरूकता बढ़ रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सबसे बड़ी प्राथमिकता यमुना को प्रदूषण मुक्त करना है। इसी के मद्देनजर साल 2021 में मुख्यमंत्री द्वारा बताए गए छह सूत्रीय एक्शन प्लान पर युद्धस्तर पर काम चल रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि केजरीवाल के सत्ता में आए आठ साल से ज्यादा हो गए हैं और जो बातें वह यमुना सफाई को लेकर आठ साल पहले कहा करते थे, वहीं बात आज भी दोहरा रहे हैं लेकिन यमुना की सफाई के लिये कुछ ठोस नहीं किया। सचदेवा ने सभी को आगे आकर यमुना सफाई की मुहिम में साथ जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि यमुना की सफाई पर पिछले आठ सालों से काम की जगह दिल्ली सरकार राजनीति करती आ रही है।

उन्होंने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना द्वारा यमुना सफाई का मोर्चा सम्भालने की सराहना करते हुए कहा कि उपराज्यपाल द्वारा यमुना किनारे साफ कराये गये स्थानों पर नियमित चर्चा करें और सामाजिक संस्थाऐं वहाँ पिकनिक आदि रख लोगों को यमुना सफाई का महत्व समझायें।

महिला पहलवानों के समर्थन में पंचायत, नेताओं ने भरी हुंकार

- पूर्व राज्यपाल, सत्यपाल मलिक, जयंत चौधरी, गुरनाम सिंह चढूनी आदि पहुंचे सोनीपत

पीएनएस। नई दिल्ली/सोनीपत

यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी को लेकर संघर्षरत महिला पहलवानों के समर्थन में रविवार को हरियाणा में सोनीपत की गोहाना तहसील के मुंडलाना गांव में एक सर्वजातीय पंचायत हुई।

इस सर्वजातीय पंचायत में जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी, ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया, किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी आदि शामिल हुए।

पंचायत में पूनिया ने कहा कि एक साथ मिलकर लड़ने से इस आंदोलन में जीत मिलेगी। उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि हर रोज पंचायतों का आयोजन हो, क्योंकि अलग-अलग पंचायत करने से हमारी एकता प्रदर्शित नहीं हो पा रही है और सरकार इसका सीधा फायदा उठा रही है। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने 28 मई को आने की कोशिश की लेकिन आप नहीं आ पाए और पुलिस ने आपको रोका। अलग-अलग होकर जीत नहीं पाएंगे। सभी संगठन एक हो जाएं। हम एक महापंचायत रखेंगे। उसमें बड़ा फैसला करेंगे।

तीन-चार दिन में पहलवानों की पंचायत का स्थान और समय आपको बता दिया जाएगा। इस मौके पूर्व राज्यपाल मलिक ने कहा कि ये बेटियों के सम्मान का सवाल है। जब दिल्ली पुलिस बेटियों को घसीट रही थी तब उनका खून खौल रहा था। इसलिए निर्णय ले लिया है कि वह विभिन्न राज्यों में जनता के बीच जाकर लोगों को जागरूक करेंगे।

मेइती समुदाय के आम लोग, फैशन डिजाइनर, सिंगर, खिलाड़ी, बुद्धिजीवी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करते हुए।

मणिपुर में हिंसा रोकने व शांति के लिए जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मणिपुर में जारी हिंसा के विरोध में और राज्य में शांति बहाली को लेकर रविवार को मेइती समुदाय से जुड़े बुद्धिजीवी लोगों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने मणिपुर में हिंसा को रोकने की मांग की। इस प्रदर्शन में उत्तर-पूर्व के मेइती समुदाय के कई बड़े फैशन डिजाइनर, सिंगर, खिलाड़ी, बुद्धिजीवी, प्रोफेसर, डॉक्टर आदि शामिल थे। इसके अलावा इन लोगों ने म्यांमा के अवैध प्रवासियों पर भी रोक लगाने की मांग की।

जंतर-मंतर पर रैली में राजधानी में रहने वाले मणिपुरी नागरिक संस्थाओं, छात्र संगठन, मणिपुर कोऑर्डिनेटिंग कमेटी के बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

कमेटी के सदस्य चान मेइती ने कहा कि रैली का आयोजन मणिपुर में शांति और राज्य में विभाजनकारी ताकतों एवं बाहरी आक्रामकता से राज्य के लोगों को हो रही परेशानी के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए किया गया।

बॉलीवुड का म्यूजिक कंपोजर गिरफ्तार

कृष्ण नगर हत्याकांड

- व्हाट्सएप ग्रुप ऑपरेशन मालामाल के जरिए रची गई थी साजिश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कृष्णा नगर इलाके में हुए दोहरे हत्याकांड की गुत्थी दिल्ली पुलिस ने सुलझा ली है। इस घटना में पुलिस ने किशन सिंह और अंकित को गिरफ्तार है। दोनों मूल रूप से बिहार में सीवान जिले के रहने वाले हैं।

अंकित बॉलीवुड का उभरता हुआ म्यूजिक कंपोजर है, जो हाल ही में एक ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए अपनी आवाज दे चुका है। उसका एक संगीत बैंड भी है। वह न्यू अशोक नगर इलाके में गायन की कोचिंग देता था लेकिन जल्दी पैसे कमाने की लालच ने उसे हत्यारा बना दिया। उसने मेहनत की जगह लूट का रास्ता चुना और अपने साथी किशन सिंह के साथ मिलकर पहले मां-बेटी का भरोसा जीता और फिर बाद में दोनों की हात्या कर दी।

पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा के मुताबिक, अंकित के साथ हत्या में शामिल किशन सिंह मृतका राजरानी की बेटी गिन्नी का कंप्यूटर टीचर था। किशन ने ही अंकित को जल्दी पैसा कमाने का लालच देकर इस हत्याकांड में शामिल किया था। जिसकी साजिश करते हुए दोनों ने बाकायदा ऑपरेशन मालामाल के नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था। इस व्हाट्सएप ग्रुप के जरिये ये दोनों आपस में बातचीत किया करते थे। कृष्णा नगर इलाके में 31 मई को मां-बेटी की सड़ी गली अवस्था में लाश मिली थी। दोनों की चाकुओं से हमला कर हत्या की गई थी।

मृतका की पहचान राजरानी और उनकी बेटी गिन्नी के रूप में हुई थी। पुलिस ने बताया कि मृतका राजरानी आकाशवाणी से सेवानिवृत्त थी। वह तबला आर्टिस्ट थी। उनकी बेटी गिन्नी जिसको सुनने और बोलने में परेशानी थी। गिन्नी एमए फाइन आर्ट्स की पढ़ाई पूरी कर चुकी थी। घर में ये दोनों ही रहते थे। गिन्नी की दो और बहने हैं जो अलग रहती थीं।

पूछताछ में किशन सिंह ने पुलिस को बताया कि वह गिन्नी को कंप्यूटर पढ़ाता था। इस दौरान उसने मां-बेटी की मदद करते हुए इनके लिए ऑनलाइन शॉपिंग की थी। उसी दौरान उसे पता चला कि दोनों खाता में करीब 50 लाख रुपये हैं।

इसके बाद किशन ने अपने रिश्ते में भाई अंकित को असम से बुला लिया और फिर जल्दी पैसा कमाने के लिए लूट के इरादे से इस हत्याकांड को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक ये दोनों 25 मई को घर पहुंचे और किशन ने अंकित को इंग्लिश ट्यूटर बताकर मां-बेटी से मिलवाया और फिर इस हत्याकांड को अंजाम दे दिया। हालांकि इन्हें बाद में बैंक खाते में रखे वो 50 लाख रुपये हासिल नहीं कर पाए क्योंकि मां-बेटी ने उस एकाउंट का नेट बैंकिंग एक्टिव नहीं कराया था और न ही उसका डेबिट कार्ड बनवाया था। घर में रखे 50 हजार रुपये कैश, मोबाइल और लैपटॉप लूटकर ही ये दोनों फरार हो गए थे।

सिसोदिया की अंतरिम जमानत पर आज आ सकता है आदेश

- उच्च न्यायालय ने शनिवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया की छह सप्ताह की अंतरिम जमानत याचिका पर सोमवार को अपना आदेश सुनाएगा।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की अदालत अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला सुनाएगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने अपनी बीमार पत्नी का एकमात्र देखभालकर्ता होने के आधार पर अंतरिम जमानत का अनुरोध किया है। मामले में नियमित जमानत के लिए सिसोदिया की एक याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। इस मामले में नौ मार्च को गिरफ्तार हुए सिसोदिया तिहाड़ जेल में बंद हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सिसोदिया की छह सप्ताह की अंतरिम जमानत अर्जी पर शनिवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था और एलएनजेपी से सिसोदिया की पत्नी सीमा के स्वास्थ्य की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी थी।

'सरकारी खर्च पर सीएम का राजनीतिक भ्रमण'

- केजरीवाल विपक्षी नेताओं को करना चाहते हैं गुमराह : बिधूड़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सभी विपक्षी दलों के नेताओं को गुमराह करने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं क्योंकि कोई भी विपक्षी नेता अज्ञानी नहीं है।

केजरीवाल अपनी मंडली के साथ दिल्ली सरकार के खर्चे पर देशभर में राजनीतिक भ्रमण कर रहे हैं लेकिन उनकी मंशा पूरी नहीं होगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि केजरीवाल दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों को जाकर यह भय दिखा रहे हैं कि केंद्र सरकार उनके खिलाफ भी वैसा ही अध्यादेश ला सकती है जैसा दिल्ली में लाया गया है। सभी मुख्यमंत्री और अन्य विपक्षी नेता यह जानते हैं कि संविधान में दिल्ली की जो स्थिति है वह बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र या झारखंड की नहीं है। दिल्ली को विशेष दर्जा मिला हुआ है और इसीलिए केंद्र सरकार अध्यादेश लेकर आई। संविधान में इन सभी राज्यों के बारे में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट है और विभागों का बंटवारा भी स्पष्ट है।

केंद्र सरकार ने 11 मई के उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद 19 मई को जो अध्यादेश जारी किया, उसका रास्ता भी स्वयं उच्चतम न्यायालय ने ही सुझाया है। 11 मई के फैसले में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट रूप से केंद्र के अधिकार को परिभाषित करते हुए कहा है कि केंद्र चाहे तो कानून बनाकर इस आदेश को बदल सकता है। केंद्र सरकार ने इसीलिए उच्चतम न्यायालय के सुझाव पर कानून बनाने का रास्ता चुना।

मेट्रो फेस-4 जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मार्ग

मजलिस पार्क से मुकरबा चौक तक वायाडक्ट का निर्माण पूरा

- इस कॉरिडोर का निर्माण कार्य मार्च 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा : डीएमआरसी

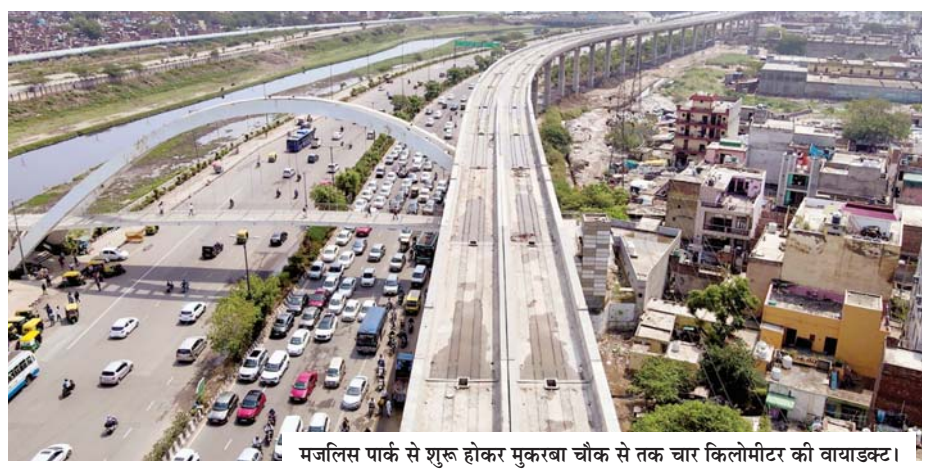
मजलिस पार्क से शुरू होकर मुकरबा चौक से तक चार किलोमीटर की वायाडक्ट।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मेट्रो फेस-4 जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मार्ग पर मजलिस पार्क से शुरू होकर मुकरबा चौक से तक चार किलोमीटर के वायाडक्ट के संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है।

हैदरपुर बादली तक वायाडक्ट का स्ट्रक्चरल निर्माण कार्य भी जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा, क्योंकि रेलवे ट्रैक के ऊपर एक क्रॉसिंग बची है। अब ट्रैक बिछाने और ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन (ओएचई) मास्ट आदि का निर्माण शुरू होगा।

हैदरपुर बादली तक वायाडक्ट का स्ट्रक्चरल कार्य भी जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा, क्योंकि रेलवे ट्रैक के ऊपर बस एक क्रॉसिंग बची है। इस कॉरिडोर का निर्माण कार्य मार्च 2026 तक पूरा होगा। दिल्ली मेट्रो रेल निगम के अनुसार, इंजीनियरों के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि इस कॉरिडोर पर कोविड-19 महामारी के बीच कार्य शुरू हुआ था और महामारी के कारण बार-बार होने वाली देरी और पेड़ काटने की मंजूरी लेने संबंधी मुद्दों का भी सामना करना पड़ा था। यह कार्य नीचे यातायात को बिना रोके पूरा किया गया है।

जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मार्ग मेट्रो कॉरिडोर का कार्य अब पूरी रफ्तार से चल रहा है। पिछले वर्ष इस कॉरिडोर पर जनकपुरी पश्चिम और कृष्णा पार्क एक्सटेंशन के बीच 2.2 किलोमीटर भूमिगत सुरंगों का निर्माण कार्या पूरा किया। इस सप्ताह की शुरुआत में 2 जून को डेरावल नगर से पुलबंगश के बीच सुरंग खुदाई के लिए एक और टनल बोरिंग मशीन उतारी गई थी। यह टीबीएम मशीन नजफगढ़ नाले के पास 25.9 मीटर की गहराई पर बनेगी। जिसका व्यास 5800 मीटर होगा। डीएमआरसी द्वारा टीबीएम की कार्रवाई पर चौबीसों घंटे डिजिटल रूप से निगरानी की जा रही है क्योंकि सतह के ऊपर बहुत सारी पुरानी इमारतें हैं। फेज-4 के विस्तार के एक भाग के रूप में, डीएमआरसी वर्तमान में तीन अलग-अलग कॉरिडोर में 65 किलोमीटर की नई लाइनों के निर्माण कर रहा है। इनमें से 28 किलोमीटर लाइनें भूमिगत होंगी और शेष एलिवेटेड। ग्यारह नए इंटरचेंज स्टेशन इस नए विस्तार का हिस्सा होंगे।

मेट्रो ने बेचे 74 लाख क्यूआर कोड-आधारित टिकट

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) का कहना है कि लगभग एक महीने में 74 लाख से ज्यादा क्यूआर कोड आधारित कागज के टिकट बेचे गए हैं तथा इस अवधि में टोकन की बिक्री 30 प्रतिशत से ज्यादा गिर गई है। डीएमआरसी ने आठ मई को क्यूआर कोड-आधारित कागज के टिकट की व्यवस्था शुरू की थी। डीएमआरसी के अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली मेट्रो की योजना धीरे-धीरे टोकन की अवधारणा को समाप्त करने की है। उन्होंने कहा कि भविष्य की कोई भी योजना डिजिटल तकनीक की बाधाओं को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी और इस बात को भी ध्यान में रखा जाएगा कि सभी यात्री स्मार्टफोन इस्तेमाल नहीं करते हैं। डीएमआरसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 30 मई तक क्यूआर कोड आधारित कुल 74,00,854 टिकटों की बिक्री की गई है। मेट्रो को उम्मीद है कियात्री टोकन टिकट का इस्तेमाल करना धीरे-धीरे कम कर देंगे।

मेट्रो का पाइप चुराने के आरोप में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। मेट्रो के लोहे के पाइप चुराने के आरोप में यहां एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रविवार सुबह 10. 43 बजे पीसीआर को कॉल कर सूचना दी गई कि दो लोग दक्षिण दिल्ली में आरपीएस कॉलोनी, एमबी रोड के पास महरौली-बदरपुर रोड पर दिल्ली मेट्रो के लोहे के पाइप चुराते हुए पकड़े गए हैं। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पाया कि मेट्रो के एक सुरक्षा प्रबंधक ने टिगरी एक्सटेंशन निवासी नीरज को पकड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले एक अन्य व्यक्ति फरार हो गया था। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी पाइप चुरा रहे थे और उन्हें एक ऑटो रिक्शा में रख रहे थे। दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-379 और धारा-34 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के छात्रावास और जहांगीरपुरी की झुग्गियों में लगी आग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के एक छात्रावास में रविवार सुबह आग लग गई, हालांकि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

लड़कों के पुराने छात्रावास में आग लगने की सूचना सुबह छह बजकर नौ मिनट पर मिली थी। दमकल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मौके पर दमकल की सात गाड़ियां भेजी गईं थीं। आग से इमारत की पहली मंजिल के एक कमरे का एसी, फर्नीचर और कपड़े जल गए। आग लगने की एक अन्य घटना उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई। इस घटना में सुबह 10 बजकर 23 मिनट पर झुग्गियों में आग लग गई। दमकल की 11 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया है।

अस्वीकृति बर्दाश्त नहीं कर पाया साहिल : मनोवैज्ञानिक

साक्षी हत्याकांड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि शाहबाद डेरी में हाल में साक्षी की खौफनाक तरीके से की गई हत्या में आरोपी साहिल द्वारा चाकू से कई बार हमला किए जाने से संकेत मिलता है कि इस अपराध में एक मजबूत भावनात्मक घटक शामिल है, जैसे अस्वीकृति को बर्दाश्त नहीं कर पाना और मन में दबा हुआ गुस्सा।

यह आत्मसम्मान की बेहद कमजोर भावना के साथ पीड़ित को बहुत पीड़ा देने के लिए हमलावर को कठोर इरादे की ओर ले जाता है। आरोपी साहिल ने कथित तौर पर घटना से दो दिन पहले साक्षी को मारने की साजिश रची थी। सूत्रों ने बताया कि साक्षी ने साहिल को अपने दोस्तों के सामने फटकार लगाई थी और उसके साथ अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया था। दिल्ली के फॉरेंसिक मनोवैज्ञानिक मोहित बुट्टा ने कहा कि पीड़िता को चाकू घोंपने और पत्थर से सिर कुचलने

का कृत्य हमलावर के विनाशकारी इरादों को दर्शाता है कि वह उसके अस्तित्व को ही मिटा देना चाहता था। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट वंदना वी प्रकाश ने कहा, हमले की वीभत्सता हमलावर की हीन भावना और आत्मसम्मान की कमी को दर्शाती है। यह साजिशकर्ता के गुस्से, नफरत और आक्रोश के शांत होने तक पीड़िता पर वार करने की उसकी सनक को दर्शाती है। एक बार से अधिक चाकू घोंपने का मतलब आमतौर पर भीषण प्रतिशोध होता है। तामसिक विचार हताशा से पैदा होता है। वर्तमान में राजस्थान में पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) परियोजना में शामिल फॉरेंसिक मनोवैज्ञानिक इंद्रनील भोवाल ने कहा कि गुस्से ने संकेत दिया कि पीड़िता और अपराधी के बीच निजी संबंध थे। पुलिस अधिकारियों ने पूर्व में कहा था कि साहिल ने 28 मई की दोपहर को शराब पी थी और शाम को उसका साक्षी से सामना हुआ, जो अपनी सहेली के बच्चे की जन्मदिन पार्टी में जा रही थी। साक्षी को मारने के बाद साहिल पास के एक पार्क में गया और वहां कुछ देर बैठा रहा। भोवाल ने कहा कि कई शोधकर्ताओं ने पाया है कि किसी हत्या के मामले में कई बार चाकू घोंपा जाना इंगित करता है कि अपराध में व्यक्तिगत संबंध का तत्व शामिल है। कई बार चाकू घोंपने से यह भी पता चलता है कि क्रोध कुछ समय से जमा हो रहा था। हत्या से कुछ समय पहले उनके रिश्ते में कुछ ऐसा हुआ था, जिसने इसे बढ़ावा देने का काम किया और आरोपी को अपराध करने के लिए उकसाया। श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, में सलाहकार क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट अर्चना शर्मा के अनुसार, रिश्ते से संबंधित हत्याओं में बार-बार चाकू घोंपने की घटनाएं अधिक होती हैं।

दबंगों ने की मारपीट, छह के खिलाफ केस दर्ज किया

तावडू। उपमंडल के गांव धुलावट में दबंगों द्वारा विधवा महिला के बच्चों के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता विधवा महिला मजिदन का कहना है कि मकान के सामने दबंग किस्म के लोग रहते हैं। जो आयेदिन उनके बच्चों के साथ मारपीट करते हैं।

आरोप है कि दबंगों ने पहले घर के सामने घेरकर बेटे मैनुद्दीन पीटा तो चार दिन बाद बीते 23 मई को दूसरे बेटे सलीम को फरसा व लोहे की रॉड आदि से मारपीट कर घायल कर दिया। महिला का कहना है कि दबंग किस्म के लोग अक्सर उनके बच्चों के साथ मारपीट और अवैध हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी देते है। ग्रामीणों के माध्यम से पंचायत स्तर पर विवाद का समाधान करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई समाधान नहीं हो सका। पीड़िता के बयान पर सदर थाना पुलिस ने आरोपी अती, बसरू, मुबीन, अनीश, नफीस और सलीम के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नागरिक अस्पताल के वार्डों में अब बिना विजिटर पास नो एंट्री

अस्पताल में रविवार से लागू हो गई विजिटर पॉलिसी लागू

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 के वार्डों में अब कोई भी व्यक्ति किसी भी समय मरीजों से नहीं मिल सकेगा। इस व्यवस्था को सुधारने के लिए अब यहां विजिटर पॉलिसी लागू कर दी गई। अब बिना विजिटर पास दिखाए किसी भी परिचित को वार्ड में नहीं जाने दिया जाएगा। ऐसा मरीजों की सेहत और अस्पताल के सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए किया गया।

नागरिक अस्पताल के वार्डों में अभी तक बेरोक-टोक कोई भी व्यक्ति किसी भी समय आ-जा सकता था। लोग मरीजों के पास घंटों तक बैठे रहते थे। इस दौरान वार्डों में स्टाफ को भी काम करने में कठिनाई आती थी। सफाई का काम या फिर मरीजों का इलाज करने के लिए स्टाफ को मरीजों के तिमारदारों को बाहर निकालना पड़ता था। देर रात तक भी लोग वार्डों में मरीजों के साथ बतियाते रहते थे। अस्पताल में स्टाफ की सुरक्षा को लेकर भी कई बार सवाल खड़े हुए हैं। ऐसे में अब अस्पताल प्रबंधन ने यहां के वार्डों में विजिटर पॉलिसी लागू की है।

वार्डों के बाहर गार्डों को सक्रियता से ड्यूटी देने को भी कहा गया। अब मरीजों से मिलने का समय सुबह 11 से 1 बजे तक रहेगा, वहीं शाम को 5 से 7 बजे तक का समय रहेगा। विजिटर पॉलिसी से अस्पताल की व्यवस्था भी सुचारू रूप से चल पाएगी और वार्डों में बेवजह अधिक भीड़ को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम के सेक्टर-102 में हुई रन फॉर ग्रीन मैराथन

गुरुग्राम। रविवार को सेक्टर-102 में ज्ञानप्रभा फाउंडेशन द्वारा आयोजित डीएक्सपी मैराथन रन फॉर ग्रीन का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में इस मैराथन का आयोजन किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित ज्ञान प्रभा फाउंडेशन की डीएक्सपी मैराथन 2023 रन फॉर ग्रीन में द्वारका एक्सप्रेसवे के सेक्टर-99-115 में रहने वाले निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मैराथन हेरिटेज मैक्स/सनसिटी से शुरू होकर वाया अपर द्वारका एक्सप्रेसवे से अदानी ऑयस्टर तक गई। यह मैराथन पर्यावरण संरक्षा की दिशा में एक मजबूत समुदायी भावना को दर्शाती रही। मैराथन के साथ-साथ, योग, जुम्बा, बॉलीवुड और भंगड़ा नृत्य, साइक्लिंग और बच्चों के लिए कई रुचिकर कार्यक्रम हुए। महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यान प्रभा फाउंडेशन ने मैराथन में पंजीकृत हर सहभागी के लिए एक पेड़ लगाने का प्रशंसनीय कदम उठाया है।

मंदिर के सामने बनीं अवैध दुकान में परोसी जाती है शराब और मीट

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-33 स्थित सुभाष चौक के पास बने मंदिर परिसर की आड़ में अवैध शराब, चिकन बिरयानी धड़ल्ले से बिक रही है। यहां बनी सभी दुकानें 18 मीटर के ग्रीन बेल्ट और 12 मीटर के सर्विस रोड को अतिक्रमण कर बनाई गई हैं। प्रशासन की ओर से इन दुकानों को हटाने के आदेश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों का कहना है कि रात 8 बजे के बाद यहां पर माहौल बहुत ही डरावना हो जाता है। तमाम असमाजिक तत्व यहां जमा होते हैं। मंदिर के सामने खुलेआम शराब और चिकन बेचा जाता है। इस मामले की शिकायत पुलिस प्रशासन से कई बार की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अब मुख्यमंत्री को शिकायत करने की तैयारी हो रही है। उम्मीद है कि सरकार इस मसले को गंभीरता से लेगी और जल्द कार्रवाई करेगी। अगर कार्रवाई नहीं हुई तो जल्द आंदोलन भी होगा। क्योंकि ऐसा कार्य होने से धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। यह दुकान झगड़े की वजह बन सकती है। गौरतलब है कि हरियाणा शहरी वि ?कास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने पत्र क्रमांक 3871 (5 अप्रैल, 2023) भेजकर जिला प्रशासन को सूचित किया था कि वह सेक्टर-33 में हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए 12 अप्रैल, 2023 को कार्रवाई करेगा। इसके लिए पुलिस बल और मजिस्ट्रेट दिये जाएं। जिला प्रशासन ने मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात करने के निर्देश भी दिए थे। इसके बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। कार्रवाई नहीं होना भी सवालों के घेरे में है। अवैध दुकानें होने के बावजूद भी इस अतिक्रमण को हटाने में अधिकारियों ने आगे कदम नहीं बढ़ाया, इससे साफ है कि या तो दुकान संचालक को किसी का संरक्षण प्राप्त है या फिर अधिकारियों से मिलीभगत है। अब लोगों द्वारा जनहित में इस अवैध दुकान को मंदिर के पास से हटवाने के लिए अब मुख्यमंत्री मनोहर लाल को शिकायत भेजी जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ता ऋतुराज का कहना है कि मंदिर के आसपास इस तरह की दुकानों का होना सीधे तौर पर धार्मिक भावनाएं आहत करना है। प्रशासन को इस पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

एक पौधा बच्चों के नाम से स्वास्तिक फाउंडेशन ने मनाया पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में सेक्टर-12 में किया समारोह

अतिथियों, बच्चों व सदस्यों को पौधे भेंट करके दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-12 में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में बच्चों को पौधे आवंटित करते अतिथि व स्वास्तिक फाउंडेशन के सदस्य।

स्वास्तिक फाउंडेशन की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को सेक्टर-12 स्थित माधव भवन के सामने पार्क में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय रहा-पर्यावरण जागरुकता: एक पौधा अपने बच्चों के नाम। इस दौरान कार्यक्रम में पहुंचे बच्चों, अतिथियों व अन्य सदस्यों को पौधे भेंट किए गए। पार्क में सभी ने पेड़ लगाकर इस दिवस को मनाया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आरएसएस महानगर संघचालक जगदीश ग्रोवर, शिक्षाविद् डा. अशोक दिवाकर, वरिष्ठ रंगकर्मी अरुण मारवाह, जीव जंतु संरक्षक अनिल गंडास ने शिरकत की। अपने संबोधन में जगदीश ग्रोवर ने कहा कि पर्यावरण सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए एक ज्वलंत मुद्दा है। आज का हमारा खराब पर्यावरण प्रकृति का विध्वंस करने का नतीजा है। हमने विकास के लिए लाखों पेड़ों की बलि दे दी, मगर उनके बदले पेड़ लगाकर उनका पालन करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

राज निर्भीक ने कहा कि एक व्यक्ति के दाह संस्कार में भी एक पेड़ की लकड़ी लगती है। हमें अपनी बॉडी मेडिकल कालेजों को दान करनी चाहिए। शिक्षाविद् डा. अशोक दिवाकर ने कहा कि आज पर्यावरण पर संकट है। यह संकट मनुष्य जनित है। संस्था के संरक्षक बनवारी लाल सैनी ने कहा कि कुदरत के साथ हम छेड़छाड़ करेंगे तो इसका नुकसान हमें भी झेलना होगा। हमें प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए। पीढ़ी दर पीढ़ी इस संदेश को, इस काम को बढ़ाना चाहिए। उन्होंने गंगा-यमुना की सफाई का भी जिक्र किया।

समाजसेवी रेखा सैनी ने कहा कि महिलाएं अपने किचन वेस्ट को खाद में बदलकर शहर में फैले कचरे को कम कर सकती है। महिलाएं इसके प्रति जागरुक हों। संस्था के संरक्षक सुमेर सिंह तंवर, चेयरमैन लखन अरोड़ा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था के कार्यों का उल्लेख किया। स्वास्तिक के संस्थापक अध्यक्ष राज सैनी बिसरवाल व महासचिव राजेश सैनी ने संस्था के उद्देश्यों को साझा किया। बताया कि संस्था के पर्यावरण सैनिक वर्ष 2016 से हजारों की संख्या में पेड़ लगा चुके हैं। फिलहाल न्यू रेलवे रोड का सौंदर्यकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर सीएम विंडो एमिनेंट सदस्य अमित गोयल, कुलदीप हिंदुस्तानी, आयुष जैन, धर्मवीर हिंदुस्तानी, सुरेंद्र गहलोत, कल्याणी सचान, शम्मी अहलावत, सॉफ्ट टेनिस चैंपियन अमित सैनी, बॉडी बिल्डिंग में नेशनल चैंपियन गौरव सैनी, हॉकी चैंपियन सागर, कश्मीर, हरीश, राजेंद्र, बंसीलाल, अमित सैनी, जेबी गुप्ता, सतीश माचीवाल, वासुदेव, अजय, राकेश हुक्मा का पोता आदि का समाजहित के कार्यों के लिए सम्मान किया गया। कार्यक्रम में हितेश सैनी, मनोज तंवर, प्रदीप सरहौल, विक्रम सैनी, मनोज सरहौल, शिव मौर्या, कर्मजीत, जय सैनी, विशु, अंकुश, विश्वास आदि मौजूद रहे।

पेड़ लगाकर भूलना नहीं देखभाल करना भी जिम्मेदारी : नवीन गोयल

साइकिल रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते नवीन गोयल।

गुरुग्राम। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रविवार को ऑल स्किल एंड रिसर्च फॉउंडेशन की ओर से सेक्टर-4 स्थित शिव पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

फाउंडेशन के अध्यक्ष एमपी शर्मा, वीरेंद्र व उनकी टीम द्वारा नवीन गोयल का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नवीन गोयल ने उन महिलाओं को सम्मानित किया। जिन्होंने स्वयं सहायता ग्रुप के माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं। नवीन गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, भाजपा हरियाणा प्रभारी बिप्लब कुमार देब, पूर्व सांसद डा. सुधा यादव के मार्गदर्शन में वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण विभाग की ओर से गुरुग्राम समेत पूरे हरियाणा में वृक्षारोपण पर काम होता है, ताकि हर क्षेत्र में पर्यावरण की खराबी को सुधारा जा सके।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण हम सभी के जीवन से जुड़ा विषय है। जीरो से उम्रदराज व्यक्ति के लिए स्वच्छ पर्यावरण जरूरी है। बीमारियों से अगर हमें बचना है तो अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना होगा। अधिक से अधिक पेड़ लगाकर हरियाली बढ़ाएं। शिव विहार पॉकेट के बच्चों के द्वारा फिट इंडिया की मुहिम के तहत एक साइकिल रैली भी निकाली गई। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने गुरुग्राम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति आगे आने के लिए लोगों से अपील की। नवीन गोयल ने बच्चों से कहा कि वे योग और प्राणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। नियमित तौर पर योग करके खुद को फिट रखें। बचपन से ही अगर यह आदत हो गई तो उनका जीवन निरोगी हो सकता है। इस दौरान पर शिव विहार पॉकेट के प्रधान जगदीश मेहता, प्रवीन मिश्रा, रवि कंबोज, संजीव बंसल, डॉ. सतीश धर्माणी, डॉ. विनोद धर्माणी, नीरज मेहता, दीपाली, सुशील गौड़, बबीता खंडेलवाल व अन्य जन उपस्थित रहे।

भाजपा नेता मुकेश शर्मा ने श्याम मंदिर निर्माण का लिया जायजा

गुरुग्राम। शहरवासियों के सहयोग के लिए सदैव अग्रणी रहने वाले समाजसेवी व भाजपा के वरिष्ठ नेता मुकेश शर्मा पहलवान ने अशोक विहार फेस-2 में पुजारियों एवं निवासियों से मुलाकात कर मंदिर निर्माण कार्य का जायजा लिया। क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुना। इस दौरान क्षेत्रवासियों व मंदिर के पुजारियों ने मुकेश शर्मा का जोरदार स्वागत किया। मुकेश शर्मा ने कहा कि मंदिर निर्माण से हमारी सनातन संस्कृति का प्रचार होता है एवं सामाजिक स्थिरता को मजबूती मिलती है। ऐसे पुण्य कार्यों में स्वयं की भागीदारी होना सौभाग्य की बात है। इस नवीन मंदिर निर्माण में आर्थिक सहायता कर गौरवान्वित हूं एवं गुरुग्राम की उन्नति एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए सदैव तत्पर हूं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम विधानसभा क्षेत्र की जनता का उन्हें अपार सहयोग व प्रेम मिल रहा है, जिससे उनको अधिक ऊर्जा मिलती है। पूरी मेहनत के साथ गुरुग्राम विधानसभा की जनता की सेवा के लिए समर्पित रहता हूं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, नगर निगम, जीएमडीए व प्रदेश सरकार के सहयोग से शहरवासियों की समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास करता रहता हूं। उनका उद्देश्य है कि गुरुग्राम की जनता को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बाबा श्याम की कृपा से वह सदैव जनता की सेवा के लिए तत्पर हैं।

युवाओं को खेल और शिक्षा में सहयोग करें

डीसी ने अभिभावक व सामाजिक संगठनों से अपील करते हुए कहा

कहा, लोहसिंघानी में जल्द ही स्टेडियम तैयार करके सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना/गुरुग्राम

सोहना के गांव लोहसिंघानी में याचिंग नौकायान का झंडी दिखाकर उद्घाटन करते जिला उपायुक्त निशांत यादव।

सोहना के गांव लोहसिंघानी की पंचायती जमीन पर बने तालाब में खिलाड़ी याचिंग नौकायान का अभ्यास कर सकेंगे। उपायुक्त ने शनिवार को याचिंग नौकायान नर्सरी का उद्घाटन किया।

लोहसिंघानी में जल्द ही स्टेडियम तैयार करके सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सोहना के गांव लोहसिंघानी में सात एकड़ जमीन पर फैसला तालाब में खिलाड़ी याचिंग नौकायान का अभ्यास कर सकेंगे। याचिंग संस्था व जिला खेल विभाग व दानीदाताओं के सहयोग से तैयार की गई नर्सरी का उपायुक्त निशांत यादव ने शनिवार को उद्घाटन किया। इस अवसर पर एसडीएम सोहना प्रदीप सिंह, बीडीपीओ हितेश कुमार, जिला खेल अधिकारी इंदू बाला, समेत अन्य अधिकारी नर्सरी को चलाने में सहयोग करने वाले सज्जन तथा संस्था के पदाधिकारी मौजूद थे। याचिंग नौकायान के उाटन अवसर पर उपायुक्त निशांत यादव ने कहा कि युवाओं के लिए खेल और शिक्षा दोनों का होना बहुत ही जरूरी है। जिससे युवाओं का शारीरिक व मानसिक रूप से विकास होता है। अभिभावक तथा संस्थाओं के सहयोग बहुत जरुरी होता है। स्थानीय गांव में तैयार की गई याचिंग नौकायान नर्सरी में सहयोग देने वाली संस्था और सज्जन दानादाताओं का योगदान व्यर्थ नहीं जाएगा। क्षेत्र के युवा एक दिन माता-पिता के साथ-साथ क्षेत्र का भी नाम रोशन करेंगे। उपायुक्त ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीणों की खेल स्टेडियम तैयार करने की मांग को जल्द पूरा किया जाएगा। स्टेडियम के लिए पंचायती जमीन की जल्द ही पैमाइश कराने के बाद जिला खेल विभाग की तरफ से सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी।

जर्जर सड़कों की सुधरेगी हालत

जिला उपायुक्त निशांत यादव ने भी माना कि सोहना खंड में एक से दूसरे गांव को जोड़ने वाली सड़कों की हालत काफी खराब है। सोहना से गांव हरचंदपुर, लोहसिंघानी होते हुए जिला फ रीदाबाद जाने वाली सड़क को जल्द से ठीक कराया जाएगा। जिसके लिए बीएंडआर विभाग के अधिकारियों से बात कर ली है। इसी तरफ से सोहना से दमदमा और दमदमा से भोंडसी जाने वाली सड़क का जल्द से सुधार किया जाएगा।

खेलों में विजेता खिलाड़ियों का हाजिपुर गांव में किया सम्मान

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के देवीलाल स्टेडियम में आयोजित ग्रामीण भारत ओपन एथलेटिक चैंपियनशिप में फरूखनगर, हाजीपुर, पातली, जुड़ौला व सुल्तानपुर के स्कूल छात्र-छात्राओं द्वारा जीते गए मेडल को लेकर उन्हें गांव हाजीपुर के खेल स्टेडियम में भी सम्मानित किया गया। खिलाड़ी हार्दिक पुत्र रोहताश ने अंडर-16 आयु वर्ग में ट्रिपल जंप में गोल्ड मेडल जीता। शगुन ने अंडर-14 की 100 व 200 मीष्टर रेस में रजत पदक, मानवी ने अंडर-10 में 100 मीटर की रेस में कांस्य और 200 मीटर की रेस में स्वर्ण पदक, शिवम ने अंडर-16 की 3000 मीटर रेस में चौथा स्थान और कसान विलेज ओपन एथलेटिक मीट 2022 में कांस्य पदक जीता था। इसी तरह से कसान विलेज ओपन एथलेटिक मीट 2022 में ही अंडर-14 में प्रवेश ने 200 मीटर रेस में रजत पदक जीता था। कसान विलेज ओपन एथलेटिक मीट 2023 में सिमरन पुत्री मुनेश ने 800 मीटर में रजत पदक व 400 मीटर रेस में कांस्य पदक जीता। एसजीएफआई जिला चैंपियनशिप 2022-23 में मेघना पुत्री अजीत सिंह ने ट्रिपल जंप में रजत पदक, मोहित ने स्वर्ण पदक, जीएमडीए एथलेटिक मीट में साक्षी ने शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीता। इसी तरह से सौरव वर्मा पुत्र विनोद कुमार ने अंडर-14 में 600 मीटर में रजत पदक, सानिया ने अंडर-14 में डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल, मैनपाल ने मास्टर एथलीट में 500 मीटर व इसी में विनोद कुमार ने मेडल जीते। सभी विजेताओं को हाजिपुर गांव के सरपंच धर्मपाल ने 500-500 रुपये देकर सम्मानित किया।

ग्रामीण क्षेत्र में सप्ताह में दो दिन पुलिस पैदल गश्त करेगी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना सदर थाना पुलिस खंड के गांव राहाका में बने ढाबा पर पैदल गश्त करके पहुंची पुलिस की गश्ती टीम।

ग्रामीण क्षेत्र में चलने वाले होटल ढाबों पर दिन ढहलने के साथ सप्ताह में दो दिन पुलिस की टीम पैदल गश्त करेगी। गश्त के दौरान होटल ढाबों की सुरक्षा और संचालकों को असामाजिक प्रवृति के लोगों से सुरक्षित रहने में सहयोग देगी।

शनिवार को सोहना सदर थाना पुलिस टीम ने पैदल चलकर ग्रामीण क्षेत्र में गांव-गांव में बने होटल ढाबों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सदर थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर जयसिंह टीम की अगुवाई कर रहे थे। उनके साथ टीम में 25 से 30 सिपाही से लेकर हवलदार, एएसआई और एसआई स्तरीय कर्मी मौजूद रहे। शनिवार को पुलिस ने अपना अभियान सदर थाना के गांव नूनेरा में बने होटल ढाबे से निरीक्षण करते हुए शुरुआत की। उसके बाद पुलिस टीम निमौठ, लाला खेड़ली, मंडावर से बिहलाका, राहाका समेत अन्य गांवों में पैदल चलते हुए गश्त की। गश्त के दौरान सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जयसिंह ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार पुलिस टीम सप्ताह में दो दिन ग्रामीण क्षेत्र में बने होटल ढाबों की पैदल चलकर निरीक्षण करेगी। होटल व ढाबा संचालकों से सुरक्षा की दृष्टि को लेकर विचार विर्मश करेगी। होटल-ढाबा संचालकों को हौसला बढाते हुए आसामाजिक तत्व प्रवृति नागरिकों से बचाव करने की सलाह दी।

ऐसे लोगों के किसी प्रकार के दबाव में न आए और न ही उन्हे पनाह देने का प्रयास करे। किसी भी प्रकार की घटना या वारदात की तुरन्त प्रभाव से अपने सबसे निकटतम पुलिस के राइडर कर्मी से लेकर ईवीआर, पीसीआर, चौकी व थाना में इसकी सूचना दे।

समाज सुधारक और भक्तिकाल के प्रमुख कवि थे संत कबीर दास

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में संत गुरु कबीर दास कमेटी द्वारा संत कबीर दास जी की 625वीं जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष हरेंद्र भाटी तथा लोकसभा अध्यक्ष पंडित राजेंद्र शर्मा ने शिरकत की। सर्वप्रथम संत कबीर दास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

इस मौके पर हरेंद्र भाटी व राजेंद्र शर्मा ने कहा कि संत कबीरदास जी भारत के प्रमुख कवि थे, उन्हें भक्तिकाल का प्रमुख कवि माना जाता है। कबीरदासजी के विचारों को देश आज भी मानता है, वो समाज सुधारक भी थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन भर समाज में व्याप्त कुरीतियों पर ही लिखा। उन्होंने कहा कि कबीर दास जी ने समाज की हर बुराई को दूर करने के लिए दोहों और कविताओं की रचना की। उन्होंने कहा कि आज हम सभी संत गुरु कबीर दासजी के आदर्शो को अपनाते हुए समाज व देशहित में कार्य करने का संकल्प लें।

पी के भंग प्याला जैसे गीत सनातम धर्म की आस्था के लिए ठीक नहीं : बोधराज सीकरी

भोले बाबा व अन्य देवताओं की स्तुति वाले गीतों पर झूमे भक्त

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में जय बाबा श्रीअमर नाथ समिति गुरुग्राम द्वारा निकाली गई विशाल शोभा यात्रा शामिल बोधराज सीकरी व अन्य सदस्य।

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने कहा कि भोले बाबा के नाम पर पी के भंग प्याला जैसे गाने हमारी सनातन धर्म की आस्था के लिए ठीक नहीं हैं। ऐसे गीतों पर रोक भी लगनी चाहिए। हमें ऐसे गीतों से परहेज करना चाहिए। हम अपनी भावी पीढ़ियों को सही मार्ग पर, धर्म के मार्ग पर चलाने के लिए अच्छे गीतों, भजनों को प्रेरणा के रूप में बजाएं तो सही रहेगा।

यह बात उन्होंने जय बाबा श्रीअमर नाथ समिति गुरुग्राम द्वारा निकाली गई विशाल शोभायात्रा की शुरुआत करते हुए कहीं। यह यात्रा मदनपुरी से बाबा अमर नाथ मंदिर से निकाली गई। बोधराज सीकरी द्वारा पी के भंग प्याला गीत को लेकर की गई टिप्पणी का तुरंत असर हुआ और समिति की ओर से ऐसे भजनों को बंद कराकर भविष्य में भी ना बजाने का आश्वासन दिया। युवाओं ने भी ऐसे गीतों से परहेज की बात कही। बोधराज सीकरी ने कहा कि उनका यही प्रयास है कि युवा वर्ग धर्म के मार्ग पर चले। देवी-देवताओं का सम्मान हमारी नैतिकता में शामिल होना चाहिए।

समिति के प्रधान भूपेन्द्र कौशिक एवं सेक्रेटरी राकेश शर्मा व समिति के सदस्यों ने बोध राज सीकरी से प्रार्थना की कि 20 जून 2023 को अमर नाथ में भंडारा लगाने के लिए ट्रकों द्वारा खाद्य सामग्री भेजी जायेगी, जिसकी वे ही शुरुआत करें। बोधराज सीकरी ने अपने संबोधन में समिति के द्वारा किये जा रहे कार्यों के लिए समिति की समस्त कार्यकारिणी को साधुवाद दिया। इस दौरान सुरेन्द्र खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, गजेन्द्र गोसाईं, उदय भान ग्रोवर, रविन्द्र खुल्लर, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा,ओम प्रकाश कालरा, रवि मिनोचा, अनिल कुमार, रमेश कुमार, किशोरी लाल डुडेजा, अरविन्द गुप्ता व अन्य जन उपस्थित रहे। रविवार को समाजसेवी पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा के लिए हरिद्वार रवाना किया। 45 श्रद्धालुओं को बोधराज सीकरी ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने से सुबह छह बजे ओम की पताका दिखाकर 51 बार हनुमान चालीसा पाठ करने का आश्वासन लिया।

मशीन से कटे अंगूठे को डॉक्टरों ने सर्जरी कर सफलतापूर्वक जोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मैरिंगो एशिया अस्पताल के डॉक्टरों को पांच घंटे की मशक्कत के बाद मिली सफलता

वैसे तो हमारे शरीर का हर अंग बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन किसी कारणवश हाथ या पैर में कोई कमी आ जाए तो व्यक्ति को न केवल अपने शिक्षा, कॅरियर, रोजगार से संबंधित समस्या का सामना करना पड़ता है। बल्कि वह उम्र भर अपने रोजमर्रा के कामों के लिए परिवार के सदस्यों पर निर्भर हो जाता है।

हाल ही में पलवल से पांच वर्षीय शौर्य मैरिंगो एशिया अस्पताल आया, जिसका चारा काटने की मशीन में आने से दाहिने हाथ का अंगूठा कट गया था। मैरिंगो एशिया अस्पताल में प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. कावेश्वर घुरा ने बताया कि जब बच्चा हमारे पास आया था तो बच्चे का दाहिने हाथ का अंगूठा आगे की तरफ से लगभग पूरा कटा हुआ था। परिजन बच्चे को इलाज के लिए पहले पलवल के किसी स्थानीय अस्पताल में भी ले गए थे। हमने ठीक से जांच के बाद सर्जरी कर बच्चे के अंगूठे को जोड़ दिया। सर्जरी के बाद बच्चे के हाथ का अंगूठा फिर से सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। पूरी तरह स्वस्थ होने पर बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया गया है। अगर समय रहते इलाज न होता तो बच्चे को आगे चलकर पढने-लिखने व अन्य कार्यों को करने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। अंगूठा हाथ का एक ऐसा महत्वपूर्ण अंग है जो हाथ से करने वाले कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. कावेश्वर घुरा ने बताया कि यह केस काफी चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि इतने छोटे बच्चे में इतने आगे से कटे अंगूठे के हिस्से को जोड़ना काफी मुश्किल होता है। अंगूठा तिरछा कटा हुआ था और इस जगह पर खून की नसें काफी बारीक होती हैं, इसलिए अंगूठे के कटे हिस्से को जोड़ने में काफी मुश्किल आई।

ऑपरेशन के बाद डॉक्टर के साथ बच्चा।

बच्चे का अंगूठा मैक्सिमम मैग्निफिकेशन में भी माइक्रोस्कोप से सबसे बारीक धागे से भी काफी मुश्किल से रिपेयर हुआ है। सर्जरी में लगभग पांच घंटे का समय लगा। सर्जरी सफल रही। ऑपरेशन के बाद बच्चे के अंगूठे ने सामान्य रूप से काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि बच्चों को ऐसी तेज धारदार मशीन या अन्य टूल से दूर रखें। जब भी ऐसी कोई घटना हो जाए तो मरीज को कटे हुए अंग के साथ तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।

अगर जल्दी नहीं जा पाते हैं तो लगभग छह घंटे के अंदर डॉक्टर के पास पहुंच जाना चाहिए। अगर इससे अधिक समय लगता है तो फिर कटे अंग के जुड़ने की संभावना कम हो जाती है। कटे अंग को सबसे पहले साफ पानी से धोना चाहिए और तुरंत ही कटे अंग को साफ पोलीथिन में डाल लें। फिर उस पोलीथिन को बर्फ में डाल लेना चाहिए, इससे डॉक्टर को अंग को जोड़ने का समय मिल जाता है। ध्यान रहे, कटे अंग को बर्फ के सीधे संपर्क में न रखें, क्योंकि बहुत गर्म और बहुत ठंडा दोनों इसे नुकसान पहुंचाते हैं।

राहगीरी के दौरान योग व संगीत में पुलिस के संग थिरके शहरवासी

हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत पुलिस ने किया राहगीरी का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

राहगीरी कार्यक्रम में योग कराते गुरमेश सिंह।

प्रदेश सरकार की हरियाणा उदय मुहिम के तहत एसपी लोकेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में रविवार सुबह पलवल न्यू कॉलोनी में जिला पुलिस की तरफ से राहगीरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राहगीरी में योगासन व संगीत जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें पलवल डीएसपी विजयपाल, होडल डीएसपी सज्जन सिंह, हथीन डीएसपी हरदीप सिंह हुड्डा सहित पलवल के सभी थाना व चौकी प्रबंधकों ने अपने स्टाफ सहित भाग लिया।

कार्यक्रम सुबह छह से 8.30 बजे तक आयोजित किया गया। जिसमें योगाचार्य गुरमेश सिंह ने योग की विभिन्न मुद्राएं कराकर लोगों को योग करने व स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं ने भी योग कर लोगों को योग करने की प्रेरणा दी। वहीं बंचारी की नगाड़ा पार्टी ने भी समा बांधा।

इस अवसर पर पलवल डीएसपी एवं राहगीरी आयोजन के नोडल अधिकारी विजयपाल ने समाज में बढ़ते हुए अपराध और अपराधियों के प्रति सचेत रहने के लिए लोगों को जागरूक किया और लोगों से किसी भी आपराधिक घटना के बारे में पुलिस को सूचित करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से भी अपील करते हुए कहा कि युवा नशा के दलदल से बच सकते हैं और देश व समाज के निर्माण में अहम योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि एसपी लोकेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में नशा तस्करों के खिलाफ भी जिला पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान चलाया गया है। जिसके तहत नशा तस्करों को पकड़कर जेल की सलाखों के पीछे भेजने का कार्य किया जा रहा है। डीएसपी विजयपाल ने कहा कि देश में लोग आए दिन सड़क हादसों में अपनी जान गवां रहे हैं। ऐसे में लोगों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए और शराब पीकर वाहन नहीं चलाना चाहिए। दुपहिया वाहन चालक हैलमेट लगाएं व चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट लगाकर ही वाहन चलाएं। साइबर अपराध के बारे में जागरूकता अपनाएं एवं किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर अपनी शिकायत अवश्य रजिस्टर्ड कराएं। डीएसपी ने कहा कि पर्यावरण एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है, साथ ही उन्होंने चेताया कि यदि कोई इन्हें प्रदूषित करता है तो कानून में दंड का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार की हरियाणा उदय मुहिम के तहत न्यू कॉलोनी में जिला पुलिस द्वारा राहगीरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस तरह के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि पुलिस विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के साथ जिला पलवल के आमजन का मेल मिलाप बना रहे। आमजन का प्रशासन के प्रति तालमेल बना रहे। सांप्रदायिक सद्भावना का उद्गम हो, ताकि जिले में शांति व्यवस्था कायम रहे और लोगों में प्रेम भाव बना रहे। उन्होंने कहा कि राहगीरी कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को खुलकर हंसने-हंसाने, योग करने जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाता है। ताकि वह शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बन सकें तथा तनाव से बच सकें। जिला पुलिस प्रशासन की तरफ से इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

घर में घुसकर दुष्कर्म का प्रयास विरोध करने पर कपड़े फाड़े

आरोपियों ने उलाहना देने आए सास ससुर से मारपीट की

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

विवाहिता को घर में अकेली देखकर अश्लील हरकतें और दुष्कर्म करने का प्रयास किया गया है। विरोध करने पर महिला से मारपीट करके जान से मारने की धमकी भी दी गई। बहीन थाना पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर आरोपी और उसके पिता व चाचा के खिलाफ दुष्कर्म का प्रयास, छेड़छाड़, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी।

बहीन थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह के अनुसार, थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले एक गांव में रहने वाली महिला ने शिकायत दी है। इसमें उसने बताया कि वह शाम के करीब पांच बजे घर पर अकेली थी और अपने घरेलू कार्य कर रही थी। उसी दौरान सलीम उसके घर में जबरन घुस आया और आते ही उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा।

पीड़िता जब तक कुछ समझ पाती, आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी ने उसके कपड़े फाड़ दिए और इस बारे में किसी को बताने पर मारने की धमकी देकर फरार हो गया। शाम को जब उसके पति व ससुर घर आए तो आपबीती उन्हें बताई। पति व ससुर इसका उलाहना लेकर आरोपी के घर पहुंचे तो आरोपी के पिता व चाचा कहने लगे की तुम्हारी बहू झूठ बोल रही है। इसके बाद पति, ससुर, आरोपी और आरोपी के पिता व चाचा उसके घर आ गए।

पीड़िता के अनुसार, उसने उनके सामने जो उसके साथ हुआ था, वह बताया तो आरोपी तैश में आ गए। आरोप है कि आरोपियों ने महिला के पति और ससुर के साथ मारपीट की। शिकायत में कहा है कि आरोपी झगडालू किस्म के आदमी हैं। उन्हें उनसे जान-माल का खतरा है। वे उन्हें परिवार सहित जान से खत्म करने की धमकी देकर गए है, जिसके चलते परिवार डरा हुआ है। आरोपियों में सलीम, पिता इसराइल व चाचा इस्माइल शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

दो हजार के इनामी बदमाश को अवैध हथियार सहित पकड़ा

पलवल। पुलिस ने दो हजार के इनामी बदमाश को अवैध हथियार सहित पकड़ा है। डिटेक्टिव स्टाफ पलवल प्रभारी उप निरीक्षक हनीश खान ने बताया कि टीम में तैनात हेड कांस्टेबल इरफान अपनी टीम के साथ आगरा चौक पर मौजूद थे। जहां उन्हें सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक अवैध हथियार रखता है, जो सवारी के इंतजार में हथीन मोड पर हथियार सहित खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित दबिश दी तो वहां पर मौजूद युवक ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने उसे काबू कर लिया। आरोपी की पहचान इस्लाम उर्फ कालू निवासी छांयसा के रूप में हुई। आरोपी की चेकिंग के दौरान एक अवैध हथियार देसी कट्टा बरामद हुआ, जिसके बारे में वह कोई लाइसेंस पेश न कर सका। अवैध हथियार को कब्जे में लेकर पुलिस ने थाना शहर पलवल में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी का जब आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला गया तो वह थाना चोपानकी राजस्थान के वर्ष 2021 मे आईपीसी की धारा 379 के तहत डंफर चोरी में दर्ज अभियोग में फरार था, जिस पर राजस्थान पुलिस द्वारा दो हजार इनामी घोषित है। उसकी गिरफ्तारी के संबंध में सूचना राजस्थान पुलिस को अलग से दी गई है। अवैध हथियार के स्रोत्र के बारे में गहनता से पूछताछ जारी है।

बच्चों और महिलाओं को चप्पलें वितरित कीं

फरीदाबाद। सेवा वाहन परिवार की ओर से सेक्टर-25 की झुग्गियों में बच्चों और महिलाओं को नई चप्पलें वितरित की गई। जिसमें राजू शर्मा, संजय अरोड़ा, वंदना भारद्वाज व उनके पुत्र ऋषि भारद्वाज ने श्रमदान किया। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम को देखते हुए यह सेवाकार्य किया गया है। आगे कुल 500 परिवारों को चप्पलें बांटेंगे।

तंबाकू से दूर रहने के लिए निकाली जन जागरूकता रैली

पलवल। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वस्थ तन स्वस्थ मन अभियान की निरंतरता में सिविल सर्जन डॉ. लोकवीर सिंह की अध्यक्षता में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. राजीव बातिश तथा डॉ. राहुल शर्मा के नेतृत्व में जागरूकता फैलाने के लिए एडवांस कॉलेज के छात्रों ने एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। अस्पताल परिसर के अंदर छात्रों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें सिविल सर्जन, सभी अधिकारियों व कर्मचारियों सहित डीएमएचपी टीम से प्रभु दयाल, प्रियंका और एनटीसीपी से पवन ने छात्रों के साथ तंबाकू विरोधी नारों के साथ रैली में भाग लिया। इसके बाद छात्रों द्वारा ओपीडी परिसर के प्रतीक्षा क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। जिसका शीर्षक था वी नीड फूड नॉट टोबैको। मंच का संचालन जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की मनोवैज्ञानिक मधु डागर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. राहुल, एसएमओ डॉ. सुरेश भदौरिया व डॉ. राजकुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सिविल सर्जन डॉ. लोकवीर व डॉ. अजय माम द्वारा छात्रों को प्रशंसा पत्र भी वितरित किए गए।

पुलिस से मारपीट व गाली गलौज कर वर्दी फाड़ी

पलवल। महिला की कॉल पर गोडोता गांव पहुंची पुलिस के साथ मारपीट व गाली गलौच की गई। वर्दी फाड़ कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई। होडल थाना पुलिस ने शिकायत पर पिता व उसके दो पुत्रों के खिलाफ केस दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। होडल थाना प्रभारी महेंद्र सिंह के अनुसार, पीसीआर पर तैनात अमीचंद ने शिकायत दी है। उसने बताया कि रात के समय पंचकूला कंट्रोल रूम से कॉल आई कि गोडोता गांव निवासी पूनम पत्नी नरेश ने कॉल किया है। पूनम के साथ लड़ाई झगड़ा हो रहा है। वह अपनी पीसीआर पर तैनात एसपीओ ओमवीर व चालक सिपाही बच्चन सिंह के साथ गोडोता गांव पूनम के मकान पर पहुंच गए। वहां उन्हें प्रेमसिंह व उसके पुत्र नरेश और ओमवीर मिले। वे को देखते ही एक दम से तैश में आकर गाली-गलौच करने लगे। उन्होंने समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी पुलिस पार्टी के साथ मारपीट पर उतारू हो गए और गाड़ी तोड़ने लगे। कहने लगे की आपको किसने बुलाया है। आप क्यों आ गए, फिर पीड़ित ने बड़ी मुश्किल से ओमवीर व बच्चन सिंह को बचाया। झगड़े के दौरान ओमवीर की वर्दी फाड़ दी गई। बच्चन सिंह को चोटें आई हैं, जिनका उपचार कराया गया।

पर्यावरण दिवस पर मानव भवन के बाहर लगाए सात पौधे

फरीदाबाद। हरित फरीदाबाद-स्वच्छ फरीदाबाद मिशन को लेकर कार्य कर रही पर्यावरण संस्था प्रक्रुथी ट्रस्ट ने पर्यावरण दिवस पर मानव सेवा समिति के साथ मिलकर मानव भवन सेक्टर-10 में नीम, आम, चमेली व फूल वाले सात पौधे लगाए। इस अवसर पर सदस्यों ने इन पौधों की देखभाल व इनको हरा भरा बनाने की जिम्मेदारी ली। इस पौधारोपण कार्यक्रम में ट्रस्ट के चेयरमैन प्रेम पसरीचा, अध्यक्षा रमा सरना, सुरेंद्र जग्गा, संजीव शर्मा, विवेक सरना, वैभव मंगल, किरण शर्मा, ऊषा शर्मा, सीमा अग्रवाल, गीता, सीमा सहाय, अक्षत, फाउंडर कोमल सरना के अलावा मानव सेवा समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, चेयरमैन अरुण बजाज, राजेंद्र गोयनका, बांके लाल सितोनी, अखिल व अन्य सदस्य मौजूद रहे। रमा सरना ने कहा है कि उनकी संस्था की ओर से पिछले दो साल में जितने भी पौधे लगाए गए हैं, उनकी देखवाल करके उनको हरा भरा बड़ा बनाया गया है। आगे भी सभी जरूरत के स्थानों पर पौधे लगाए जाएंगे।

सांवरिया सरकार परिवार ट्रस्ट ने कराया तीसरे श्रीश्याम वार्षिकोत्सव का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सांवरिया सरकार परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा तीसरा श्रीश्याम वार्षिकोत्सव शनिवार रात्रि अग्रवाल कॉलेज तिगांव रोड में धूमधाम से मनाया गया। इससे पहले संस्था द्वारा श्रीश्याम प्रभु की विशाल निशान यात्रा निकाली गई। यह यात्रा पथवारी मंदिर से चलकर मुख्य बाजारों से होती हुई उत्सव स्थल तक पहुंची। जिसमे हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और खाटू श्याम बाबा के निशान उठाकर बाबा के दरबार में अपनी हाजिरी लगाई।

श्याम बाबा वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में भव्य दरबार, हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा, 56 भोग, बाबा श्याम रसोई, बाबा का मनोहरी श्रृंगार और अखंड ज्योति बाबा के भक्तों के मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। फूलों के श्रृंगार से सजे हुए इत्र की खुशबू लगाए बाबा की छवि की एक झलक पाने के लिए भक्तों की लंबी कतार लगी। इस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का मंच संचालन सुशील गौतम ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत मनीष श्याम लाडला व नितिन श्याम दीवाना ने गणेश वंदना के साथ की। प्रांगण में आए हुए श्याम प्रेमियों को सुंदर भजन सुनाकर मंत्रमुग्ध कर दिया। अधिष्ठा अनुष्का मध्य प्रदेश से व शुभम रूपम कोलकाता ने बाबा के भजनों का गुणगान कर श्याम भक्तों को भाव विभोर कर दिया। राधा कृष्ण की मनमोहक झांकियां व महारास विक्की सुनेजा व उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत की गई। महामंडलेश्वर महंत भैया महाराज बल्लगढ़ वालों का पावन सानिध्य भक्तों को प्राप्त हुआ। ट्रस्ट के प्रधान सेतु मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम की सारी व्यवस्था को संभालने के लिए संस्था के पदाधिकारी कपिल मित्तल, गुलशन मित्तल, कुणाल वैष्णव, राम शर्मा, दीपांशु गुप्ता, पुनीत गोयल, मनीष गर्ग, आकाश गुप्ता, श्यामसुंदर मित्तल, विकास गुप्ता, श्री कृष्ण मित्तल, नितिन अग्रवाल आदि का सहयोग रहा।

पलवल में पुरानी रंजिश के चलते व्यक्ति को गोली मारी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

मंदिर के बाहर हमला, कार में आए थे चार बदमाश

मिंडकौला गांव में घाटी वाले मंदिर पर गए एक व्यक्ति पर चार लोगों ने हमला किया। युवकों ने उसे गोली मार दी। भीड़ जुटने पर आरोपी कार में सवार होकर फरार हो गए। पुलिस ने घायल के भाई की शिकायत पर चार युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

हथीन थाना प्रभारी मनोज कुमार के अनुसार, मिंडकौला गांव निवासी बिशन ने शिकायत दी। इसमें उसने बताया कि उसका भाई बीरपाल घाटी वाले मंदिर पर था। उसी दौरान फोर्ड कंपनी की बिना नंबर की इको कार में सवार होकर गांव के ही आकाश, भोला, लाला व संजय गए। सभी के हाथों में देसी कट्टे व पिस्टल थी। उस समय मंदिर पर दो युवक और भी थे, लेकिन वे उनके हाथों में हथियार देखकर भाग गए।

बिशन के अनुसार, इससे पहले बीरपाल कुछ समझ पाता, आरोपियों ने उसे जान से मारने की नियत से सीधी गोली चला दी। गोली बीरपाल की बगल में लगी। गोली लगते ही बीरपाल जमीन पर गिर गया और आरोपी भाग गए। सूचना मिलने पर वह तुरंत बाइक लेकर घटना स्थल पर पहुंचा। तब तक उसका भाई होश में था और उसने आरोपियों के नाम-पते बताए और उसके बाद बेहोश हो गया।

बिशन के अनुसार, वह भाई को लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचा, जहां से उसे हॉयर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया, लेकिन बीरपाल को पलवल के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। हथीन थाना पुलिस ने शिकायत लेकर चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू कर दी है, लेकिन इतना तय है कि आरोपियों ने रंजिश का बदला लेने के लिए हमला किया।

फरीदाबाद में आज से भारी वाहनों की सुबह शाम होगी नो एंट्री

जाम से बचने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने बनाया एक माह का स्पेशल प्लान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सड़क से गुजरते भारी वाहन (फाइल फोटो)

अमित यशवर्धन, डीसीपी ट्रैफिक।

फरीदाबाद की सड़कों पर अब हल्के वाहन चालकों को एक महीने तक जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने खास व्यवस्था की है। हादसों में भी कमी आने की संभावना है।

स्मार्ट सिटी फरीदाबाद की सड़कों पर अब हल्के वाहन चालकों को एक महीने तक जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनकी सुविधा के लिए यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। यातायात पुलिस के मुताबिक पांच जून से सात जुलाई तक पीक ऑवर में सुबह सात बजे से 11 बजे तक और शाम को शाम चार बजे से रात नौ बजे तक भारी वाहनों की एंट्री शहर में प्रतिबंधित रहेगी। केवल जरूरी सामान वाले मालवाहक वाहन ही नो-एंट्री के दौरान आवागमन कर सकेंगे।

अधिकारियों का कहना है कि इससे जाम के साथ हादसों में भी काफी कमी आने की संभावना है। इससे नौकरीपेशा वाले लोगों की परेशानी दूर होगी। बता दें की स्मार्ट सिटी को औद्योगिक नगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहां की सड़कों पर रोजाना तीन लाख से अधिक वाहनों का आवागमन होता है। इसके अलावा औद्योगिक नगरी में 25 हजार से अधिक छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाई हैं। इनमें आठ लाख से अधिक कामगार काम करते हैं। इन्हें रोजाना सुबह शाम जाम का सामना करना पड़ता है। शहर में जगह-जगह लग रहे जाम के चलते कई समय पर कंपनी या संबंधित कार्यालय नहीं पहुंच पाते हैं। जाम में फंसने से उनपर जान का खतरा बना रहता है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि सुबह और शाम शहर की सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में पीक ऑवर में शहर की अधिकांश प्रमुख सड़कों पर भारी मालवाहक वाहनों के आवागमन से जाम की स्थिति रहती है। साथ ही हादसे की भी आशंका बनी रहती है। ऐसे में यातायात को सुगम बनाने के लिए एक महीने के लिए भारी मालवाहक वाहनों के लिए नो-एंट्री का समय निर्धारित किया गया है।

पहली बार ऐसी व्यवस्था बनाई गई : स्मार्ट सिटी की सड़कों के लिए अभी तक नो एंट्री नहीं थी। यानी किसी भी सड़क से भारी वाहन आवाजाही कर सकते थे। अलग बात यह है कि दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में ही एंट्री के लिए समय सीमा निर्धारित की हुई है। दिल्ली बदरपुर बॉर्डर पर ही वाहनों को रोका जाता है।

आगरा हाईवे और एनआईटी में आवागमन बंद रहेगा: मुंबई एक्सप्रेस वे के निर्माण में शामिल ट्रक, हाईवा, डंफर भी भीड़भाड़ वाले क्षेत्र जैसे दिल्ली-आगरा हाईवे, एनआईटी आदि क्षेत्रों में आवागमन नहीं कर सकेंगे। शहर के अंदरूनी क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्य व अन्य निर्माण कार्य में शामिल ट्रक, डंफर, ट्रॉला, ट्रैक्टर आदि वाहन नो-एंट्री के दौरान वाहनों के दबाव वाले मुख्य मार्गों पर प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

सड़क पर कहीं भी वाहन खड़े नहीं कर सकेंगे : एक महीने के लिए घोषित नो-एंट्री के दौरान भारी मालवाहक वाहन चालक जहां तहां वाहन खड़ा नहीं कर सकेंगे। वह ट्रांसपोर्ट नगर या उन जगहों पर अपना वाहन खड़ा कर सकेंगे, जहां अन्य वाहनों का आवागमन नहीं होता है। नो एंट्री के दौरान हाईवे के सर्विस रोड पर भी वाहन पार्क करना प्रतिबंधित रहेगा। उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई होगी।

यह समय है निर्धारित : पुलिस के अनुसार डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन के निर्देशन पर पांच जून सोमवार से सड़क सुरक्षा पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस बावत पांच जून से सात जुलाई तक सुबह सात बजे से 11 बजे तक और शाम को चार बजे से रात नौ बजे तक भारी वाहनों की एंट्री शहर में प्रतिबंधित रहेगी। केवल आवश्यक वस्तुओं जैसे फल, सब्जी, दूध, दवाई, फ्यूल आदि ले जाने वाले वाहनों को आवागमन में छूट मिलेगी।

साइकिल चालक सड़क नियम जरूर अपनाएं : बिजेंद्र सैनी

फरीदाबाद। प्रादेशिक परिवहन अधिकरण फरीदाबाद जितेंद्र कुमार गहलावत डीटीओ के निर्देश अनुसार एवं सरदार देवेंद्र सिंह सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार के मार्गदर्शन में रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन ने साइकिल यात्रा द्वारा जागरूक संदेश दिया। रविवार सुबह यह यात्रा 30 साइकिल सदस्यों के साथ शुरू की गई। यह साइकिल यात्रा फरीदाबाद से इस्कोन मंदिर दिल्ली पहुंची। यात्रा के जरिए लोगों को बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के बारे में बताया। वहीं रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन से बिजेंद्र सैनी ने आए सभी लोगों व रास्तों में साइकिल चालकों को बताया कि अधिकतर साइकिल चालक सड़क पर सड़क नियम में नहीं चलते ओर दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं, क्योंकि साइकिल चालकों को किसी पुलिसकर्मी व चालान का कोई डर नहीं होता। इसलिए वह लाल बत्ती पार करते हैं, जबकि लाल बत्ती का जुर्माना 5000 रुपये साथ में 90 दिनों तक लाइसेंस रद्द हो सकता है। उलटी दिशा में भी चलते हैं। सब अपने व अपने परिवार के बारे में अवश्य सोचें और आज से ही सड़क नियम अवश्य ही अपनाएं। अपनी साइकिल को हमेशा सड़क की साइड निर्धारित जगह में ही चलाएं। रिफ्लेक्टर साइकिल पर जरूर लगाएं। रात के समय साइकिल में लाइट भी जरूर लगाएं, ताकि सड़क दुर्घटना से बचा जा सके। साइकिल स्पीनर समूह से गरिमा कौशिक ने बताया कि अपना साइकिल समूह हमेशा पूरे सड़क नियम के साथ साइकिल चलाता है। हमारे समूह में अगली लाइट पिछली लाइट व हेलमेट अनिवार्य है। जबकि दुपहिया चालक बिना हेलमेट के वाहन चलाते नजर आते हैं। आपके घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है, इसलिए हमेशा सड़क नियम अपनाएं। खुद भी सुरक्षित रहें, दूसरो को भी बचाएं। आज इस साइकिल यात्रा में बिजेंद्र सैनी, गरिमा कौशिक, संजीत, विजय तलवार, पवन, संजय राजपूत, अमरजीत, ऐनी, वाशु व अन्य सभी मौजूद रहे।

पर्यावरण दिवस

महत्वपूर्ण मुद्दे

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। हमें यह समझ लेना चाहिए कि पर्यावरणीय मुद्दों की अनदेखी कर हम स्वयं को खतरे में डाल रहे हैं। यह किसी अन्य दिन की तरह नहीं है। इसका महत्व इस बात में है कि इससे हमारा तथा भावी पीढ़ियों का जीवन जुड़ा है। हालांकि, अपने जन्म दिन या मदर्स डे या फादर्स डे की तरह इसका व्यक्तिगत महत्व भले ही न हो और हम 'आज की दुनिया' या 'कल की दुनिया' बता कर इसे मजाक में उड़ा दें, पर इसका महत्व व्यक्तिगत समारोहों से अधिक है। प्रकृति के संरक्षण, उसकी सुरक्षा तथा संवर्धन के लिए सभी वैश्विक समुदायों और वास्तव में पूरी मानवजाति के प्रयासों की आवश्यकता है क्योंकि ऐसा न होने पर हम बहुत जल्दी ही समाप्त हो जाएंगे। पर्यावरणीय मुद्दों की बढ़ती तात्कालिकता को देखते हुए यह दिन हमें प्रभावशाली रूप से याद दिलाता है कि हम अपने पर्यावरण की स्थिति को अनदेखा नहीं कर सकते हैं। दुर्भाग्य से मानवजाति के अपने कामों से आज दुनिया अभूतपूर्व पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें जलवायु परिवर्तन, निर्वनीकरण, जैव विविधता का विनाश, प्रदूषण व जल संकट आदि शामिल हैं। इन मुद्दों से न केवल परिस्थितिकी तंत्रों और वन्यजीवों पर प्रभाव पड़ता है, बल्कि मनुष्यों का स्वास्थ्य, उनकी आजीविका तथा भावी पीढ़ियां भी प्रभावित होती हैं। पर्यावरण दिवस विभिन्न हितधारकों को एकजुट करने का लक्ष्य सामने रखता है जिनमें दुनिया भर के व्यक्ति, संगठन, सरकारें तथा समुदाय शामिल हैं। इनको एकसाथ ला कर वैश्विक सहयोग व एकजुटता बनाई जानी चाहिए। पर्यावरण दिवस प्रभावी रूप से पर्यावरण चुनौतियों से निपटने के लिए विचारों, सर्वोत्तम व्यवहारों तथा खोजी दृष्टिकोणों के साझे का अवसर भी प्रदान करता है।

इस परिप्रेक्ष्य में हमें स्वयं को गंभीर प्रयास करने के लिए प्रशिक्षित करना होगा ताकि हम उन कारणों के प्रति ज्यादा सचेत हो सकें जो अब भी ग्लोबल वार्मिंग, जल संकट तथा निर्वनीकरण पैदा कर रहे हैं या उनको बढ़ावा दे रहे हैं। जमीनी स्तर पर यह समय ज्यादा पौधे लगाने, पेड़ों की सुरक्षा करने तथा मानवजाति का कार्बन फुटप्रिंट घटाने का अवसर देता है ताकि पर्यावरण-हितैषी व स्वास्थ्यवर्धक तकनीकों का प्रयोग कर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाया जा सके। हमें बेशर्मी से एयरकंडीशनरों तथा फासिल ईंधन खर्च करने वाले वाहनों के प्रयोग से यथासंभव बचना होगा। आज के समय और युग में हमारे पास प्रयोग के लिए बिजली-संचालित वाहन उपलब्ध हैं, तब उनका उपयोग करने से हमें कौन रोकता है। शुरुआत में बिजली वाहनों के लिए थोड़ा अधिक खर्च करना होता है, पर आने वाले सालों में ये पर्यावरण संरक्षण में मूल्यवान योगदान करेंगे। कचरे की मात्रा न्यूनतम करने, सामग्रियों की रिसाइक्लिंग, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण-हितैषी परिवहन तथा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपना कर इस दुनिया के नागरिक पर्यावरण क्षरण कम करने के व्यक्तिगत प्रयास कर सकते हैं। हालांकि, दुनिया भर की सरकारें मानवजाति के अस्तित्व पर आने वाले खतरे को देख कर जागरूक हुई हैं तथा कॉप-27 जैसे अनेक समूह लगातार समस्या से निपटने के लिए काम कर रहे हैं। ये समूह नीतिगत परिवर्तनों तथा एडवोकेसी प्रयासों को भी बढ़ावा दे रहे हैं। पर्यावरण दिवस सरकारों को याद दिलाता है कि वे पर्यावरण नियमों को बनाएं व लागू करें, टिकाऊ नीतियों के विकास को प्रोत्साहित करें तथा विधि-निर्माताओं को पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने को प्रोत्साहित करें। हमें हरित-धरती के मार्ग में बाधा बनने के बजाय ऐसे नए मार्ग तलाशने चाहिए जिससे हमारा थक रहा ग्रह राहत की सांस ले सके।

अवामी लीग की विजय महत्वपूर्ण

यदि आगामी चुनाव में बीएनपी-जमीयत गठबंधन सत्ता में आता है तो बांग्लादेश में फिर भारत-विरोधी तत्वों को मौका मिल जाएगा। ऐसे में अवामी लीग की विजय भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

हिरण्यमय कार्लेकर
(लेखक, द पायनियर के सलाहकार संपादक हैं।)

भारत को अंतरराष्ट्रीय कानून की सीमाओं में रहते हुए तथा बांग्लादेश की संप्रभुता का पूरा सम्मान करते हुए हर संभव प्रयास करना होगा कि जनवरी, 2024 में होने वाले संसदीय चुनाव में शेख हसीना के नेतृत्व वाली बांग्लादेश अवामी लीग की विजय हो। मुख्य विपक्षी पार्टी बेगम खालिदा जिया तीन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी-बीएनपी का बांग्लादेश जमाते इस्लामी-जमात तथा अन्य कट्टरपंथी इस्लामवादी संगठनों से गठबंधन है जो पूरी तरह भारत-विरोधी हैं। ढाका में बीएनपी-जमात की विजय से बांग्लादेश फिर भारत-विरोधी गतिविधियों का केन्द्र बन जाएगा तथा वह भारत के पूर्वोत्तर में अलगाववादी समूहों को बढ़ावा देगा। 2001-2006 में बीएनपी-जमात नीत गठबंधन सरकार के रिकार्ड पर गौर करने से यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो जाती है।

भारत को धमकियां देना, पूर्वोत्तर भारत में खुलेआम अलगाववादी समूहों का सक्रिय समर्थन तथा भारत व बांग्लादेश के बीच शत्रुता का माहौल बनाना उनके कार्यकाल में दिल्ली के प्रति ढाका की नीति के तीन मुख्य अंग रहे हैं। इन धमकियों का एक महत्वपूर्ण उदाहरण ढांका में 7 सितंबर, 2004 को एक सेमिनार में उनके विदेश मंत्री एम. मुर्शिद खान द्वारा दी गई धमकी है। अपने देश से आयातित वस्तुओं पर भारत द्वारा लागू प्रतिबंधों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा था, 'बांग्लादेश में आने वाली सभी भारतीय वस्तुओं के खिलाफ स्टेट्यूटरी रोगेटरी आर्डर-एसआरओ जारी कर ढाका भारत के तीन बिलियन व्यापार को समाप्त कर सकता है।' उन्होंने यहां तक कहा था, 'बांग्लादेश चारों ओर भारत से घिरा है, पर दिल्ली को यह भी याद रखना चाहिए कि सात पूर्वोत्तर के भारतीय राज्य चारों ओर बांग्लादेश से घिरे हैं।' बांग्लादेश के मुकाबले भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के जोखिम का उल्लेख कर उन्होंने भारत पर दबाव डालने का प्रयास किया था, पर वास्तव में उनका प्रयास इन राज्यों तथा बाकी भारत के बीच 'सेंट्रल बैंक आफ इंडिया' या भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एकपक्षीय रूप से उठाए कदमों का विरोध कर वैमनस्य बढ़ाना था। उनका कहना था कि गैर-टैरिफ बाधायें खड़ी कर रिजर्व बैंक भारत के आम लोगों के हितों के खिलाफ काम कर रहा है। इनमें अलग-अलग राज्यों द्वारा दिल्ली की अनुमति के बिना क्रेडिट लेटर्स जारी करने पर प्रतिबंध शामिल है।

जब बांग्लादेश पाकिस्तान का हिस्सा, यानी पूर्वी पाकिस्तान था तब वह भारत-विरोधी समूहों, खासकर पूर्वोत्तर राज्यों के भारत-विरोधी समूहों को सुरक्षित स्वर्ग प्रदान कर इनका प्रयोग यथासंभव भारत के विरोध में करता था। लेकिन 1971 में बांग्लादेश की पाकिस्तान से मुक्ति तथा शेख मुजीबुर रहमान के सत्ता में आने के बाद यह नीति छोड़ दी गई थी। लेकिन शेख मुजीबुर रहमान तथा अनेकानेक अन्य लोगों की हत्या के बाद बांग्लादेश में बनी बेगम खालिदा जिया की सरकार ने फिर पूरे जोश के साथ भारत-विरोधी तत्वों को शरण देने तथा उनको सुरक्षित स्वर्ग प्रदान करने का काम किया था। खालिदा जिया ने विपक्ष में आने के बाद भी अपनी भारत-विरोधी नीति नहीं छोड़ी थी। वास्तव में बांग्लादेश की राष्ट्रीय संसद में विरोधी दल की नेता के रूप में बेगम खालिदा जिया ने पूर्वोत्तर भारत के अन्य विद्रोही समूहों तथा युनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम-उल्फा को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहा था। इस दृष्टिकोण के चलते कोई आश्चर्य नहीं कि उनके नेतृत्व में बांग्लादेश सरकार ने सही सूचनाओं पर आधारित भारत के इन समूहों के खिलाफ विरोध का मजाक उड़ाया था। उस समय भारत से सटी बांग्लादेश की सीमा पर भारत-विरोधी विद्रोही समूहों के अनेक शिविर कार्यरत थे। भारत ने दोनों देशों की सीमा के निकट कार्यरत इन समूहों की एक सूची बांग्लादेश सरकार को दी थी। लेकिन भारतीय सुरक्षा बल-बीएसएफ द्वारा दी गई इस सूची का मजाक उड़ाया गया था। बीएसएफ के महानिदेशक अजय राज शर्मा के आमंत्रण पर बांग्लादेश राइफल्स के मेजर जनरल मुहम्मद जहांगीर आलम खान ने दिल्ली में 28 सितंबर, 2004 को कहा था, 'बांग्लादेश में एक भी शिविर नहीं है। हमने बीएसएफ की सूची में दिए गए शिविरों के स्थान पर गौर किया है। इनमें से कुछ पते हमारे सैनिक छावनी और हमारे मुख्यालयों के थे, जबकि कुछ पते बंगाल की खाड़ी के थे।' खुशी की बात है कि बेगम खालिदा जिया की सरकार के इस दृष्टिकोण के एकदम उलट प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की वर्तमान सरकार ने न केवल इन शिविरों को बंद कराया, बल्कि पकड़े गए कुछ खास विद्रोही नेताओं को भारत को सौंप भी दिया।

बांग्लादेश में भारत-विरोधी माहौल बनाए रखने के प्रयासों के अंतर्गत बेगम खालिदा जिया की सरकार ने यह आरोप तक लगाए थे कि ढाका में 21 अगस्त, 2004 को अवामी लीग की रैली पर हुए जघन्य ग्रेनेड हमलों के पीछे भारत का हाथ था। इस जघन्य हमले में शेख हसीना गंभीर चोटें लगने के बावजूद बाल-बाल बचीं थीं। अवामी लीग की रैली पर हुए इस हमले का उद्देश्य शेख हसीना तथा अवामी लीग के सर्वोच्च नेताओं का सफाया करना था। बेगम जिया की सरकार द्वारा प्रायोजित इस हमले में 22 लोग मौके पर ही मारे गए थे, जबकि 300 अन्य घायल हुए थे। हमले में लगे घावों के कारण शहीद होने वालों में अवामी लीग महिला मामलों की सचिव तथा पार्टी के तत्कालीन महासचिव जिल्लुर रहमान की पत्नी आइवी रहमान शामिल थीं। बाद में शेख हसीना की सरकार बनने पर जिल्लुर रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने थे। अवामी लीग की रैली पर हुए इस जघन्य हमले से पूरा देश हिल गया था। शेख हसीना ने प्रधानमंत्री बनने के बाद इस हमले की न्यायिक जांच के आदेश दिए थे।

इस जांच के लिए बांग्लादेश सर्वोच्च न्यायालय के हाईकोर्ट डिवीजन के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस जोयनुल आबेदीन की अध्यक्षता में एक एक-सदस्यीय आयोग का गठन 22 अगस्त को किया गया था। जोयनुल आबेदीन आयोग ने अपनी रिपोर्ट 2 अक्टूबर, 2004 को पेश की थी। रिपोर्ट पेश करने के बाद एक प्रेस सम्मेलन में उन्होंने अपनी बात मीडिया के सामने रखी थी। उन्होंने कहा था कि स्थानीय व विदेशी आतंकियों तथा अन्य अपराधियों ने सुनियोजित ढंग से बांग्लादेश में लोकतंत्र, स्वतंत्रता और संप्रभुता समाप्त करने का षडयंत्र किया था। इस प्रेस सम्मेलन के बारे में बांग्लादेश के 'द इंडिपेंडेंट' ने एक विस्तृत रिपोर्ट छापी थी। रिपोर्ट में देश की सरकार-नियंत्रित नेशनल न्यूज़ एजेंसी 'बांग्लादेश संवाद संस्था' के हवाले से घटना का विवरण दिया गया था। इसमें सरकार द्वारा गठित आयोग के हवाले से कहा गया था कि हमलावर विदेशी एजेंट थे। हालांकि, जस्टिस आबेदीन ने इन विदेशी एजेंटों की पहचान नहीं की थी। जस्टिस आबेदीन एक समय बीएनपी के नेता भी रह चुके थे। उनसे पूछा गया था कि उनके द्वारा ग्रेनेड हमले में विदेशी एजेंटों के हाथ होने का क्या अर्थ है? उन्होंने इस बारे में बांग्लादेश के दैनिक 'प्रथम आलो' के पत्रकार गुलाम मोहीउद्दीन से फोन वार्ता के दौरान 3 अक्टूबर को कहा था कि उन्होंने बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति तथा इस उप-महाद्वीप की राजनीतिक स्थिति पर खासतौर से ध्यान दिया है। उन्होंने कहा था, 'जैसे ही देश की भौगोलिक सीमा पार की जाए, कोई भी चीज विदेशी हो जाती है।' यह पूछे जाने पर कि क्या आयोग की रिपोर्ट में उस देश का नाम है जो देश के सर्वाधिक निकट है। इसका संदर्भ स्पष्ट रूप से भारत से था। उन्होंने इस सवाल से इनकार नहीं किया, पर यह भी कहा कि 'मैं आपके इस सवाल का जवाब नहीं दे सकता हूं।' उनके इस कथन का यह अर्थ भी हो सकता है कि भारत वह देश हो सकता है।

इस संदर्भ में यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि ग्रेनेड हमले में संलिप्तता के आरोप में 10 अक्टूबर, 2018 को गठित विशेष न्यायाधिकरण ने अन्य लोगों के साथ ही महत्वपूर्ण बीएनपी नेताओं को दोषी ठहराया था। इस प्रकरण से स्पष्ट है कि बीएनपी नेता भारत व बांग्लादेश के बीच मतभेद पैदा करने के लिए ही परोक्ष रूप से शेख हसीना पर हमले का आरोप भारत पर लगा रहे थे।

कर्नाटक सरकार का रोजगार सृजन अभियान

> सरकार का सामूहिक उद्यमिता कार्यक्रम पहले 100 दिनों में 10 लाख रोजगार सृजित करेगा।

लक्ष्मी वेंकटरमण
(लेखिका, भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट की संस्थापक अधिकारी हैं)

अपेक्षाओं के उच्च होने के साथ, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की नवगठित कर्नाटक सरकार के पास कर्नाटक के 28 प्रतिशत युवाओं द्वारा उठाई गई बेरोजगारी की चिंताओं को दूर करने और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने का दायित्व और अवसर दोनों हैं। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर पूरा संज्ञान लेते हुए अगले पांच साल में 10 लाख नौकरियां देने का वादा किया है. सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार अपने पहले 100 दिनों में, स्थायी रोजगार सृजन की नींव रखकर और बड़े पैमाने पर कौशल और उद्यमिता के लिए कार्यक्रम और नीतियां बनाकर इन वादों को पूरा करने की शुरुआत कर सकती है।

कर्नाटक के लिए चुनौतियां कई गुना हैं। कर्नाटक पीएलएफएस डेटा के विश्लेषण के अनुसार, कुल युवा बेरोजगारी लगभग 16 प्रतिशत है, लेकिन उस उपसमूह में शिक्षित युवा सबसे कमजोर हैं। लगभग 35 प्रतिशत शिक्षित युवा बेरोजगार हैं और केवल 14 प्रतिशत महिलाएं ही लाभप्रद रूप से नियोजित हैं।

राहुल गांधी ने बेरोजगारों को तत्काल राहत देने के लिए युवा निधि योजना का प्रस्ताव दिया है। बेरोजगार स्नातकों को 3000 प्रति माह और रु। बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को हर माह 1500 रु. हालाँकि, इसे बोल्ड, नए दीर्घकालिक समाधानों द्वारा संवर्धित करने की आवश्यकता है जो लक्षण प्रबंधन के बजाय बेरोजगारी के मूल कारण को संबोधित करते हैं। ऐसा करते समय नई सरकार को पिछले गुमराह हस्तक्षेपों के नुकसान से बचने की जरूरत है - कौशल और उद्योग की जरूरतों के प्रकार के बीच बेमेल और निजी क्षेत्र को श्रमिकों की एक निश्चित संख्या को नियुक्त करने के लिए अनिवार्य करना -

कुछ नाम। कर्नाटक में बड़े पैमाने पर उद्यमिता में बड़ी संख्या में युवाओं को सशक्त बनाने की क्षमता है, जो भौगोलिक क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में फैले हुए हैं - विशेष रूप से उत्तरी कर्नाटक और ग्रामीण क्षेत्रों में।

सरकार, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और युवाओं के बीच एक कल्पनाशील सहयोग उद्यम निर्माण का लोकतंत्रीकरण करने, नवाचार निधि स्थापित करने और उद्योग-विशिष्ट कार्यक्रमों के निर्माण और इनक्यूबेटर, त्वरक और युवा-केंद्रित गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी करने में एक गेम चेंजर हो सकता है। उद्यमशीलता के अवसरों को व्यापक रूप से सुलभ बनाने के लिए, शैक्षिक संस्थानों में ग्रामीण व्यापार विचार प्रतियोगिताओं और उद्यमशीलता हैकथॉन के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। दिल्ली सरकार की तरह ही कर्नाटक के स्कूलों और कॉलेजों में उद्यमशीलता को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाने की जरूरत है।

संपत्तियों का निर्माण करने और रोजगार पैदा करने वाले व्यवहार्य व्यवसाय बनाने के लिए बैंकों को छोटे ऋण (औसत मुद्रा ऋण 27,000 रुपये है) देने के बजाय सूक्ष्म उद्यमों को अधिक उधार देना चाहिए। महिलाओं को समर्थन देने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाने चाहिए क्योंकि उनमें से 85 प्रतिशत को बैंक ऋण प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

सेज द्वारा 17 देशों में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, कर्नाटक विशेष रूप से शिक्षित बेरोजगारों के लिए राज्यव्यापी संरक्षक कार्यक्रम भी शुरू कर सकता है, क्योंकि सलाह देने से उद्यमियों की सफलता की संभावना बढ़ जाती है। ग्रामीण और क्षेत्र-विशिष्ट उद्यमशीलता को ग्रामीण-विशिष्ट बुनियादी ढाँचा, कनेक्टिविटी, अनुदान, सब्सिडी, कम ब्याज वाले ऋण और टैक्स ब्रेक प्रदान करके प्रोत्साहित किया जा सकता है। लैंगिक असमानताओं को दूर करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं, अनुदान और परामर्श कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण, डिजिटल प्लेटफॉर्म और मार्केटप्लेस के लिए समर्थन और डिजिटल नवाचार के माध्यम से डिजिटल उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के साथ एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके, नियमों को सरल बनाकर और गैर-प्रौद्योगिकी और गैर-बेंगलुरु-आधारित स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहन का विस्तार करके नीतिगत परिदृश्य में प्रमुख अंतराल को भरने की आवश्यकता है। सहक्रियात्मक रूप से योजनाबद्ध और क्रियान्वित किए गए ये कदम, कर्नाटक को हर शहर, तालुका और गांव में फैले जमीनी जन उद्यमिता आंदोलन के माध्यम से, अपने युवाओं और महिलाओं के लिए पांच वर्षों में 10 लाख नौकरियां सृजित करने के दृष्टिकोण को साकार करने में मदद कर सकते हैं।

आप की बात

ट्रेन हादसा

ओडिशा ट्रेन हादसे को अब तक के सबसे बड़े हादसों में गिना जा रहा है। जिसमें लगभग दो सौ लोगों की मौत हुई और 1000 के लगभग लोग घायल हुए हैं। रेलवे प्रवक्ता के मुताबिक इस रूट पर कवच उपलब्ध नहीं था। दरअसल भारतीय रेलवे ने चलती हुई ट्रेनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कवच नामक एक स्वचलित ट्रेन सुरक्षा एटीपी प्रणाली विकसित की है। यह प्रणाली ट्रेन ड्राइवरों की एक विश्वसनीय साथी है। यदि ड्राइवर कहीं स्पीड कंट्रोल करना या ब्रेक लगाना भूल जाता है तो कवच प्रणाली ब्रेक इंटरफेस यूनिट द्वारा ट्रेन को कंट्रोल कर लेती है। कवच प्रणाली द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य विशेषताओं में समपार फाटकों पर आटो सीटी बजाना और विषमता की स्थिति में या जोखिम के मामले में अन्य ट्रेनों को नियंत्रित एवं सावधान करने के लिए आटो-मेनुअल एसओएस प्रणाली को तुरंत सक्रिय करना शामिल है जिससे कि आसपास के क्षेत्र में सभी ट्रेनों का संचालन तुरंत रुक जाता है। यह दिल दहला देने वाला हादसा है। हालांकि, वर्षों से भारतीय रेलवे अपने परिचालन में नई-नई तकनीक का प्रयोग और सुधार करती रही है। इसी कारण कई वर्षों से कोई बड़ा नीला अच्छा नहीं हुआ। इससे समुचित सबक लेने चाहिए।

- **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

रिश्वतखोरी का रोग

नरेंद्र मोदी कांग्रेस को हर योजना से 85 प्रतिशत कमीशन खाने वाली पार्टी कहते हैं तो वह क्या गलत कहते हैं। वर्षों से ही आम भारतीयों को कुछ ले देकर काम कराने की आदत भी तो कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में ही लगी है। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि केंद्र से एक रुपया भेजा जाता है परंतु आम आदमी तक मात्र 15 पैसा ही पहुंच पाता है, यानी पचासी पैसे तक उसकी लेनदेन की प्रक्रिया में खप जाते हैं यानी रिश्वत बाजी का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने अपने शासनकाल में चल रही भ्रष्टाचार की प्रक्रिया को आम जनता को बड़े ही सरल तरीके से समझाने का प्रयास किया था। आज यही भ्रष्टाचार की प्रक्रिया हमारे देश में एक नासूर बन गई है। किसी भी आफिस में जाइए अगर आपको कोई पैसा निकाल निकालना है या पास कराना है तो उसे निकालने के लिए बिना लिए दिए कोई काम नहीं होता है। हालांकि, भाजपा सरकार कह रही है कि पारदर्शिता लागू कर रहे हैं पर कुछ जगह आज भी दीमक लगी हुई है, उसे भी साफ करने की बेहद जरूरत है। ना खाऊंगा ना खाने दूंगा की नीति को जमीनी स्तर पर पहुंचाना बेहद जरूरी है।

- **एमएम राजावत,** शाजापुर

छात्रों की आत्महत्या

आंकड़ों के अनुसार 2021 में देशभर में 13, 000 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है। हर बार हर प्रकार की परीक्षा के परिणाम के बाद असफल छात्र हताशा और निराशा में आत्महत्या जैसा घातक कदम उठा लेते हैं। देश की आबादी बढ़ने के साथ शिक्षा संस्थानों में सीटें कम पड़ती जा रही है। बढ़ती हुई आबादी के हिसाब से छात्रों की पढ़ाई के अनुकूल व्यवस्था बेहद जरूरी है। मगर सरकार ने स्वयं यह काम करने के बजाय इसे प्राइवेट कॉलेजों के सुपुर्द कर दिया। अनेक निजी कालेजों की फीस चुकाना मध्यवर्गीय परिवार के छात्रों के लिए बहुत कठिन हो जाता है। पढ़ाई से पहले से कई गुना महंगी हो चुकी है। उस पर कोचिंग व अन्य कई खर्च उठाने के बाद यदि छात्र असफल होता है तो वह न केवल अपनी नजरों से गिरता है, वरन परिवार व समाज में शर्मिंदगी से बचने के लिए आत्महत्या जैसे कदम उठा लेता है। ऐसे में परीक्षा प्रणाली में आमूल परिवर्तन जरूरी हैं। इसे पाठ्यक्रम प्रारम्भ से शुरू होकर कोर्स पूरा होने तक प्रतिदिन की शैक्षणिक व्यवहारों व प्रयोग गतिविधियों पर आधारित होना चाहिए।

- **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

जघन्य अपराध

एक खबर पाकिस्तान से सुनने में आयी थी कि लोग युवतियों की कब्रों पर ताला लगाने को मजबूर हैं। कारण था शवों के साथ दुराचार का। उधर कर्नाटक हाईकोर्ट के सामने भी एक मामला आया जिसके अनुसार निजी एवं सरकारी अस्पतालों के शवगृह में भी यही काम हो रहा है जिसको वैज्ञानिक भाषा में नेक्रोफिलिया कहा जाता है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार के लिए यह सुनिश्चित करने का सही समय है कि ऐसे अपराध न हों जिससे मृत महिला की गरिमा बनी रहे। न्यायमूर्ति बी वीरप्पा और न्यायमूर्ति वेंकटेश नाइक टी की खंडपीठ ने केंद्र सरकार से भारत में नेक्रोफिलिया को अपराध घोषित करते हुए एक नया कानून बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से भारत में इस जघन्य अपराध के खिलाफ कोई कानून नहीं है। इसलिए इसके विरुद्ध कड़ा क़ानून बनाने के साथ ही अस्पताल की मोर्चरी में कैमरे की निगरानी सुनिश्चित की जाए। यह जघन्य अपराध मानवता का असाधारण पतन है जिसे रोकने के प्रयास जरूरी हो गए हैं।

- **मनोज पुरुषार्थी,** मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

विश्व में जमी भारत की धमक: योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष के सफलतम कार्यकाल में भारत की धमक पूरे विश्व में जमी है। यह देशहित में पीएम मोदी के विजनरी नेतृत्व और अनथक परिश्रम का प्रतिफल है। आज संकट के समय दुनिया भारत और पीएम मोदी के प्रति ही आशा भरी निगाहों से देखती है। सीएम योगी रविवार को मोदी सरकार के 9 वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे महासंपर्क महाभियान के अंतर्गत गोरखपुर शहर विधानसभा की वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक सह शिटफिन पर चर्चाश् कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम अपनी बात व उपलब्धियों को स्वयं बताते हैं तो इसका उतना महत्व नहीं होता। परए जब दुनिया हमारी उपलब्धियों को मानती है और सम्मान देती है तो यह वास्तविक सम्मान होता है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले के हालात क्या थेए वैश्विक मंच पर भारत की क्या स्थिति थीए इसे सभी जानते हैं। औरए 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में क्या सकारात्मक बदलाव आया है यह भी देश ही नहीं पूरी दुनिया देख रही है।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 के पहले भारत के नागरिकोंए प्रवासियोंए भारतवंशियों को वह सम्मान नहीं मिलता था जिसके वह हकदार थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष के कार्यकाल में भारतीय नागरिकोंए प्रवासियों व भारतवंशियों का समूचे विश्व में सम्मान बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी के तीन देशों की यात्रा के अभूतपूर्व क्षणों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और प्रधानमंत्री जी के प्रति बढ़े आकर्षण से हर भारतीय को गर्व है। पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री ने प्रोटोकॉल तोड़कर सूर्यास्त के बाद पीएम मोदी की न केवल अगवानी की बल्कि पैर छूकर उनका अभिवादन भी किया। फिजी व पापुआ न्यू गिनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी इज् बॉस कहकर देश का सम्मान बढ़ाया तो अमेरिका के राष्ट्रपति उनका ऑटोग्राफ लेने को लालायित दिखे। यह सब देश के नेतृत्व के सामर्थ्य का परिचायक है। सीएम योगी ने कहा कि संकट की हर परिस्थिति में 140 करोड़ देशवासियों के साथ खड़े होकरए सबके दिलों में राज करने का चमत्कारिक नेतृत्व देकर प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सीमा सुरक्षा के मामले में भी भारत बेहद मजबूत हुआ है। आज भारत की सीमाओं पर कोई टेढ़ी नजरों से नहीं देख सकता। सीमाओं पर कब्जा करने या आतंकी गतिविधियों का दुस्साहस नहीं कर सकता। यदि कहीं कोई घटना हो गई तो दुनिया के देश सफाई देने लगते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने स्वाभिमान व सम्मान की रक्षा करना सीखा है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले कश्मीर में उग्रवादए पूर्वोत्तर के राज्यों में अलगाववाद व देश के 12 से 15 राज्यों में नक्सलवाद की समस्या चरम पर थी। आज कश्मीर में धारा 370 समाप्त होने से शांतिए सौहार्द व विकास का माहौल है। वहां हुए पंचायत चुनाव में लोगों ने बढ़.चढ़कर भागीदारी की और भारतीय जनता पार्टी को भी बड़ा समर्थन मिला। पहले यह सिर्फ कल्पना थी अब वास्तविकता है। सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान समय में पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर व असम में भाजपा की सरकार है। नागालैंड व मेघालय में भी भाजपा के सहयोग से सरकार चल रही है। जबकि पहले पूर्वोत्तर के राज्यों में परमिट लेकर जाना पड़ता था। नक्सल प्रभावित राज्यों में नक्सली घटनाओं पर लगाम लगा है और वहां विकास की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ी है।

टिफिन सहभोज में सामान्य कार्यकर्ता की तरह दिखे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पार्टी के हर अभियान और उससे जुड़े दिशानिर्देशों का एक समर्पित कार्यकर्ता की तरह अनुसरण करते हैं। रविवार को सिविल लाइंस के गोकुल अतिथि भवन में शहर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक सह टिफिन पर चर्चा में भी उनकी यह प्रतिबद्ध भूमिका नजर आई। भाजपा नेतृत्व से पूर्व जारी दिशानिर्देश के मुताबिक अन्य कार्यकर्ताओं की भांति मुख्यमंत्री भी अपने साथ टिफिन लेकर आए थे। बैठक में संबोधन समाप्त होने के बाद उन्होंने खुद टिफिन बॉक्स खोलकर कार्यकर्ताओं के साथ सहभोज कर उन्हें आह्लादित कर दिया। मोदी सरकार के 9 वर्ष के सफल कार्यकाल के उपलक्ष्य में वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक के आखिरी दौर में टिफिन सहभोज का आयोजन पहले से तय था। शहर विधानसभा क्षेत्र की बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी एक सामान्य कार्यकर्ता की भांति अपना टिफिन लेकर आए थे। कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करने के बाद सहभोज शुरू हुआ तो मुख्यमंत्री भी अपनी कुर्सी पर टिफिन खोलकर बैठ गए। मुख्यमंत्री को बिना प्लेट के टिफिन बॉक्स में ही खाना खाते देखकर अन्य कार्यकर्ता उन्हें हर्षमिश्रित अचरज भरी निगाहों से निहार रहे थे। मुख्यमंत्री के साथ सांसद रविकिशन शुक्लए महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तवए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, नीलम सोनकरए क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद रायए महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ताए विधायक विपिन सिंह समेत अन्य सभी कार्यकर्ताओं ने अपनी कुर्सियों पर बैठकर टिफिन सहभोज किया।

● खुद अपना टिफिन लेकर आए थे सीएम

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्थापित हो रहे विकास के प्रतिमान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के प्रतिमान गढ़े जा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चरए हाईवे रेलवेए एयरपोर्ट आदि सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हो रहा है। पीएम मोदी की परिकल्पना है कि हवाई चप्पल पहनने वाला नागरिक भी हवाई यात्रा कर सके। यह परिकल्पना पूरी होती नजर आ रही है। 1947 से 2014 तक देश में कुल 74 एयरपोर्ट थे जबकि 2014 से 2022 के बीच 74 नए एयरपोर्ट बनाए गए हैं। 1947 से 2014 तक देश में सिर्फ 5 एम्स थे जबकि 2014 से 2022 तक 15 नए बनाए गए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से एक जिला एक मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना को भी साकार किया जा रहा है। देश में प्रतिदिन 35 किलोमीटर हाईवे का विस्तार हो रहा है। रेलवे की नई परियोजनाएं आगे बढ़ रही हैं। वाटरवेज ;जलमार्गद्ध बनाए जा रहे हैं। हर एक स्तर पर विकास के जरिये नागरिकों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास के साथ ही जन कल्याणकारी योजनाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन जीने का आधार प्रदान किया है। उनका 9 वर्ष का कार्यकाल सेवाए सुशासन व गरीब कल्याण को समर्पित है। आज किसी गरीब को यह चिंता नहीं होती है कि वह शाम को क्या खाएगा। कोरोना काल से ही देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा दी जा रही है। किसी भी गरीब महिला को बारिश में अब खाना पकाने की चिंता नहीं होती है, उज्जवला योजना से मिले निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन ने उसकी चिंता दूर कर दी है। किसी भी गरीब को अब घर की चिंता नहीं हैए प्रधानमंत्री आवास योजना से 3०5 करोड़ गरीबों को पक्के मकान बना कर दिए गए हैं। 48 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोले गए और कल्याणकारी योजनाओं की धनराशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाती है। यदि किसी ने भी उनसे घूस की मांग की तो उसके लिए जेल का रास्ता साफहै। इलाज की सुविधा के लिए 50 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना से पांच लाख स्वास्थ्य बीमा से कवर किया गया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में समाज के हर वर्ग किसानए महिलाए नौजवान, बुजुर्ग, निराश्रित, श्रमिक आदि सभी के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। कोई भी तबका इससे लाभान्वित होने से वंचित नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी के 9 वर्ष के कार्यकाल के उपलक्ष्य में एक माह तक चलने वाले 14 प्रकार के कार्यक्रमों से सभी कार्यकर्ताओं को जुड़ने का आह्वान किया। इसके लिए उन्होंने पीएम मोदी के मार्गदर्शन में गोरखपुर को मिली विशेष सौगातों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में खाद कारखानाए एम्स और इंसेफेलाइटिस उन्मूलन सपना था। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से यहां 110 फीसद क्षमता से खाद कारखाना चल रहा हैए एम्स भी खुल चुका है। इंसेफेलाइटिस भी नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि भाजपा न केवल दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है बल्कि यह भारतीय मूल्यों, आदर्शों के प्रति समर्पित आमजन व कार्यकर्ताओं की पार्टी है। उन्होंने कहा किआमजन के हित में किए गए कार्यों का श्रेय भी पार्टी को मिलना चाहिएए इसके लिए ही माहभर के विशेष कार्यक्रम तय किए गए हैं। कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने साथ लाए टिफिन से सबके साथ भोजन किया।

कांग्रेस ने रेल मंत्री पर उठाया सवाल नैतिक पर देना चाहिए इस्तीफा

● ट्रेन दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना सभा आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बालासोर उड़ीसा में हुई भयावह ट्रेन दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए तथा घायलों के अतिशीघ्र स्वस्थ होने की मंगल कामना को लेकर कांग्रेस मुख्यालय पर रविवार को प्रार्थना सभा आयोजित किया गया। इस दौरान प्रांतीय कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री नकुल दुबे और प्रशासन प्रभारी महासचिव दिनेश सिंह सहित प्रमुख कांग्रेसजनों ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप दीप प्रज्वलित कर दो मिनट का मौन रख शोक संवेदना व्यक्त किया।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने मोदी सरकार द्वारा रेल दुर्घटनाओं से निपटने के लिए किए जाने वाले बड़े-बड़े दावो पर प्रश्न खड़ा किया है। प्रदेश कांग्रेस का मानना है कि क्या मानवीय व नैतिक आधार पर शीर्ष पदों पर बैठे लोगों की जवाबदेही नहीं तय की जानी चाहिए, रेलवे में खाली पड़े पदों और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फंड की कमी के लिए किसकी जिम्मेदारी तय होगी।

उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों, संसदीय समिति,रिपोर्ट की चेतावनियों व सुझावों को नजरअंदाज करने के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है, कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने आगे याद दिलाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री रहें लाल बहादुर शास्त्री जी हों या नीतीश कुमार, माधव राव सिंधिया सभी ने रेल मंत्री पद पर रहते हुए रेल हादसों पर अपनी नैतिक जिम्मेदारी लिया है। क्या आज मौजूदा रेल मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी उठाते हुए इस्तीफा नहीं देना चाहिए। श्रद्धांजलि एवं शांति पाठ कार्यक्रम में कांग्रेस प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नकुल दुबे प्रदेश महासचिव प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरेंद्र मदान, कैप्टन बंशीधर मिश्रा, सोमेश सिंह, जितेन्द्र कुमार वर्मा, सुशीला शर्मा, परवीन खान, अनस रहमान, अनीस अख्तर मोदी, जितेंद्र कुमार वर्मा, आशीष अवस्थी, प्रभाकर मिश्रा, प्रज्ञा सिंह, रिचा कौशिक, साबरा खातून, नारायणपति त्रिपाठी, नितांत सिंह, नावेद नकवी, सुमित रावत सहित भारी संख्या में कांग्रेसजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

प्रदेश से अब तक कुल 20208 यात्री हज पर रवाना

लखनऊ। हज 2023 के लिए लखनऊ उड़ान स्थल से चौतीसवीं उड़ान 4 जून 2023 को 298 हज यात्रियों को लेकर सकुशल अपने निर्धारित समय पूवार्ह्न 11 बजे चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से मदीना के लिए रवाना हुई। इस उड़ान से 162 पुरुष व 136 महिलाएं रवाना हुए। सबसे अधिक प्रयागराज ज़िले के 154 हज यात्री गये हैं। पैंतीसवीं उड़ान 4 जून 2023 को 298 हज यात्रियों को लेकर सकुशल मदीना के लिए रवाना हुई। इस उड़ान से 152 पुरुष व 146 महिलाएं रवाना हुए। सबसे अधिक वाराणसी ज़िले के 71 हज यात्री गये हैं। चार हज यात्री मुम्बई के इस उड़ान से गये हैंए जिन्होंने लखनऊ उड़ान स्थल का विकल्प चुना था। इस उड़ान से एक ख़ादिमुल हुज्जाज ;हज सेवकद्ध अम्बेडकरनगर के सैय्द मुज़म्मिल हज यात्रियों के सुविधार्थ गये हैं। आज तक लखनऊ से 10279 हज यात्री सऊदी अरब के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। दिल्ली उड़ान स्थल से 4 जून 2023 को उड़ान उत्तर प्रदेश के 239 हज यात्री गये हैं। इस उड़ान से 129 पुरुष व 110 महिलाएं रवाना हुए। सबसे अधिक मुरादाबाद ज़िले के 81 हज यात्री गये। इस उड़ान से दो ख़ादिमुल हुज्जाज सहारनपुर के मो. मुस्तफा और मुज़फ्फरनगर के मो. साजिद हज यात्रियों के सुविधार्थ गये हैं। अब तक उत्तर प्रदेश के दिल्ली से 9929 हज यात्री व उत्तर प्रदेश के अब तक कुल 20208 हज यात्री सऊदी अरब के लिए प्रस्थान कर चुके हैं।

भाजपा नफरत की राजनीति करती है: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा नफरत की राजनीति करती है। समाज में लड़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी परम्पराएं एक दूसरे से जुड़ी है। हमारी संस्कृति मिली जुली है। हम मिलजुल कर रहते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री को आजमगढ़ के साड़ी कारोबारी और बुनकरों की समस्याओं से कोई मतलब नहीं है। उनकी समस्याओं के समाधान से कोई लेना देना नहीं है। समाजवादी सरकार में हमने बुनकरों के लिए मुबारकपुर में एक स्थान बनायाए जिससे बुनकर भाई अपना कारोबार बढ़ा सके। भदोही में हमने कारपेट बाजार बनाया। लखनऊ के शिल्प ग्राम में शाम.ए.अवध बुनकरों का बाजार बनाया। इसी तरह से नोएडा में बुनकर भाइयों को सबसे कीमती जमीन दी थी। बुनकर बाजार बनायाए जिससे इनकी मदद हो लेकिन भाजपा सरकार ने बुनकरों से बिजली की रियायत छीन ली है। अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को आजमगढ़ में आकर किसी की परेशानी और समस्या याद नहीं रहती है। वे आजमगढ़ को बदनाम करते है। वे आजमगढ़ को अपराध से जोड़कर नर्सरी बताते हैं लेकिन उन्हें अपने मुकदमें याद नहीं रहते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा भेदभाव करती है। भाजपा के नेता चाहे जितनी गुण्डईए बदमाशी करें उन पर कार्रवाई नहीं होती है। भाजपा सरकार में बीजेपी के लोगों के सौ खून माफहै। वहीं गरीबए पिछड़ाए मुसलमान और समाजवादी लोगों पर बुल्डोजर चलाया जाता है। इनके साथ अन्याय हो रहा है। भाजपा के लोग कुछ भी करें उनके खिलाफ कुछ नहीं होगा।

अखिलेश ने कहा भाजपा झूठे वादे करती है। किसानोंए बेटियों और जनता से वोट लेने के लिए झूठे नारे दिए। भाजपा बेटियों और महिलाओं को अपमानित करती है। पहलवान धरने पर बैठे हैं। भाजपा का नारा ष्बेटी बचाओंए बेटी पढ़ाओंष् कहां हैघ् भाजपा का यह नारा बस वोट लेने के लिए था। वोट ले लिया और नारा भूल गए। 2024 के लोकसभा चुनाव में यही बेटियां और बहनें भाजपा के खिलाफ वोट करेंगी।

सपा करेगी लोक जागरण यात्रा व शिवरों का आयोजन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में लोक जागरण यात्रा और शिविरों के आयोजनों के माध्यम से अपने कार्यकर्ताओं में नई स्फूर्ति लाने और मतदाताओं को सचेत करने का संकल्प लिया गया है। सपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 5 और 6 जून को लखीमपुर में आदर्श जनता इंटर कॉलेज, देवकली, सैदापुर भाऊ थाना फरदहन में सम्पन्न होगा। जिसमें बूथ स्तर से लेकर जिला तक के 5 हजार प्रशिक्षार्थी भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में बूथ प्रबंधन से लेकर सन् 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रबंधन पर भी गंभीर चर्चा होगी। 6 जून 2023 को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का सम्बोधन होगा। प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत 5 जून को झंडा गीत और ध्वजारोहण से और समापन समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा सांस्कृतिक गीत से होगा।

जगदीप सपा में राष्ट्रीय सचिव नामित

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ठाकुरगंज निवासी चौधरी जगदीप सिंह यादव को समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय सचिव नामित किया है।

नदी में डूबने से चार लोगों की मौत

लखनऊ/आगरा। आगरा में यमुना नदी के हाथी घाट पर अंतिम संस्कार के बाद नदी स्नान के दौरान डूबने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इतमाद-उद-दौला थाने के प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि सदर बाजार के नौलखा के रहने वाले तुषार, सोनू, सचिन और ऋतिक शनिवार को अपने एक पड़ोसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ताजगंज शमशान गए थे। उन्होंने बताया कि हाथी घाट पर पूजा करने के बाद चारों स्नान के लिए नदी में उतरे लेकिन गहरे पानी में डूबने लगे। उनके अनुसार इन चारों को डूबते देख उन्हें बचाने के लिए दो अन्य व्यक्ति भी नदी में कूदे, जिन्हें घाट पर मौजूद लोगों ने सुरक्षित निकाल लिया। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह तुषार, सोनू और सचिन के शव दशहरा घाट से और ऋतिक का शव हाथी घाट से बरामद हुआ। अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से सरकारी लिपिक की मृत्यु

लखनऊ/बलिया। जिले में अलावलपुर गांव के समीप एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। वह वाणिज्य कर विभाग में लिपिक के पद पर कार्यरत था। सुखपुरा थाना क्षेत्र के अलावलपुर गांव के समीप गड़वार-बलिया मार्ग पर शनिवार की रात्रि मोटरसाइकिल सवार महेश श्रीवास्तव (47) तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। श्रीवास्तव को तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष पारस नाथ सिंह ने बताया कि घटना के समय लिपिक प्रतिदिन की भांति ड्यूटी कर घर लौट रहा था। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

श्रद्धालुओं से भरी जीप पलटी एक महिला की मौत

लखनऊ/बलरामपुर। बलरामपुर जिले के देहात थाना क्षेत्र में रविवार को श्रद्धालुओं से भरी एक जीप के पलटने से एक महिला की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) केशव कुमार ने बताया कि गोंडा जिले के बाबागंज झपटपुरवा गांव के कुछ लोग बहराइच दरगाह जा रहे थे। देहात थाना क्षेत्र के देवरिया मोड़ पर अचानक जीप का टायर फट गया, जिससे जीप अनियंत्रित होकर सड़क के बगल में खाई में पलट गई। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में राजिया (45) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

मुठभेड़ में दो पशु तस्कर व एकपुलिसकर्मी घायल

लखनऊ/एटा। जिले में गोकशी के मामले में वांछित दो पशु तस्करों और पुलिस के बीच रविवार को कासगंज-अमापुर मार्ग पर हुई मुठभेड़ में दो पशु तस्कर और एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। यह मुठभेड़ तड़के साढ़े तीन बजे के आसपास उस समय हुई, जब पुलिस की टीम ने एक एसयूवी को रोका। पुलिस के अनुसार, वाहन सवार तस्करों ने भागने की कोशिश करते हुए पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी कर दी, जिससे देहात पुलिस थाना में तैनात पुलिसकर्मी लोकेंद्र कुमार घायल हो गए। जबकि दो अन्य तस्कर-शमशेर और अरमान भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने पवास गांव में दो मई को गोकशी के एक मामले में वांछित इन आरोपियों के पास से देशी पिस्तौल, कारतूस और एक एसयूवी बरामद की है।

एलबीएस में चला स्वच्छ विश्वविद्यालय-स्वच्छ छात्रावास अभियान

लखनऊ। स्वच्छ भारत अभियान के तहत लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के नेतृत्व में रविवार को लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास के अंत:वासी किशन पाण्डेय ने अंत:वासी छात्रों के साथ मिलकर छात्रावास में सफाई अभियान चलाया। सफाई अभियान में अक्षत राय, स्नेहल राय, राहुल यादव, सौरभ श्रीवास्तव, हरि प्रताप सिंह, राज पटेल, हर्षित गुप्ता, आकाश प्रताप सिंह, ओंकार गुप्ता, शैलेश प्रताप सिंह, गौरव सिंह, मोहित दीक्षित व अन्य और छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और अपने अपने कमरे सहित छात्रावास के सभी विंग और गार्डन. लान और छात्रावास के सरस्वती मंदिर की साफ सफ़ाई की साथ ही साथ छात्रावास के सभी पौधों मे पानी दिया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि छात्रावास के अधीक्षक डॉ राजेश्वर यादव ने छात्रावास में अलग अलग कमेटी बनाई है। जिसमें अनुशासन संगठन, मेस संगठन, संस्कृतिक संगठन, खेलकूद संगठन बनाया है।

आठ जून से शुरू होगी बेसिक शिक्षकों के तबादले की प्रक्रिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बेसिक शिक्षा के शिक्षक अब तीन साल बाद मनचाही जगह पर तैनाती पा सकेंगे। इन शिक्षकों के अंतर्जनपदीय तबादलों की प्रक्रिया आठ जून से शुरू होगी। इसके साथ ही अंतर्जनपदीय म्युचुअल तबादले भी किए जाएंगे। इस बावत बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने आदेश जारी कर दिये हैं।

बेसिक शिक्षा परिषद ने सभी बीएसए को निर्देश जारी कर आगामी आठ जून से पोर्टल खोले जाने और सभी तैयारियां पूरी करने के लिए कहा गया है। इससे पहले 2019-20 में अंतर्जनपदीय तबादले हुए थे। इसके साथ ही अंतरजनपदीय पारस्परिक स्थानांतरण के आदेश जारी हो गए। इसके मुताबिक जिले में नियमित शिक्षिका के लिए दो साल व शिक्षक के लिए पांच साल की सेवा अवधि अनिवार्य होगी। जिले में स्वीकृत पद के मुकाबले 30 अप्रैल 2023 तक कार्यरत अध्यापकों की संख्या के दस प्रतिशत की अधिकतम सीमा तक अंतरजनपदीय तबादले होंगे।

न्यायालय के आदेश के अनुपालन की बाध्यता के क्रम में केवल शिक्षिका जिनके द्वारा शादी के पूर्व तथा केवल असाध्य एवं गम्भीर रोग से पीड़ित शिक्षक, शिक्षिका अथवा पति.पत्नी एवं अविवाहित पुत्र पुत्री, जिनके द्वारा पूर्व में स्थानान्तरण का लाभ लिया गया है, ही दूसरी बार स्थानान्तरण के लिये अर्ह होंगे। सामान्य अध्यापक अध्यापिकाएं दूसरी बार पात्र नही होगी। जिले में स्वीकृत पद के मुकाबले 30 अप्रैल 2023 तक कार्यरत अध्यापकों की संख्या के दस प्रतिशत की अधिकतम सीमा तक अंतर्जनपदीय तबादले होंगे। पास्पारिक स्थानांतरण में शिक्षक व शिक्षिका की आपसी सहमति होना अनिवार्य है।

भटपुरा गांव समूचे प्रदेश के लिए बना नजीर

लखनऊ/शाहजहांपुर। साफ सड़कें, चारों ओर हरियाली, सीसीटीवी कैमरे और बुजुर्गों के लिए खुले स्थानों के साथ भटपुरा गांव, सिर्फ शाहजहांपुर जिले ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश में एक नजीर बन गया है तथा अन्य गांवों को आधुनिक गांव बनने के लिए प्रेरित कर सकता है। करीब पांच हजार की आबादी वाला यह गांव पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के सिंधौली प्रखंड के तहत आता है। गांव के प्रधान अनिल कुमार गुप्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया कि गांव में चार सफाईकर्मी हैं जो यहां की सड़कें साफ सुथरी रखने के लिए दिन रात सफाई करते हैं। गुप्ता ने बताया, हमारे गांव में अगर कोई बाहर का व्यक्ति कुछ खाकर छिलका आदि फेंक देता है तो उस रास्ते से गांव का जो भी व्यक्ति गुजरता है वह उस कूड़े को उठाकर गांव में जगह-जगह रखे गए कूड़ादान में डाल देता है।

उन्होंने कहा कि अपने गांव को विदेशी तर्ज पर विकसित करने के लिए उन्होंने ग्रामीणों को प्रेरित किया और गांव के चारों तरफ चार लाख पॉपलर के पेड़ एवं पांच हजार फलदार एवं औषधीय पेड़ गांव के अंदर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, वर्षा जल संचित करने के लिए गांव से बाहर और गांव के भीतर 26 तालाब भी बनवाए गए हैं। पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए गांव में सैकड़ों कृत्रिम घोंसले भी हैं। पूरे गांव में लगे ए घोंसले पक्षियों को आशियाना देते हैं, जिससे गांव में चिड़ियों की चहचहाहट बनी रहती है। गुप्ता ने बताया, उनका पूरा गांव 20 सीसीटीवी कैमरों से लैस है। हर नुक्कड़ पर कैमरे लगाए गए हैं जिससे इस गांव में लड़ाई झगड़ा, चोरी डकैती, हत्या जैसी वारदात बहुत समय से नहीं हुई है और अपराध ना के बराबर है। जिले के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) श्याम बहादुर सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा कि उन्होंने भटपुरा गांव का निरीक्षण किया है और ग्राम प्रधान ने जो कार्य किया है उसके लिए ग्राम पंचायत को लखनऊ में मुख्यमंत्री द्वारा 11 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया है। उन्होंने बताया, गांव में कई विकास कार्य हुए हैं। यहां गौशाला भी बनी है जिनमें गायों के लिए सभी सुविधाएं मौजूद हैं तथा शिक्षा के लिए दो सरकारी और कई निजी विद्यालय हैं। सबसे खास बात यह है कि इस गांव में बुजुर्गों के बैठने के लिए जमुना वाटिका बनी है।

70 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी वाला यह गांव हिंदू-मुस्लिम एकता और सौहार्द की एक मिसाल है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) त्रिभुवन ने कहा, जिले के अन्य प्रधानों को भी इस गांव का दौरा करना चाहिए और उन्हें भी अपने गांवों में यह व्यवस्था लागू करनी चाहिए। इस गांव में जमीन संबंधी विवाद भी उनके पास ना के बराबर आते हैं। पुलिस अधीक्षक एस. आनंद ने बताया कि थाना सिधौली के अंतर्गत आने वाले इस गांव में एक समिति बनी हुई है जो छोटे-मोटे विवाद का वहीं निपटारा कर देती है। उन्होंने कहा, गांव में अपराध ना के बराबर है तथा यहां के निवासियों ने शराब से भी तौबा कर ली है।

जज्बे को सलाम: बदल दी सरकारी स्कूल की तस्वीर

● शिक्षिका मीना ने किया कमाल का काम

● दृढ़ संकल्प से संविलियन विद्यालय लखहा की बदली तस्वीर, मिला सर्वश्रेष्ठ विद्यालय का खिताब

लखीमपुर खीरी। अगर कुछ करने का जज्बा हो तो सफलता असंभव नहीं। हालात भले कैसे भी क्यों न हों। ब्लॉक बिजुआ के संविलियन विद्यालय लखहा अलीगंज की शिक्षिका श्रीमती मीना कुमारी ने कर दिखाया है। आपको बता दें किए मीना कुमारी ने विद्यालय के शैक्षिकए भौतिक दोनों परिवेशो को निखारने में जी जान से मेहनत की। शिक्षिका मीना कुमारी की नियुक्ति दिसंबर 2006 से सहायक अध्यापक के रूप में हुई। माह अगस्त 2020 में कोविड.19 की विषम परिस्थितियों में मीना कुमारी को इंचार्ज प्रधानाध्यापिका का प्रभार मिला। उस समय विद्यालय की स्थिति अत्यंत जर्जर एवं दयनीय थी। तब उन्होंने इसकी रूपरेखा बदलने को ठान ली और अपने सहयोगी शिक्षको के साथ मिलकर स्कूल को एक नया रूप देने की कोशिश की। इन्होंने एक शिक्षक होने के अपने कर्तव्य को बहुत अच्छे तरीके से निभाया और अपने समझदारी से सरकारी विधालय के तस्वीर को भी बदल कर रख दिया है। आज इस स्कूल को देखकर लोग प्रशंसा करते नही थकते तथा यह विद्यालय अच्छे पढ़ाई को लेकर भी लोगों के बीच खूब चर्चा का विषय बना रहता है।

विद्यालय सुंदरता के लिए मुहिम चलाई और कोरोना काल में ही विद्यालय के कक्षा कक्षो, बाहरी दीवारों, किचेन आदि की मरम्मत एवं रंगाई पुताई का कार्य से विद्यालय की पहचान, तस्वीर ही बदली। इंचार्ज प्रधानाध्यापक के अतिरिक्त तीन महिला सहायक अध्यापक, 02 महिला शिक्षा मित्र एवं एकमात्र पुरुष अनुदेशक कार्यरत हैं। विद्यालय में श्याम पट समाप्त कर कर ग्रीन बोर्ड की स्थापना की। बच्चों को स्पेशल क्लास के जरिए पढ़ाने का कार्य किया। बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से रूबरू कराने के उद्देश्य से मॉडल बनाने हेतु बच्चों को प्रशिक्षित कर मॉडल बनवाए। देखते ही देखते एक पूरा क्लास क्रिएटिविटी रूम में तब्दील हो गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के माडल आज उपलब्ध है। मीना ने बच्चों को विद्यालय व शिक्षा से जोड़ने के लिए व्यक्तिगत प्रयास किए। अभिभावकों के साथ बैठक कर अनिवार्य रूप से महिला अभिभावकों को बैठक में आमंत्रित किया है और महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से महिला अभिभावकों से बालिकाओं को स्कूल में भेजने हेतु प्रेरित किया जा रहा तथा उनको किस परिधान में तैयार होकर स्कूल भेजा जाए इसके बारे में अच्छे ढंग से बताया जाता है।

शिक्षिका मीना कुमारी ने विद्यालय परिसर में कई तरह के सब्जियों का उत्पादन किया हैए जिसका उपयोग मध्याहन भोजन मिड डे मील को बनाने के क्रम में किया जाता है। बच्चों की संख्या बढ़ाने के प्रयास के साथ ही मीना ने यहा लहसुन, प्याज, पत्ता गोभी, फूल गोभी, बैंगन, धनिया, टमाटर, लौकी, मटर, आलू, पालक, सोया आदि विभिन्न सागभाजी फसलों को उगाया। बहुत ही बेहतर ढंग से क्यारियां बनाकर विभिन्न फसलों के देसी बीज की बुवाई कराकर फसलों को तैयार किया। समय.समय पर जैविक खादों का प्रयोग करके शुद्ध सब्जियां काफी मात्रा में उगाई जा रही। जिनका मध्यान्ह भोजन में प्रयोग कर बच्चों द्वारा उपभोग किया जा रहा। मीना कुमारी को इस मिशन में कामयाबी मिलने में उनके सहयोगी शिक्षको का पूरा सहयोग है। सबने विद्यालय का नया रूप देने कोई कसर नही छोड़ी। पूरे गांव के लोग सभी शिक्षकों का तारीफ करते नही थक रहे है।

जिले में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता आवश्यकतानुसार प्राप्त करें उर्वरक

● अगर एमआरपी से अधिक पर मिले उर्वरक तत्काल करें शिकायत उर्वरक विक्रेता पर होगी कार्यवाही: जिला कृषि अधिकारी

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

वर्तमान समय में जिले में खरीफ बुवाई का कार्य चरम पर है। समस्त उर्वरक पर्याप्त मात्रा में जनपद में उपलब्ध है। वर्तमान में जनपद में यूरिया 43444.908 मै.टन, डीएपी 11736.070 मै.टन, एमओपी 197.546 मै.टन, एनपीके 9080.671 मैण्टन तथा एसएसपी 16107.395 मैण्टन उपलब्ध है। उक्त आशय की जानकारी जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने दी।

उन्होंने किसान भाईयों से अपील करते हुए कहा कि अपनी आवश्यकतानुसार जोत बही, खतौनी अनुसार उर्वरक अपने नजदीकी निजी/सहकारी क्षेत्र के उर्वरक प्रतिष्ठान से पीओएस मशीन के माध्यम से आधार कार्ड से प्राप्त करें। यदि कोई उर्वरक विक्रेता बोरे पर अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर उर्वरकों की बिक्री करता है अथवा किसी भी अनुदानित उर्वरकों के साथ कोई अन्य उत्पाद की टैगिंग करता है तो इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी दफ्तर में स्थापित कन्ट्रोल रूम के टेलीफोन नम्बर 7289036484 पर अथवा सीयूजी नम्बर 7839882212 अपनी शिकायत दर्ज करायें, प्राप्त शिकायत का तत्परता से निराकरण किया जायेगा।

पालिका अध्यक्ष ने स्थलीय निरीक्षण में खामियां मिलने पर कर्मियों को लगाई कड़ी फटकार

संवाददाता। गोला गोकर्णनाथ (खीरी)

नपा अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने स्थलीय निरीक्षण के समय मेला मैदान के पास बने नाले पर जाकर निरीक्षण किया जिसमें नाला निर्माण का टेंडर होने के बावजूद ठेकेदार ने कार्य नही कराया इससे गुस्सा कर ठेकेदार को नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

आगे चलकर नीलकंठ मैदान में बने सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया जिसमें तमाम खामियां मिली और अव्यवस्थाओं का माहौल था। दरबाजे टूटे हुए थे समरसेबल खराब था और काफी गंदगी थी उन्होंने तुरंत व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का निर्देश दिया। नीलकण्ठ मैदान के रैनबसेरा मे भी काफी अवस्था मिली कुछ लोगों का सामान अनाधिकृत रुप से मिला जिसको तुरन्त हटवाया तथा नगर पालिका अधिकारियों को जल्द ही सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का निर्देश दिए।

औचक निरीक्षण के समय वार्ड 19 के सभासद राजेश अवस्थी, वार्ड 20 के सभासद आशीष अवस्थीए ईओ पी ण्एन दीक्षित व एस आई सन्दीप वर्मा सहित पालिका के कर्मचारी व वार्डवासी मौजूद रहे।

थाना धौरहरा पुलिस ने एक साथ 29 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। थाना धौरहरा पुलिस टीम द्वारा वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध चलाये गये। अभियान के अन्तर्गत बड़ी कार्यवाही की गई है। विभिन्न अभियोगों में कुल 29 वारंटी अभियुक्तों को एक साथ गिरफ्तार किया गया है। विवेक उपाध्याय प्रभारी निरीक्षक थाना धौरहरा ने बताया कि वारंटी अभियान में 29 वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। जांच पड़ताल में 20 मृत पाये गये है। वांछित वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे। अभियान के अंतर्गत रविवार को थाना धौरहरा पुलिस टीम द्वारा 29 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। वरंटियो के खिलाफवृहद स्तर पर कार्यवाही करते हुए विभिन्न अभियोगों में 29 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी वारंटी अभियुक्तों को बस में बैठा कर न्यायालय में पेशी हेतु भेजा जा रहा हैं। वरंटियो के साथ धौरहरा थाने से पुलिस टीम को भेजा गया है। उपाध्याय ने बताया कि यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर की गई है।

आवारा गौवंशीय पशुओं की समस्या को लेकर बीडीओ को दिया ज्ञापन

पसगवां खीरी। आवारा गौवंशीय पशुओं के द्वारा किसानों की फसलों को लगातार नुकसान पहुंचाने की समस्या को लेकर भारतीय किसान संघ ने खण्ड विकास अधिकारी पसगवां को दिया ज्ञापन। लंबे समय से चली आ रही आवारा घूम रहे गौवंशीय पशुओं के द्वारा फसलों के नुकसान को लेकर समय समय पर कई बार सरकार को किसी न किसी माध्यम से सूचित करवाया जाता रहा है। आज तक इस समस्या पर कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया है। इसी क्रम एक बार फिर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के द्वारा गोवंशीय पशुओं से किसानों को हो रही घोर परेशानियों व आर्थिक नुकसान के कारण और उसके शीघ्र समाधान हेतु खण्ड विकास अधिकारी पसगवां को एक ज्ञापन सौंपा गया। उसकी प्रतिलिपि माननीय मुख्यमंत्री महोदयजीए सचिव उत्तर प्रदेश शासन व डीएम को भी भेजी गयी। अमरनाथ प्रदेश अध्यक्ष गोरक्षा प्रकोष्ठ, राज सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष गोरक्षा प्रकोष्ठ के द्वारा मुख्य विकास अधिकारी खीरी से वार्ता की गयी। उन्होंने पन्द्रह दिनों के अंदर समस्या के समाधान के बारे में कहा गया। अधिक समय बीत जाने के बाद भी समस्या न सुधारे जाने के बाद यह कदम उठाया गया। शीघ्र समस्या का निवारण नहीं किया गया तो संघ धरना देकर प्रदर्शन व घेराव करेगा।

भगवानदीन आर्य कन्या महाविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया शुरू

लखीमपुरखीरी। भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय लखीमपुर में बीए प्रथम वर्ष हेतु प्रवेश प्रक्रिया 25.5.2023 से निरंतर जारी है। भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सत्र 2023.2024 के लिए बीए प्रथम वर्ष हेतु प्रवेश प्रक्रिया अनवरत जारी है। बीए प्रथम सेमेस्टर हेतु छात्राएं 30 जून 2023 तक आवेदन कर सकती हैं। 25 मई से बीए प्रथम वर्ष हेतु प्रवेश प्रक्रिया अनवरत जारी है। महाविद्यालय मे बीए प्रथम वर्ष मे प्रवेश हेतु छात्राये प्रात: 10.30 बजे से 4.30 बजे तक कार्यालय में अपने पंजीकरण आवेदन फार्म जमा कर सकती हैं।

क्विक न्यूज

संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने स्मार्ट रोड का निरीक्षण किया

शाहजहांपुर। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने नगर क्षेत्र के सुभाषनगर से नगरिया मोड़ तक निर्माणाधीन स्मार्ट रोड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्यों की स्थिति को देखा गया, निर्माणाधीन स्मार्ट रोड के निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले अवैध अतिक्रमण को हटाये जाने व निर्माण कार्य को तीव्र गति से कराये जाने के साथ-साथ निर्माण कार्य को शीघ्र ही पूर्ण कराया जाए। इस मौके पर सांसद अरूण कुमार सागर, नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह जी के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारीगण तथा सम्बंधित संस्था के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

महिलाओ को पूर्व पालिका अध्यक्ष निरूपमा बाजपेई ने किया प्रोत्साहित

लखीमपुर.खीरी। मंदाकिनी ब्राह्मण महिला संगठन द्वारा चलाये जा रहे। दस दिवसीय समर कैम्प का समापन समारोह कार्यक्रम संपन्न किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्वलन से किया गया। मंच का संचालन रत्ना मिश्राए सुनैना अवस्थीए मधुलिका त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम अध्यक्ष निरुपमा बाजपेई ने उद्बोधन दिया। उपाध्यक्ष रश्मि बाजपेई द्वारा मुख्य अतिथि सरस्वती बालिका विद्या मंदिर की सह.प्रधानाचार्य सीमा मिश्रा का परिचय कराया। कोषाध्यक्ष रत्ना मिश्रा द्वारा रिपोर्ट पढ़ी गई। सह.मन्त्री प्रभा त्रिपाठी द्वारा मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया गया। समर कैम्प में बच्चों को प्रशिक्षको द्वारा सिखाई गई। गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। जिसमें नृत्य शिक्षक साक्षी अवस्थी ने ईश्वर वंदना व अन्य नृत्य प्रस्तुत करवाये। इस मौके पर निरूपमा बाजपेई पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद लखीमपुर ने महिलाओ को किया प्रोत्साहित। ढोलक शिक्षक सुनैना अवस्थी ने ढोलक पर श्री कृष्ण जी का भजन प्रस्तुत कराया। पाक.कला शिक्षक संजीता शर्मा व रेखा शुक्ला के द्वारा सिखाये गई विधियों में से कुछ चीजें बनवा कर देखी गई। मेहंदी शिक्षक अनुभूति शुक्ला के द्वारा मेहंदी लगवा कर देखी। समस्त बच्चों को प्रशस्ति पत्र व पुरूस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। मुख्य अतिथि को स्मृति.चिन्ह देकर आभार वक्त किया।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम

शाहजहांपुर। विश्व पर्यावरण दिवस को सच्चे अर्थों में मनाने के उद्देश्य से विगत कई दिनों से कारागार में सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से कई दिनों पूर्व से तैयारी चल रही है। जिसमें तात्कालिक कूड़ा व गन्दगी की सफाई अभियान के साथ साथ बैरकों, टायलेट, कार्यालय भवन, गोदाम, पाकशाला आदि, टायलेट सीट व गेटों की मरम्मत तथा पेंटिंग का कार्य चल रहा है। क्योंकि कूड़ा व अन्य गन्दगी की सफाई का काम तो नित्य प्रतिदिन का है, भवन, बैरकें व बंदी टायलेट की मरम्मत व पेंटिंग अक्सर नहीं हो पाती है।कारागारों में असली पर्यावरण प्रदूषण तो टायलेट से होता है। पर्यावरण दिवस के अवसर पर सम्पूर्ण कारागार भवनों की मरम्मत योग्य फिटिंग की मरम्मत व सम्पूर्ण भवन की पुताई व पेंटिंग का काम चल रहा है।

दबंगों का घर में घुसकर हमला आधा दर्जन घायल

शाहजहांपुर। दबंगों ने देर रात लाठी-डंडे लेकर घर में घुसकर परिवार पर हमला कर दिया। जिससे परिवार के करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। दबंगों ने मकान के बाहर आने के बाद दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायर किए। उसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। थाना सदर बाजार क्षेत्र के मोहल्ला ककरा कलां निवासी शाकिर अली के मकान के बाहर गली में ईंटें लगी थीं। शाकिर अली ने ईंट लगाने को लेकर विरोध किया। इसी विवाद के चलते आए दिन दोनो पक्ष आमने-सामने आते रहते हैं। देर रात यही विवाद बढ़ गया। इस विवाद के बाद दोनो पक्ष मकान के बाहर गली में गाली-गलौज करने लगे। इसी बीच दबंग छत के उपर चढ़े और शाकिर के परिवार पर पथराव करना शुरू कर दिया।

परिवार के कुछ सदस्य घायल

पथराव की चपेट में आकर शाकिर के परिवार के कुछ सदस्य घायल हो गए। पथराव से बचने के लिए शाकिर का परिवार मकान के अंदर भागा। तभी पीछे से दबंग लाठी-डंडे लेकर मकान के अंदर घुस गए और परिवार को जमकर पीटा। जिससे परिवार के आधा दर्जन लोग बुरी तरह लहुलुहान हो गए।आरोपियों ने मकान के बाहर आकर दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायर किए। उसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने लहुलुहान घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। वहीं पीड़ित शाकिर ने आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।वहीं थाना प्रभारी आरपी सिंह ने बताया कि, सूचना के बाद पुलिस मौके पर गई थी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बैंक से व्यापारी का पांच लाख रुपये से भरा बैग चोरी

शाहजहांपुर। थाना मिर्जापुर में शनिवार को बैंक से व्यापारी का पांच लाख रुपये से भरा बैग चोरी के बाद पुलिस ने बैंक के सीसीटीवी कैमरे से चोर की वीडियो हासिलकर उसकी तलाश शुरू कर दी है पुलिस ने कैमरे में कैद हुए चोर के फेटो के जरिए उसको पकड़ने के लिए कई जगह पर दबिश दी। शनिवार को मिर्जापुर क्षेत्र में बैंक में खाद और बीज भंडार की दुकान पर अजीत कुमार नौकरी करते हैं। अजीत शनिवार को मालिक का 5 लाख रुपये बैंक में जमा करने गये थे। रुपयों को एक बैग में भरकर उन्होंने सीट पर एक किनारे रख दिया था। उसके बाद एक रसीद भरने लगे। रसीद भरने के लिए अजीत जैसे ही थोड़ा सा झुके, वैसे रैकी कर रहा युवक उनका रुपये से भरा बैग चोरी करके भाग गया। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी पुलिस ने बैंक के सीसीटीवी कैमरे में आई चोर की फेटो को हासिलकर उसकी धार पकड़ के लिए कई जगह दबिश दी।

एनसीसी की ओर से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई

शाहजहांपुर। केंद्र सरकार की पहल पर पूरे देश में पुनीत सागर अभियान के तहत चलाए जा रहे मिशन लाइफ कार्यक्रम के अंतर्गत लास्टिक मुक्त भारत विषय पर एसएस कॉलेज में 25 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई। इस प्रतियोगिता में कुल 22 कैडेटों ने भाग लिया जिनमें से प्रथम तीन उत्कृष्ट पोस्टर बनाने वाले कैडेटो को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर मीना शर्मा ने कहा कि मिशन लाइफ भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत पूरे देश के नागरिकों को स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर आदित्य कुमार सिंह ने कहा कि आज के दौर में प्लास्टिक प्रदूषण का खतरा इतना अधिक बढ़ चुका है की आने वाली कई पीढ़ियां इसके प्रकोप से बच नहीं सकती। कार्यक्रम संयोजक लेफ्टिनेंट डॉ आलोक कुमार सिंह ने बताया कि जब तक सरकार प्लास्टिक के उचित विकल्प का तलाश नहीं कर लेती तब तक हम लोगों को प्लास्टिक का उपयोग करते समय तीन आर फार्मूला, रिड्यूस, रीसाइकिल और रीयूज को अपनाना चाहिए । इस प्रतियोगिता में डॉ रमेश चंद्रा और डॉ मंजीत सिंह की निर्णायक मंडल द्वारा कैडेट सृष्टि गुप्ता को प्रथम कैडेट पंकज कुमार को द्वितीय तथा कैडेट प्रिया को तृतीय स्थान के लिए चुना गया।

जीआरपी पुलिस ने महिला यात्री का हैंडबैग बरामद कर सौंपा

संवाददाता। शाहजहांपुर

लखनऊ चण्डीगढ एक्स में यात्रा कर रही महिला का हैंडबैग ट्रैन में गुम हो गया। बैग में एटीएम कार्ड, पैनकार्ड, तीन आधार कार्ड, दो मेडिकल कार्ड, एक शपथपत्र, एक मोबाइल फोन स्क्रीन, एक सोने की चौन थी महिला ने जीआरपी शाहजहाँपुर को इसकी सुचना दी जिसके बाद जीआरपी मुरादाबाद के सहयोग से बैग बरामद कर महिला यात्री के हवाले कर दिया। स्कोर्टकर्मी हे.का. वीरेन्द्र सिंह व का. प्रदीप सिंह थाना जीआरपी शाहजहाँपुर को दौराने स्कोर्ट कोच संख्या ड 5 के सीट नम्बर 17,20 पर यात्रा कर रही यात्री आशा सिंह पत्नी पीके सिंह जो लखनऊ से चंदौसी तक यात्रा कर रहे थे, द्वारा बताया गया कि उनका हैंडबैग ट्रैन में ही छूट गया स्कोट कर्मियों को सूचना मिलते ही तत्परता से मौके पर जाकर हैंडबैग प्राप्त कर लिया जिसमे एक एटीएम कार्ड, एक पैनकार्ड, तीन आधार कार्ड, दो मेडिकल कार्ड, एक शपथपत्र, एक मोबाइल फोन वी वो टच स्क्रीन, एक सोने की चौन कीमती लगभग 50,000 रू0 व 500 रुपये थे यात्री आशा सिंह को थाना जीआरपी मुरादाबाद बुलाकर उनका सामान चौक कराकर उन्हें सुरक्षित सुपुर्द किया गया है,अपना सामान सुरक्षित पाकर यात्री आशा सिंह व अन्य रेलवे यात्रियो द्वारा ने जीआरपी शाहजहाँपुर के स्कोर्ट कर्मी हे.का. वीरेन्द्र सिंह व का. प्रदीप सिंह प्रशंसा की।

जेल में बंदियों को फल, सूट फ्राक और चप्पल व चिप्स, कुरकुरे, बिस्कुट भेंट किए

संवाददाता। शाहजहांपुर

जेल में संसारदेवी इंटर कॉलेज, कपसेडा, सदर शाहजहांपुर के संरक्षक कमलेश कुमार व प्रबंधक शिवेंद्र सिंह ने सभी बंदियों में फल, चिल्ड रुह आब्जा शरबत, महिला बंदियों हेतु 20 लीटर क्षमता के चार थर्मो वाटर जार, महिला बंदियों के साथ रह रहे सभी बच्चों को सूट फ्राक तथा चप्पल व चिप्स, कुरकुरे, बिस्कुट भेंट किए गए। बंदियों ने भीषण गर्मी के प्रकोप के चलते फल व चिल्ड शर्बत पीकर राहत की सांस ली। बच्चे कपड़े, चप्पल, चिप्स, कुरकुरे व बिस्कुट, फल पाकर तथा ठण्डा शर्बत पीकर खुश नजर आए। महिलाओं ने तो थर्मो वाटर जारों में बाद के लिए भी शर्बत भरकर रख लिया। कमलेश कुमार व शिवेंद्र सिंह द्वारा जेल अधीक्षक मिजाजीलाल सहित सभी अधिकारियों को सम्मानित भी किया।

अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण प्राथमिकता : नित्यानंद

संडीला(हरदोई)। नवागंतुक प्रभारी निरीक्षक नित्यानंद सिंह ने मीडियाकर्मियों से कहा कि क्षेत्र में अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण उनकी प्राथमिकता है। वे इस संबंध में प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करेंगे।

मीडियाकर्मियों से वार्ता करते हुए प्रभारीनिरीक्षक नित्यानंद सिंह ने कहा कि पुलिस जनता की रक्षा के लिए है। जन सामान्य को सुरक्षा का एहसास दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है इसलिए पुलिस और आम जन के बीच सामंजस्य और आम जन में यह भाव होना चाहिए कि कष्ट के समय पुलिस उनकी सहायता अवश्य करेगी। उन्होंने कहा कि वे जनसुनवाई पर विशेष फोकस करेंगे। इसके अलावा क्षेत्र में अपराध और अपराधियों पर प्रभावीनियंत्रण हो इसका भी पूर्ण प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि समस्त बीट प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं

कि वे अपने अपने क्षेत्रों में छोटी छोटी घटनाओं पर भी पैनी निगाह रखें क्योंकि अक्सर छोटी सी घटना किसी बड़ी घटना का कारण बन जाती है। एक प्रश्न के उत्तर में जिसमें नगर में लगने वाले जाम के संबंध में पूछा गया उनका कहना था कि जाम की समस्या की जानकारी उन्हें मिली है। इसपर कैसे प्रभावी कार्रवाई की जाए उसकी बाकायदे कार्य योजना बनाकर वे आगे कार्य करेंगे।

युवक का शव लटकताा मिला, हत्या का आशंका

संडीला(हरदोई)। एक युवक का शव मोबाइल टावर के गार्ड रूम में फांसी से लटकता हुआ मिला। परिजन ने हत्या का आशंका व्यक्त करते हुए तहरीर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बा कछौना निवासी राधेश्याम गुप्ता का युवा पुत्र आलोक गुप्ता शनिवार की रात अपनी दुकान और टावर की रखवाली के लिए गया था। सुबह उसका शव टावर के गार्डरूम में रस्सी के सहारे लटकता हुआ मिला। इस घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। परिजन का आरोप है कि मृतक युवक के सिर पर चोट के निशान थे और उसकी हत्या करके शव को लटकाया गया है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। इस संबंध में प्रभारीनिरीक्षक का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा पर धर्म नगरी चित्रकूट में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

- मंदाकिनी में आस्था की डुबकी लगाकर की कामदगिरि की परिक्रमा

संवाददाता। चित्रकूट

भगवान राम की तपोभूमि धर्मनगरी में ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। रामघाट में मंदाकिनी में स्नान कर श्रद्धालुओं ने भगवान कामदनाथ के दर्शन कर परिक्रमा लगाई। कामदनाथ मंदिर में सवेरे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। आसपास के जिलों से भारी तादाद में श्रद्धालु धर्मनगरी पहुंचे।

रविवार को छुट्टी होने के चलते तमाम लोग परिवार समेत पर्यटन व धार्मिक स्थलों की यात्रा पर हैं। भगवान राम की तपोभूमि में गर्मी के समय दूर-दूर से श्रद्धालुओं का आगमन होता है। रविवार को ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर आसपास के जिलों से भारी तादाद में श्रद्धालु यहां आये। तड़के से ही रामघाट में मंदाकिनी स्नान को श्रद्धालु उमड़ने लगे। कामदनाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन, पूजन करते हुए परिक्रमा लगाई। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यूपी-एमपी प्रशासन सुरक्षा को लेकर खासतौर पर सक्रिय था।

कामदगिरि प्राचीन मुखार बिंद के प्रधान पुजारी भरत शरण दास महाराज ने ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा का महत्व बनाते हुए कहा कि चित्रकूट अनादि तीर्थ है। भगवान श्रीराम ने वनवास काल का सर्वाधिक साढे 11वर्षो का समय चित्रकूट में व्यतीत किया है। भगवान श्रीराम के वरदान से ही चित्रकूट गिरि को कामद यानि मनोकामनाओं के पूरक होने का वरदान मिला था। जिसके बाद से ही प्रतिमाह अमावस्या और पूर्णिमा पर देश भर से लाखों श्रद्धालु चित्रकूट पहुंच कर मंदाकिनी में आस्था की डुबकी लगाने के बाद भगवान कामतानाथ के दर्शन-पूजन करने के पश्चात मनोकामनाओं के पूरण को कामदगिरि पर्वत की पंचकोसीय परिक्रमा लगाते हैं।

चित्रकूट इंटर कालेज में हुआ मेधा सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता। चित्रकूट

हर साल की भांति इस वर्ष भी आयुष्मान वानप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा चित्रकूट इंटर कॉलेज सभागार में मेधा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट सभी बोर्ड के मेधावियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद चित्रकूट धाम कर्वी के अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मेधावी छात्र-छात्राओं की उपलब्धि में योगदान देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी प्रशस्ति पत्र व अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह संस्था वर्ष 2007 से लगातार जिले की मेधा को आगे बढ़ाने के लिए ऐसा सराहनीय कार्य कर रही है इसके लिए सभी लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि आगे भी यह समारोह आयोजन जारी रहे, ताकि जिले की मेधा शक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रहे। समारोह का संचालन कर रहे संस्था के निदेशक बलवीर सिंह ने अभिभावकों व छात्र छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अमृत सरोवर बनेगा गंगी तालाबः संजीव मिश्रा

- वर्षा जल निकासी की चेयरमैन ने बनाई रूपरेखा

संवाददाता। राजापुर, चित्रकूट

तुलसी जन्मस्थली राजापुर के नवनिर्वाचित नगर पंचायत अध्यक्ष तथा सभासदों के साथ अधिशाषी अधिकारी ने नगर में जल निकासी को लेकर कालिन्दीनगर व रामनगर में भ्रमण कर समस्याओं को देखते हुए निस्तारण करने की रूपरेखा तय की है। बताते चलें कि कई वर्षों से नगर पंचायत राजापुर में जल निकासी की समस्या बनी हुई है तथा विस्तारित क्षेत्र काशीगनर, गोस्वामी नगर, रानी लक्ष्मीबाई नगर, आजादनगर, कालिन्द्रीनगर, पण्डित दीनदयाल नगर व रामनगर जो पहले ग्राम पंचायत पराकों, ग्राम पंचायत खटवारा तथा ग्राम पंचायत चिल्ली राकस में होने के कारण जल निकासी की समस्या नहीं हो पाई थी जिसके चलते बरसात के समय लोगों के मकानों, नापदानों में पानी भर जाता था। जिसके निकासी के लिए नवनिर्वाचित नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा, अधिशाषी अधिकारी बीएन कुशवाहा, सभासद शंकरदयाल जायसवाल, कौशल किशोर पाण्डेय ने जल निकासी के लिए स्थलीय निरीक्षण करते हुए बताया कि इन क्षेत्रों में नए सिरे से नालियों का निर्माण कराकर तालाबों में जल संचय का कार्य किया जाएगा तथा चिल्लीराकस के कालिन्द्रीनगर में स्थापित गंगी तालाब को भी बोर्ड के प्रस्ताव के माध्यम से अमृत सरोवर के रूप में विकसित कराने का प्रयास किया जाएगा और गुणवत्तायुक्त नालियों का निर्माण कराकर पानी में निकासी की व्यवस्था कराए जाने की एक रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेगा युवा व्यापार मंडल : राहुल गुप्ता

चित्रकूट। युवा उद्योग व्यापार मंडल चित्रकूट के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा शनिवार को नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता से भेंट कर प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री मुक्त चित्रकूट के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की गई। युवा उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राहुल गुप्ता तथा महामंत्री अंकित पहाड़िया द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री बंदी के संदर्भ में व्यापारियों द्वारा पूर्ण सहयोग की बात कही गई। साथ ही युवा व्यापार मंडल द्वारा पालिका अध्यक्ष से मांग की गई कि प्रतिबंधित सामग्री की पूर्ण जानकारी व्यापारियों को उपलब्ध कराई जाए तथा अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। नगर अध्यक्ष धर्म चंद गुप्ता ने कहा कि संगठन द्वारा जल्द चित्रकूट को प्लास्टिक मुक्त करने का अभियान सभी के सहयोग से चलाया जाएगा।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर्व पर उमड़े लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी

फर्रुखाबाद। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर लाखो श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी ज्येष्ठ पूर्णिमा पर जिले भर में लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई है। हर बार की तरह इस बार भी पूर्णिमा पर भक्तों का गंगा घाट पर ताता लग गया। श्रद्धालुओं की संख्या अधिक हों से पांचाल घाट पर जाम के हालात रहे।शहर के पांचाल घाट पर श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद तट पर स्थित देवी-देवताओं के मंदिरों में पूजा अर्चना कर अपने तीर्थ पुरोहितों को अन्न दान द्रव्य दान वस्त्र दान देकर अपना व अपने कुटुंब के कल्याण की कामना की। मान्यता है कि ज्येष्ठ पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसे में बच्चों से लेकर बड़े भी गंगा में स्नान करते नजर आए। गर्मी के इस मौसम में बच्चे गंगा में आस्था की डुबकी के साथ-साथ मस्ती करते भी नजर आए। इसके साथ ही शमसाबाद के ढाई घाट व कमालगंज के सिंगीरामपुर घाट पर भी श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने पंहुचे।

आचार्य सर्वेश कुमार शुक्ल नें पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा पर गंगा स्नान व दान का विशेष महत्व है। जेष्ठ माह की पूर्णिमा को वट पूर्णिमा भी कहा जाता है।

संस्कार भारती ने धूमधाम से मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

फर्रुखाबाद। संस्कार भारती विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया संस्कार भारती द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस को धूमधाम के साथ मनाया गया । कार्यक्रम में प्राण दायिनी जीवन दायिनी मां शीर्षक के तहत सभी माओं ने अपने बच्चों को विभिन्न प्रजाति के पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रविवार को नगर के सेनापति स्ट्रीट स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में विश्व पर्यावरण के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्वेता दुबे समाज सेविका, पर्यावरणविद सह प्रांतनारी शक्ति प्रमुख, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, कानपुर प्रांत व विभाग संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, सुधेश दुबे, प्रांतीय कोषाध्यक्ष समरेंद्र शुक्ल कवि, अध्यक्ष डॉक्टर नवनीत गुप्ता, सचिव दिलीप कश्यप संयोजक आलोक द्विवेदी ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यशाला में विधाओं का प्रशिक्षण ले रहीं छात्राओं द्वारा पोस्टर के माध्यम से धरती पर पर्यावरण विरोधी समस्याओं को प्रमुखता से उकेरा गया।

2024 में मोदी फिर बनेंगे पीएमः प्रकाश

- सम्मेलन में क्षेत्रीय अध्यक्ष ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

संवाददाता। फतेहपुर

शहर के चित्रांश नगर स्थित चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल में भारतीय जनता पार्टी की ओर से वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश शर्मा ने हिस्सा लेते हुए कार्यकर्ताओं को आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में जहां जुट जाने का आहवान किया वहीं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित कर हौसला बढ़ाया।

सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभुदत्त दीक्षित ने की। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अलावा जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा, खागा विधायक कृष्णा पासवान, जहानाबाद विधायक राजेंद्र पटेल के अलावा पूर्व जिलाध्यक्ष, वरिष्ठ पदाधिकारी, वरिष्ठ व कनिष्ट कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। सर्वप्रथम भाजपाईयों ने मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष का माला पहनाकर स्वागत किया। तत्पश्चात सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रकाश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का ऐतिहासिक विकास करने का काम किया है।

उनकी दूरदर्शी नीतियों की वजह से ही आज विदेशों में भी भारत का डंका बज रहा है।

आनलाइन ट्रेडिंग के विरोध में 27 जून को प्रदर्शनः कंछल

फतेहपुर। आनलाइन ट्रेडिंग से स्थानीय व्यापारियों का व्यापार चौपट हो रहा है। काफी समय से आनलाइन ट्रेडिंग का विरोध किया जा रहा है, लेकिन सरकार ने इस दिशा में कोई सार्थक कदम नहीं उठाया। जिसके चलते आगामी 27 जून को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करके पीएम समेत 793 सांसदों को पत्र भेजे जायेंगे। इसके अलावा सभी जनपदों में स्वर्ण जयंती समारोह मनाया जायेगा। शहर के जीटी रोड स्थित एक होटल में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कही। स्थानीय व्यापारियों ने उनका -माला पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि आनलाइन ट्रेडिंग के विरोध में आंदोलन के प्रथम चरण में प्रधानमंत्री गृहमंत्री, रक्षामंत्री सहित 29 कैबिनेट मंत्रियों एवं 47 राज्यमंत्रियों को व्यक्तिगत पत्र भेजे जायेंगे।

क्विक न्यूज

शिविर में मोतियाबिंद के 31 मरीज चिन्हित

पुखरायां, कानपुर देहात। ओमर वैश्य सेवा समिति पुखरायॉ की ओर से रविवार को 97 वॉ नि:शुल्क नेत्र शिविर सुआबाबा मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें शंकरा आई हॉस्पिटल चौबेपुर कानपुर की टीम ने 93 मरीजों के आंखों का इलाज किया। इसमें 31 मरीज मोतियाबिंद के चिन्हित किये गए। ओमर वैश्य सेवा समिति पुखरायॉ की ओर से आयोजित शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल चौबेपुर कानपुर डा.प्रतिश माथुर, सहयोगी डॉ. राम मोहन, डॉ. नेहा रावत, डॉ. गीता, शैलेन्द्र आदि टीम के सदस्यों ने93 मरीजों की आंखों का परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान मरीजों का शुगर लेवल, ब्लड प्रेशर की जांच की गई।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

रूरा। दिल्ली आगरा रोड पर कस्बा स्थित पश्चिमी केबिन के पास दिल्ली से कानपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से संदेश जनक परिस्थितियों में एक युवक की मौत हो गई स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची एंजेल जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रविवार की दोपहर कस्बा स्थित पश्चिमी केबिन के पास दिल्ली से कानपुर की ओर जा रही ट्रेन की चपेट में आने से मामा के घर जा रहे प्रांशु 20 की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई मृतक के गांव काशीपुर से मिली सूचना पर आए प्रधान प्रतिनिधि हेमू सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान शशि कश्यप का बड़ा बेटा प्रांशु अपने मामा पुणे की मौत पर मां सती के साथ शिव राखी थाना घाटमपुर गया था और वहां से वापस लौट रहा था।

प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

फतेहपुर। जहानाबाद कस्बे में भाई बहन के रिश्ते को शर्मसार करने वाले प्रेमी युगल ने छत में लगे हुक से दुपट्टे को बांधकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। कस्बे के मोहल्ला चन्दा गली मुगल मार्ग हाईवे किनारे स्थित थाना बकेवर के भुलभुलियापुर निवासी हेमन्त उत्तम के मकान में रह रही उनकी भांजी दीक्षा 22 वर्षीय पुत्री मनीष उत्तम निवासी शाहजहांपुर (मंझलेगांव) थाना बकेवर बगल में स्थित क्राइस्ट कैरियर इंस्टिट्यूट में एसएससी की तैयारी अपने छोटे भाई अभि उत्तम के साथ रहकर कर रही थी। जो कि कस्बे के विकास विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा 9 का छात्र है। देर रात नीचे सिलेंडर गिरने की आवाज को सुनकर अभि जाग गया और देखा कि रोहन और दीक्षा ने कमरे में लगे हुक से दुपट्टे को बांधकर फांसी लगा ली। सिलेंडर नीचे गिरा पड़ा है। यह देख वह जोर-जोर चीखने लगा। तभी मोहल्ले के लोग एकत्रित हो गए तब तक दोनों प्रेमी युगल मौत को गले लगा चुके थे।

आवास के नाम पर ठगी कर साठ हजार रुपये उड़ाए

कुरारा, हमीरपुर। साइबर क्राइम का जाल ग्रामीण क्षेत्रो में फैलता जा रहा है। आवास के नाम पर भोलेभाले ग्रामीणों को ठगा जा रहा है। ऐसा ही एक मामला कुरारा क्षेत्र के डामर गांव का है। पुलिस से लिखित शिकायत की गयी है। गांव के सेठी प्रजापति ने बताया कि उसके पास कल दो दिन पहले लखनऊ से फोन आया कि उसका प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत हो गया है उसे साठ हजार रुपये इस खाता नंबर पर जमा करना है। पीड़ित ने बताया कि उसने मेहनत मजदूरी कर जमा किए गए तथा जेवर गिरवी रख पैसा जमा कर दिया। पैसा जमा होते ही पैसा निकल गया। इसके बाद उसका मोबाइल बन्द हो गया।

एक साल पूर्व मारपीट से घायल युवक की मौत

सुमेरपुर। एक वर्ष पूर्व मारपीट का शिकार हुए युवक की उपचार के दौरान शनिवार की रात मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद धाराएं बढ़ाकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कुंडौरा निवासी राजेश पाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गांव निवासी अमर सिंह पाल, बद्दन यादव, छुट्टू उर्फ भीम यादव ने 20 मई 2022 की रात मेरे भाई राकेश पाल (38) पर प्राणघातक हमला किया था। मरा समझकर यह लोग मौके पर छोड़कर भाग निकले थे।

रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रही पुलिस

पुखरायां, कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के मांचा गांव में गत दिवस एक गरीब महिला चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए भटक रही है। तहरीर देने के चार दिन बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के मांचा निवासी प्रमोद कुमार की पत्नी सुशीला ने बताया कि उसके घर के बेड़े में 13 बकरियां बंधी थी। जिसे गांव का ही एक व्यक्ति ताला तोड़कर बकरियां चोरी कर ली हैं। महिला ने बताया कि चार दिन पहले थाने में तहरीर दी थी। लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। कोतवाल ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

बीओएस में कराई जाएगी जेईई, नीट की तैयारी

- हाईस्कूल के टापर छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

संवाददाता। फतेहपुर

कैरियर गाइडेंस सेमिनार में छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। लखनऊ से आए मुख्य अतिथि व ग्रेविटी क्लासेस के डायरेक्टर मोहम्मद अशफाक ने कहा कि आज की जरूरत है कि बच्चों को स्कूल में ही तालीम के दौरान जेईई और नीट की तैयारी कराई जाए। ताकि इंटरमीडिएट पास करने के बाद उनका दाखिला आईआईटी और एनआईटी में हो जाए।

इसकी तैयारी के लिए उनको बड़े शहरों में भटकना न पड़े। उन्होंने कहा कि अब मदरसों में भी दीनी तालीम के साथ आधुनिक शिक्षा का प्रसार तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के भी मदरसा संचालक भी अपने मदरसों की चहारदीवारी नीचे करें ताकि हम लोग अंदर आ सकें। उन्होंने कहा कि शाहीन ग्रुप ने भी देश के साठ मदरसों को लिया है। वहां पर हाफिज बच्चों को जेईई और नीट की तैयारी कराई जा रही है। एक्सपर्ट राकिम सुलतान ने कहा कि इंटरमीडिएट करने के बाद विदेश में पढ़ाई करने के छात्र-छात्राओं की भी मदद की जाएगी।

सड़क निर्माण की खामियों पर भड़के समन्वयक, लगाई फटकार

फतेहपुर। जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पहली बार एफडीआर तकनीक से बन रही सड़क की गुणवत्ता की ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण में तैनात राज्य गुणवत्ता समन्वयक बृजेश कुमार दुबे ने निरीक्षण कर हकीकत जानी। खामियां मिलने पर उन्होने अधिशाषी अभियंता को कड़ी फटकार लगाई। जिले के रक्षपालपुर से बिछियावां गांव तक एफडीआर तकनीक से 13 किलोमीटर सड़क का निर्माण लगभग 14 करोड़ की लागत से कराया जा रहा है। श्री दुबे ने सड़क की अद्यतन प्रगति की समीक्षा करते हुए मौके पर ही गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने निर्माण में खामी तथा कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त कर मौजूद अधिशासी अभियंता को फटकार लगाई। साथ ही खामियों को तत्काल सुधारने की हिदायत दी। उन्होंने योजना को अतिमहत्वाकांक्षी बताते हुए कहा कि निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने नई तकनीक से पहली बार ग्रामीण क्षेत्रों में बन रही सड़कों के निर्माण पर अधिशासी अभियन्ताओं को उपस्थित रहकर पारदर्शिता एवं निर्धारित मानक के अनुसार सामग्रियों का प्रयोग कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्य को समय से पूरा कराए जाने की बात कही।

चोरों ने कीमती आभूषण सहित सामान किया पार

रूरा, कानपुर देहात। कस्बे में स्थित पुलिस चौकी के सौ कदम दूर बेलगाम चोरी ने कस्बे के गणेशगंज मोहल्ले में रहने वाले प्रदीप के मकान में सीढ़ी लगाकर छत पर जाने के बाद चोरों ने जीने के रास्ते नीचे आकर कमरे में रखे बक्से व अलमारी से सोने चांदी के आभूषणए नगदी तथा कीमती समान पार कर दिया। घटना के समय ग्रह स्वामी व उनकी पत्नी विमलेश सोती रही और उनको इसकी भनक तक नहीं लगी इसके बा9द चोरों ने रूप सिंह के घर से नगदी वा सामान तथा हरी बाबू के घर में घुसकर आभूषण नगदी व कीमती सामान चोरी कर लिया। सुबह जानकारी होते ही हरी बाबू की पत्नी धूप कली बिलखने लगी। इससे वहां लोगों की भीड़ जुट गई। तीन घरों में हुई चोरी की जानकारी से लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों का आरोप है कि गश्त पिकेट नदारद रहने से चोरों के हौसले बुलंद है। एसओ रूरा ने बताया कि मामले की छानबीन व संदिग्ध चोरों की तलाश हो रही है।

विपक्ष के बगैर ही संसद को चलाना चाहती है सरकारः सलमान खुर्शीद

फर्रुखाबाद। केंद्र सरकार विपक्ष के बिना ही संसद चलाना चाहती है सलमान खुर्शीद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने आज कहा संसद उदघाटन के समय एक ऐसी व्यवस्था बना दी कि हम बिना विपक्ष के ही काम कर सकते है, जबकि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष विरोध भी करता है तब भी मिलकर काम किया जाता है। श्री खुर्शीद जिले के ग्रामआलेपुर, चिलसरा, गढ़िया हैबतपुर आदि में आयोजित कार्यक्रमों के बाद देर सायंकाल करीव 7.30 बजे फर्रुखाबाद शहर कांग्रेस कार्यकर्ता क्रांति पांडे के आवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संपर्क कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संसद बिल्डिंग आज बनी या कल बनती बिल्डिंग तो बनती ही, विपक्ष को समस्या संसद बिल्डिंग से नहीं, न ही उद्घाटन से हुई, बल्कि विपक्ष निर्णय करे कि हम वहां जाएंगे ही नहीं पर आपत्ति हो सकती है, लेकिन जहां पूरी व्यवस्था का सिस्टम प्रेरित होता हो, राष्ट्रपति महोदया से इसका उदघाटन नहीं हो रहा हो, यह बहुत बड़ी कमी है। इसी पर विपक्ष ने उद्घाटन बहिष्कार का निर्णय लिया। देश में विपक्षी गठबंधन के प्रश्न पर खुर्शीद ने बताया कि संसद उदघाटन के समय पर 18 -20 दल एक साथ आए, जिससे गठबंधन की परिस्थितियां बन रही हैं। बिहार के पटना में आगामी 12 जून को विपक्षी पार्टियों की एक बहुत बड़ी बैठक होगी। इसके बाद 23 जून को कांग्रेस के आवाहन पर विपक्ष दलो की एक वैठक होगी, जिसमें परस्पर विपक्षी गठबंधन पर बातचीत होगी।

पेज एक का शेष

मुर्दाघरों में...

कहा कि बालासोर रेल हादसे के मृतकों की तस्वीरें केवल उनकी पहचान के लिए डाली गई है क्योंकि ये तस्वीरें मन विचलित कर देने वाली हैं। उन्होंने कहा, किसी को भी विशेष राहत आयुक्त (ओडिशा) की अनुमति के बगैर इन तस्वीरों को किसी भी रूप में प्रकाशित या प्रसारित नहीं करना चाहिए।

मणिपुर हिंसा...

की तारीख से छह महीने के भीतर यह कार्य हो जाना चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि आयोग अगर उचित समझे, तो उक्त तिथि से पहले केंद्र सरकार को अंतरिम रिपोर्ट दे सकता है। अधिसूचना के मुताबिक आयोग के अन्य सदस्यों में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी हिमांशु शेखर दास और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी आलोक प्रभाकर शामिल हैं। गृह मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि तीन मई को मणिपुर में व्यापक स्तर पर हिंसा भड़की, जिसके कारण राज्य के कई निवासियों की जान चली गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। आगजनी में लोगों के घरों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचा तथा कई लोग बेघर हो गए। अधिसूचना में कहा गया है कि जांच आयोग अधिनियम, 1952 के प्रावधानों के तहत मणिपुर सरकार ने तीन मई और उसके बाद हुई हिंसा के कारणों और संबंधित कारकों की जांच के लिए 29 मई को एक न्यायिक जांच आयोग के गठन की सिफारिश की थी। अधिसूचना के अनुसार, मणिपुर सरकार की सिफारिश पर केंद्र सरकार ने यह विचार व्यक्त किया कि सार्वजनिक महत्व के मामले, यानी मणिपुर में हिंसा की घटनाओं की जांच करने के उद्देश्य से जांच आयोग नियुक्त करना जरूरी है। अधिसूचना में कहा गया, इसलिए केंद्र सरकार जांच आयोग अधिनियम, 1952 की धारा तीन द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए एक जांच आयोग नियुक्त करती है। आयोग का मुख्यालय इंफाल में होगा। तीन मई को जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से ही मणिपुर में छिटपुट हिंसा देखी गई है। अधिकारियों ने कहा कि झड़पों में मरने वालों की संख्या 80 से अधिक हो गई है। मेइती समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद मणिपुर में जातीय हिंसा भड़क उठी। आरक्षित वन भूमि से कुकी समुदाय के ग्रामीणों को बेदखल करने पर पहले से तनाव था। मामले पर कई प्रदर्शन भी हुए थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य में विश्वास बहाली के उपायों के तहत चार दिनों के लिए राज्य का दौरा किया और समाज के सभी वर्गों से मुलाकात की।

शाह ने..

लोगों तक पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि मैं यह भी अनुरोध करता हूं कि नागरिक संगठन आम सहमति बनाने के लिए जरूरी कदम उठाएं। शाह ने ट्वीट में आगे कहा, हम सब मिलकर ही इस खूबसूरत राज्य में सामान्य स्थिति बहाल कर सकते हैं।

नायडू ने...

थी। तेदेपा 2014 में एनडीए का हिस्सा थी, लेकिन आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जे के मुद्दे पर 2019 के चुनाव से पहले मार्च 2018 में सत्तारूढ़ गठबंधन को छोड़ दिया था। हालांकि, हाल ही में पोर्ट ब्लेयर में हुए नगर निकाय चुनाव के बाद दोनों पार्टियां साथ आ गईं थी। दिलचस्प बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के आखिरी एपिसोड में तेदेपा के संस्थापक और आंध्र प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री एनटी रामाराव (एनटीआर) को उनकी जयंती पर याद किया था। चंद्रबाबू नायडू एनटीआर के दामाद हैं जिन्होंने 1982 में टीडीपी की स्थापना की थी। केंद्र द्वारा वित्तीय सहायता नहीं देने पर तेदेपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गठबंधन से बाहर निकल गया था। 2018 में एनडीए छोड़ने के बाद तेदेपा मोदी-सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की भी मांग की थी। भाजपा के पास आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में जमीनी स्तर का चुनावी या कैडर आधार नहीं है और इसलिए वह तेदेपा के साथ गठबंधन चाहती है, जो खुद आंध्र प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में अपनी हार के बाद हाशिए पर चली गई है। आंध्र विधानसभा में विधानसभा चुनाव 2024 में होने हैं। सूत्रों ने कहा कि एनडीए में तेदेपा की संभावित वापसी मोदी सरकार के लिए एक 'सकारात्मक घटनाक्रम' होगा, क्योंकि लोकसभा चुनाव सिर्फ 10-11 महीने दूर हैं।

विपक्षी दलों...

दलों के अलावा कई क्षेत्रीय क्षत्रपों से बातचीत करने की पहल की। नीतीश ने हाल में राहुल और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार सहित कई दलों के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें की हैं।

बिहार में...

और नमूना देख लीजिए। अगुवानी सुल्तानगंज गंगा पुल एक बार फिर गिर गया है। इस घटना का तुरंत संज्ञान लेते हुए चाचा-भतीजा को इस्तीफा देकर देश के सामने एक मिसाल पेश करना चाहिए।

विदेश में...

कहा कि आज भारतीयों के वैश्वीकरण को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि ऐसे तंत्र स्थापित किए जाएं, जो कठिन परिस्थितियों में प्रतिक्रिया दे सकें।

तांत्रिक क्रिया के बहाने किया महिला से दुष्कर्म

संवाददाता। जालौन, उरई

महिला ने बीमारी के इलाज के लिए तांत्रिक क्रिया का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का आरोप तांत्रिक पर लगाया। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को बताते हुए आरोप लगाया कि वह पिछले कुछ समय से काफी बीमार चल रही थी। इसी दौरान कैलिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी तांत्रिक रामकांत उनके संपर्क में आए और उसने कहा कि वह तंत्र-मंत्र के द्वारा उसकी बीमारी का इलाज कर उसे ठीक कर देगा। इसके लिए कुछ तांत्रिक क्रिया करनी होगी। तांत्रिक क्रिया करने के बहाने वह उनके घर पर आ गया और तांत्रिक क्रिया का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। जब उसने विराध किया तो मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दे डाली। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उक्त संदर्भ में कोतवाल समीर सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है पुलिस मामले की जांच कर उचित कार्रावाई करेगी।

स्मार्टफोन का सदुपयोग करें छात्रः रामराजा

जालौन, उरई। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संचार साधनों का विकास हुआ है। इन संचार माध्यमों से जुड़कर जीवन का उन्नति के पथ पर ले जाएं। यह बात कैलाशी देवी श्रवण कुमारी महाविद्यालय में मुख्य अतिथि रामराजा निरंजन ने छात्रों को नि:शुल्क स्मार्टफोन का वितरण करते हुए कही। स्मार्टफोन पाकर छात्रों के चेहरे खिल उठे। कैलाशी देवी श्रवण कुमारी महाविद्यालय में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन ने कहा कि आज संचार प्रणाली का युग है। संचार साधन को अपनी तरक्की का साधन बनाएं। लेकिन युवा खासकर स्मार्टफोन के माध्यम से गलत आदतों को पाल लेते हैं। सरकार द्वारा स्मार्टफोन के वितरण में फोन का उपयोग अपनी जानकारी और तरक्की के लिए करें। शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संजय निरंजन ने कहा कि छात्र, छात्राएं स्मार्टफोन के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर आगे बढ़ सकते हैं। प्राचार्य डॉ. विवेक दीक्षिम ने कहा कि प्रदेश सरकार ने स्मार्टफोन के माध्यम से शैक्षिक योजनाओं से लाभांवित होने का संदेश दिया है। छात्र इसका लाभ उठाएं।

गुतारेस ने रेल हादसे को लेकर गहरा दुख जताया

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने ओडिशा में हुए भीषण रेल हादसे में बड़ी संख्या में लोगों की मौत होने पर दुख जताया है। ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार को हुए रेल हादसे में 288 यात्रियों की मौत हो गई और।,100 से अधिक यात्री घायल हो गए। बालासोर में 12841 शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और 12864 बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने और एक मालगाड़ी से टकराने के कारण यह हादसा हुआ। संरा महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा, महासचिव भारत के ओडिशा में हुए रेल हादसे में लोगों के हताहत होने की खबर से बहुत दुखी हैं। बयान में कहा गया है कि गुतारेस मृतकों के परिवारों, भारत के लोगों एवं सरकार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र एवं पूरी तरह से स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी ने भी रेल दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों और घायलों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की थी। महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष ने ट्वीट किया था, ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। भारत सरकार और लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रशासक अचिम स्टेनर ने भी एक ट्वीट में कहा कि वह ओडिशा में हुए दुखद हादसे से जुड़ी खबरों को भारी मन से देख रहे हैं। उन्होंने अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, हमारी संवेदनाएं उनके साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

पूरे अमेरिका के लोग भारतीयों के साथ इस दुख में शामिल हैं : राष्ट्रपति बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को कहा कि वह भारत में हुए भीषण रेल हादसे की खबर से बहुत दुखी हैं। ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार को हुए रेल हादसे में 288 यात्रियों की मौत हो गई और।,100 से अधिक यात्री घायल हो गए। बालासोर जिले में 12841 शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और 12864 बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने और एक मालगाड़ी से टकराने से यह हादसा हुआ। बाइडन ने एक बयान में कहा, मैं और (प्रथम महिला) जिल (बाइडन) भारत में हुए भीषण रेल हादसे के त्रासदीपूर्ण समाचार से दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं इस भयानक घटना में घायल हुए और अपने प्रियजन को खो चुके लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत के बीच गहरे पारिवारिक एवं सांस्कृतिक संबंध हैं, जो दोनों देशों को एकजुट करते हैं। पूरे अमेरिका के लोग भारतीयों के साथ इस दुख में शामिल हैं।

ओडिशा ट्रेन हादसा : ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने शोक प्रकट किया

लंदन। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने ओडिशा में ट्रेन हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। क्लेवरली ने कहा, भारत में ट्रेन दुर्घटना की दुखद खबर का पता चला। प्रभावित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मेरी भावनाएं जीवित बचे लोगों और आपातकालीन सेवाओं के साथ हैं। ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार रात ट्रेन दुर्घटना में 280 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। देश के सबसे भीषण रेल हादसों में से एक इस दुर्घटना में 1100 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं। हाल में भारत की यात्रा से लौटे दक्षिण एशिया के लिए ब्रिटेन के विदेश कार्यालय मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है। अहमद ने ट्वीट किया, ओडिशा से ट्रेन दुर्घटना की दुखद तस्वीरें और खबरें आई हैं। घटना में जो प्रभावित हुए हैं, हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं। हम आपात सेवा टीम के प्रति एकजुटता प्रकट करते हैं। इससे पहले, शनिवार को प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ओडिशा ट्रेन हादसे पर अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी को शोक संदेश भेजा। सुनक ने शनिवार को ट्वीट किया, मेरी संवेदना प्रधानमंत्री मोदी, ओडिशा में दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ है। मारे गए लोगों के परिवार और दोस्तों के प्रति मैं गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। बचाव कार्य के लिए अथक प्रयास की सराहना करता हूं। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले सप्ताह से शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए ब्रिटेन में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए आयोजित एक विशेष स्वागत कार्यक्रम को रद्द कर दिया।

भारत का रूस से कच्चा तेल आयात मई में नए उच्चस्तर पर

भाषा। नई दिल्ली

भारत का रूस से सस्ते कच्चे तेल का आयात मई माह में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। उद्योग के आंकड़ों से पता चलता है कि अब रूस से आयात सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अमेरिका से सामूहिक रूप से खरीदे गए तेल के आंकड़े को भी पार कर गया है। ऊर्जा की खेप की निगरानी करने वाली वॉर्टेक्सा के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने मई में रूस से प्रतिदिन 19.6 लाख बैरल तेल का आयात किया, जो अप्रैल के पिछले उच्चस्तर से 15 प्रतिशत अधिक है। अब भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत हो गई है। यह हाल के बरसों में किसी एक देश के लिए सबसे अधिक हिस्सेदारी है। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात पश्चिम एशिया के परंपरागत आपूर्तिकर्ताओं की कीमत पर बढ़ा है। मई में सऊदी अरब से तेल का आयात घटकर 5,60,000 टन पर आ गया। यह फरवरी, 2021 के बाद सबसे निचला स्तर है। मई में तेल निर्यातक देशों के संगठन–ओपेक की भारत के कच्चा तेल आयात में हिस्सेदारी घटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 39 प्रतिशत पर आ गई। किसी समय ओपेक की भारत की तेल खरीद में 90 प्रतिशत तक हिस्सेदारी होती थी। पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से भारत के आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। यह लगातार आठवां महीना है जबकि रूस, भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। कच्चे तेल को रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल में बदला जाता है। इराक ने मई में भारत को 8.3 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) तेल का निर्यात किया। वहीं संयुक्त अरब अमीरात ने 2,03,000 बैरल प्रतिदिन की आपूर्ति की। आंकड़ों से पता चलता है कि इस दौरान अमेरिका से आयात।,38,000 बैरल प्रतिदिन रहा।

क्विक न्यूज

ईयू में शामिल होना चाहता है मोल्दोवा, लेकिन रूस की छत्रछाया से निकलना नहीं है आसान

टम्पा (अमेरिका)। यूरोप महाद्वीप के सबसे गरीब देश मोल्दोवा के पूर्व में यूक्रेन और पश्चिम में यूरोपीय संघ (ईयू) के देश स्थित हैं। ऐसे मे यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध के लिहाज से इसकी स्थिति वास्तव मे संवेदनशील है। लेकिन पूर्व सोवियत गणराज्य का हिस्सा रहा मोल्दोवा लगातार यह संकेत दे रहा है कि वह ईयू से जुड़ना चाहता है। मोल्दोवा की राजधानी चिशिनाउ के दक्षिणपूर्व में स्थित मिमी कैसल में एक जून, 2023 को यूरोपीय नेताओं की राजनीतिक बैठक हुई, जिसमें यूरोप की सुरक्षा और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए चर्चा हुई। रूस के खिलाफ युद्ध में पश्चिमी देशों से मदद की गुहार लगा रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी बैठक में हिस्सा लेने वाले नेताओं में शामिल रहे। मोल्दोवा की पश्चिम के प्रति झुकाव रखने वाली सरकार ने आरोप लगाया है कि रूस ने ईयू में मोल्दोवा का प्रवेश रोकने का प्रयास किया है, लेकिन ईयू के एक शीर्ष नेता ने हाल में कहा था कि संगठन खुली बांहो और खुले दिल से मोल्दोवा का स्वागत करता है। मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू ने 22 मई को चिशिनाउ में आयोजित ईयू समर्थक राजनीतिक रैली के दौरान कहा था, मोल्दोवा नही चाहता कि क्रेमलिन (रूस) उसे ब्लैकमेल करे। अब हम यूरोप से दूर नही रहना चाहते। उन्होंने कहा था कि मोल्दोवा 2030 तक ईयू में शामिल होना चाहता है। हालांकि मोल्दोवा के लिए एक प्रमुख जटिल कारक यह है कि रूसी सैनिकों ने 1992 से इसके पूर्वी हिस्से में स्थित क्षेत्र ट्रांसनिस्ट्रिया पर कब्जा कर रखा है। पूर्वी यूरोप से संबंधित शोधकर्ता होने के नाते मुझे लगता है कि उन कारणों को समझना चाहिए जिनकी वजह से मोल्दोवा को रूस की छत्रछाया से बाहर निकलने में परेशानी हो सकती है। इस मामले पर मोल्दोवा के लोगों की राय बंटी हुई है। मोल्दोवा ने रूस के यूक्रेन के खिलाफ पूरी तरह युद्ध छेड़ने के बाद मार्च, 2022 में पहली बार ईयू में शामिल होने के लिए आवेदन किया था। इस प्रक्रिया में औसतन नौ साल लगते है।हालांकि मोल्दोवा की पोलिंग कंपनी मेग्नेटा कंसल्टिंग के अनुसार इस कदम को लेकर देश की लगभग 34 लाख की आबादी की राय बंटी हुई है।लगभग 48 प्रतिशत आबादी ने मार्च, 2023 में कहा था कि मोल्दोवा को ईयू में शामिल होना चाहिए जबकि 34 प्रतिशत ने रूस से रिश्ते बनाए रखने का समर्थन किया था।नागरिकों की राय बंटी हुई होने के बावजूद मोल्दोवा रूस से दूर जाने की तैयारी कर चुका है।मई, 2022 में सरकार ने रूस के नेतृत्व वाले स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रमंडल से बाहर निकलने की इच्छा जाहिर की थी। स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रमंडल एक स्थानीय राजनीतिक एवं आर्थिक समूह है।

चीन ने 1989 के लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों की बरसी पर तियानमेन स्क्वायर पर बढ़ाई सुरक्षा

बीजिंग। चीन ने 1989 के लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनो की बरसी पर रविवार को मध्य बीजिंग के तियानमेन स्क्वायर पर सुरक्षा बंदोबस्त कड़े कर दिए जहां सामान्य दिनों में भी लोगों के प्रवेश पर सख्ती बरती जाती है।उधर हांगकांग मे, एक दिन पहले पुलिस ने विक्टोरिया पार्क मे कम से कम दो दर्जन प्रदर्शनकारियो को हिरासत मे लिया। बड़े सार्वजनिक स्थल, इन प्रदर्शनों की बरसी पर सालाना आयोजित की जाने वाली शोक सभा के आयोजन स्थल रहे है। उल्लेखनीय है कि तियानमेन स्क्वायर पर तीन जून की रात और चार जून 1989 की सुबह प्रदर्शनकारियो के खिलाफ सैनिकों का इस्तेमाल किया गया था, जिसमे हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी मारे गए थे। इस हिंसक कार्वाई के दौरान मारे गए लोगों की संख्या अज्ञात है और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने इन घटनाओ की स्मृति को जीवंत रखने वालो के खिलाफ देश में और विदेशो में लगातार कार्वाई की है। बीजिंग मे, तियानमेन स्क्वायर के चारो ओर अतिरिक्त सुरक्षा देखी गई और वहां जाने वाले लोगो से सुरक्षाकर्मी पहचान पत्र मांगते देखे गए। स्क्वायर के उत्तर में स्थित चांगवान एवेन्यू में पैदल या साइकिल से गुजरने वाले लोगो को रोक दिया गया और पहचान पत्र दिखाने को कहा गया। वही, अपने पत्रकार वीजा के साथ आए व्यक्तियो से कहा जा रहा है कि इलाके मे प्रवेश के लिए उन्हे विशेष अनुमति लेनी होगी। इसके बावजूद, काफी संख्या मे पर्यटक इस ऐतिहासिक स्थल को देखने के लिए उमड़ रहे है और सैकड़ो लोग स्क्वायर पर प्रवेश के लिए कतार में खड़े है। तियानमेन कार्वाई मे अपने बच्चो को खोने वाली माताओ ने एक बयान जारी कर सच्चाई, मुआवजा और जवाबदेही की मांग की है। अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन ह्यूमन राइट्स वाच ने चीन सरकार से लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियो की हत्या की जिम्मेदारी स्वीकार करने को कहा है। ह्यूमन राइट्स वाच के वरिष्ठ चीनी शोधार्थी याछियू वांग ने एक बयान में कहा, चीन सरकार दशकों पुराने तियानमेन नरसंहार की जवाबदेही लेने से बचती आ रही है, जिसने लाखों लोगों को मनमाने तरीके से हिरासत में लेने, उन पर पाबंदी लगाने, जासूसी करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों का हनन करने के लिए उसे प्रेरित किया है।

पेरू में डेंगू से बचाव के लिए हो रहा है दवा का छिड़काव

महिला कर्मी को धमकी देकर काम कराने व यौन शोषण के मामले में भारतीय नागरिक दोषी करार

न्यूयॉर्क। अमेरिका मे 70 वर्षीय एक भारतीय नागरिक को अपनी महिला कर्मचारी को धमकी देकर काम करवाने और यौन शोषण करने का दोषी करार दिया गया है। अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा जारी एक बयान मे यह जानकारी दी गई है। जॉर्जिया के कार्टर्सविले मे एक मोटल चलाने वाले श्रीश तिवारी ने पीड़िता को साफ-सफाई का काम करने के लिए रखा था। अदालती दस्तावेजों के हवाले से न्याय विभाग ने कहा, तिवारी को पता था कि काम शुरू करने से पहले पीड़िता बेघर थी, वह नशा करती थी और अपने बच्चे की देखभाल का अधिकार भी खो चुकी थी। अमेरिका के स्थाई निवासी तिवारी ने पीड़िता से वादा किया था कि वह उसे वेतन, रहने के लिए घर और वकील मुहैया कराएगा और बच्चे की देखभाल का अधिकार वापस पाने मे मदद करेगा। बयान मे कहा गया है, अपना वादा पूरे करने की जगह तिवारी मोटल के अतिथियों और कर्मचारियों के साथ पीड़िता के बातचीत करने पर नजर रखता था और बाद में उसे अन्य लोगो के साथ बातचीत करने से मना कर दिया। तिवारी ने पीड़िता का यौन शोषण भी किया। तिवारी अक्सर उसे बाहर निकालने की धमकी भी देता था क्योंकि उसे पता था कि ऐसा करने से पीड़िता बेघर हो जाएगी। तिवारी ने पीड़िता को धमकी भी दी थी कि वह नशा करने की उसकी पुरानी आदत के बारे में पुलिस और बाल कल्याण एजेंसियो को बता देगा। बयान के अनुसार, बाद मे तिवारी बार-बार पीड़िता को मोटल के उसके कमरे से निकाल देता और कई बार बिना किसी चेतावनी के उसके कमरे में ताला भी लगा देता था। बयान के अनुसार, बाद मे तिवारी ने पीड़िता को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। न्याय अधिकारियो ने बताया कि तिवारी को छह सितंबर को सजा सुनाई जाएगी। तिवारी को अधिकतम 20 साल कैद और 2,50,000 अमेरिकी डॉलर जुर्माने की सजा हो सकती है।

राहुल गांधी को प्रौद्योगिकी की गहरी समझ है : भारतीय-अमेरिकी उद्यमी

सिलिकॉन वैली (अमेरिका)। अमेरिका के कैलिफोर्निया मे कृत्रिम मेधा (एआई) और अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सक्रिय सिलिकॉन वैली के स्टार्टअप उद्यमियो के साथ राहुल गांधी की बैठक की मेजबानी करने वाले एक युवा भारतीय-अमेरिकी उद्यमी ने कहा कि कांग्रेस नेता को प्रौद्योगिकी के मानवीय पहलुओं की गहरी समझ है और वह इसे आम लोगो एवं रोजगार पर पड़ने वाले असर से जोड़कर देखते है। जीआरसी (शासन, जोखिम, अनुपालन) संबंधी निर्णय लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए क्लाउड-आधारित मंच उपलब्ध कराने वाले स्टार्टअप फिक्सनिक्स के संस्थापक शाह शंकरन ने कहा, राहुल कभी यह दावा नही करते कि वह सब कुछ जानते है... लेकिन वह (कुछ नया जानने-सीखने के लिए) हमेशा उत्सुक रहते है। (बैठक के दौरान) उन्होने माना कि अलग-अलग विषयों को लेकर उनका सीमित ज्ञान है, लेकिन वह हमेशा प्रौद्योगिकी की गरी समझ हासिल करने की अपनी ललक प्रदर्शित करते है। शंकरन ने सिलिकॉन वैली का स्टार्टअप हब कहलाने वाले प्लग एंड प्ले मे एआई एंड ह्यूमन डेवलपमेंट : ए चैट विद राहुल गांधी विषय पर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम की मेजबानी की। उन्होने बताया कि कार्यक्रम के दौरान राहुल ने दर्शकों से कहा कि वह बैंकिंग सहित अन्य क्षेत्रो मे प्रौद्योगिकी को अपनाने के मामले मे अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का अनुकरण करने की कोशिश करते है। शंकरन के मुताबिक, राहुल गांधी यह समझने की कोशिश कर रहे है कि अगर वह अपने दृष्टिकोण के जरिए भारत के प्रधानमंत्री बनते है, तो नवाचार के माध्यम से वृद्धि और विकास को कैसे और बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होने कहा कि राहुल ने यह भी संकेत दिया कि वह प्रौद्योगिकी पर प्रतिबंध लगाने के बजाय उसे विनियमित करने के पक्ष मे है। शंकरन ने कहा, प्रौद्योगिकी को प्रतिबंधित नहीं, विनियमित करने की आवश्यकता होती है।

चीन में पहाड़ ढहने से 14 लोगों की मौत, पांच लोग लापता

बीजिंग। चीन के सिचुआन प्रांत में रविवार को एक पहाड़ ढह जाने से कम से कम 14 लोगो की मौत हो गई जबकि पांच अन्य लापता है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सिचुआन प्रांत के लेशान शहर में सुबह करीब छह बजे हुई। अधिकारियों को भूस्खलन की सूचना प्राप्त होते ही बचावकर्मियों की एक बड़ी टीम को वहां भेज दिया गया। चीन के जनसंपर्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पहाड़ ढहने की घटना लेशान शहर की है। अब तक 14 लोगो की मौत हुई है जबकि पांच अन्य लापता है। बचाव अभियान जारी है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, 180 बचावकर्मियो की टीम लापता लोगो की तलाश में जुटी है।

यौन हमला करने के आरोप में भारतीय मूल के पिता-पुत्र गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा मे भारतीय मूल के एक व्यक्ति और उसके बेटे को कई लड़कियों का महीनो तक शोषण करने एवं उनसे जबरन वसूली के आरोप मे गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय पुलिस ने एक बयान मे बताया कि अप्रैल मे लापता हो गई 13 वर्षीय एक लड़की की तलाश के सिलसिले में हुई जांच के बाद गुरप्रताप सिंह वालिया (56) और उसके बेटे सुम्रित वालिया (24) को गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि लड़की ने मिलने के बाद बताया कि उसके सुम्रित के साथ संबंध थे तथा सुम्रित उसे सेक्स के बदले कथित रूप से मादक पदार्थ देता था। पिता-पुत्र की शराब की एक दुकान थी जहां लड़कियों का उत्पीड़न किया गया। जांच के दौरान जांच अधिकारियों को पता चला कि पिता-पुत्र किशोरियो को मादक पदार्थ और शराब देते थे और फिर उन लड़कियो का यौन उत्पीड़न किया जाता था। समझा जाता है कि ए घटनाएं दिसंबर 2022 से मई 2023 के बीच हुईं। पुलिस ने एक जून को दोनो संदिग्धो को गिरफ्तार किया। उनके घर की तलाशी लेने पर 97,500 अमेरिकी डॉलर मूल्य का 975 ग्राम कोकिन और सात हथियार मिले। तलाशी के दौरान एक कंप्यूटर मे बाल पोर्नोग्राफी (अश्लील सामग्री) भी मिली। सुम्रित और उसके पिता को

ब्रिटेन में भारतीय मूल के व्यक्ति को धोखाधड़ी के जुर्म में तीन साल की कैद

लंदन। ब्रिटेन मे भारतीय मूल के एक व्यक्ति को संपत्ति खरीदने मे लोगो की मदद करने के नाम पर करीब 16,000 पाउंड की धोखाधड़ी करने के जुर्म मे तीन साल कैद की सज़ा सुनाई गई है। स्कॉटलैंड यार्ड के मुताबिक, जसपाल सिंह जुट्टला (64) ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और उसके शिकार लोगों में ज्यादातर भारतीय मूल के लोग है। लंदन की आइलवर्थ क्राउन अदालत ने जुट्टला को बृहस्पतिवार को धोखाधड़ी करने के जुर्म में सज़ा सुनाई। मेट्रोपोलिटन पुलिस ने एक बयान मे कहा कि अपराध मई 2019 से जनवरी 2021 के बीच हुआ था और जुट्टला ने पिछले साल अगस्त मे अक्सब्रिज मजिस्ट्रेट अदालत में पहले की सुनवाई मे अपना जुर्म कबूल किया था।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Hema Bhargava W/o Shri Vineet Bhargava R/o 5-A, Pocket-3, Mayur Vihar Phase-1, Delhi-110091 have changed my name Hema Salhotra to Hema Bhargava for all future purposes.

PD(053)C

सिलिकॉन वैली की स्टार्टअप कंपनी के प्रमुख ने कहा भारत के पास है अविश्वसनीय इंजीनियरिंग शक्ति

भाषा। सिलिकॉन वैली

सिलिकॉन वैली स्थित एक प्रमुख स्टार्टअप के प्रमुख ने भारत को एक अविश्वसनीय इंजीनियरिंग शक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि अगर देश इस क्षमता को पहचान ले, तो वहां गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दुनिया की कुछ बेहतरीन कंपनियां पैदा हो सकती हैं। प्लग एंड प्ले के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सईद अमीदी ने कहा कि भारतीय लोग अत्यधिक प्रतिभाशाली और स्मार्ट हैं, यही वजह है कि 50 प्रतिशत स्टार्टअप के संस्थापक भारत से हैं। प्ल एंड प्ले निवेशकों, स्टार्टअप और दुनिया के बड़े कंपनियों को आपस में जोड़ने का काम करता है। उन्होंने कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि इस इमारत में जो स्टार्टअप हैं, या जो प्लग एंड प्ले से जुड़े हैं या जिनमें हम निवेश करते हैं, उनमें से 50 प्रतिशत भारत से हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में प्लग एंड प्ले ने एआई और अन्य संबंधित तकनीकों पर एक संवाद सत्र के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मेजबानी की थी। एक सवाल के जवाब में सईद ने कहा कि उनके शोध के मुताबिक भारत एक अविश्वसनीय इंजीनियरिंग शक्ति है। उन्होंने कहा, अगर मैं गलत नहीं हूं, तो सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में हर साल करीब 40 लाख नए स्नातक तैयार होते हैं। मुझे लगता है कि भारत में आपके पास यही शक्ति है। अगर हम इस ताकत का इस्तेमाल करें, तो गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दुनिया की कुछ बेहतरीन कंपनियां भारत में पैदा होंगी।

भारत, सऊदी अरब के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में कई समानताएंः शहजादा अल-सऊद

भाषा। पणजी

सऊदी अरब के शहजादे फहद बिन मंसूर अल–सऊद ने रविवार को कहा कि भारत और उनके देश के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्रों में कई समानताएं हैं, जिनसे कई अवसर पैदा हो सकते हैं। रविवार को यहां संपन्न हुई जी20 देशों के स्टार्टअप20 सहभागिता समूह की बैठक के मौके पर अल–सऊद ने पीटीआई–भाषा को बताया कि कार्यक्रम में शामिल सभी देशों को इसमें पारित हुईं सिफारिशों पर काम करना चाहिए। शनिवार को शुरू हुई इस बैठक में 15 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।द ने कहा, सऊदी अरब और भारत जी20 में दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों देशों के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में कई समानताएं हैं और हम कई तरह के अवसर तलाश सकते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत से 20 उद्यमियों का प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब पहुंचा है और उन्हें गठजोड़ के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिया गया है। अल–सऊद ने कहा कि वह अपने देश की फर्मों के साथ स्टार्टअप20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दोबारा भारत आएंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी यात्राओं को वास्तविक व्यापार अवसरों में बदला जा सके।

अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने बिताने के बाद धरती पर सकुशल लौटे चीनी अंतरिक्ष यात्री

भाषा। बीजिंग

चीन का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने का छह महीने लंबा मिशन पूरा करने के बाद तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री शेनझोउ–15 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान के जरिए रविवार को धरती पर सकुशल लौट आए। चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएमएसए) ने बताया कि अंतरिक्ष यात्रियों–फेई जुनलोंग, डेंग क्विंगमिंग और झांग लू को लेकर शेनझोउ–15 सुबह छह बजकर 33 मिनट (बीजिंग के समयानुसार) पर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र स्थित डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर उतरा। सीएमएसए ने घोषणा की कि जुनलोंग, क्विंगमिंग और लू ने छह महीने का अंतरिक्ष स्टेशन अभियान पूरा किया। एजेंसी ने घोषणा की कि अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य ठीक है और शेनझोउ–15 मानवयुक्त मिशन सफल रहा। इससे पहले, 30 मई को एक असैन्य नागरिक समेत तीन अंतरिक्ष यात्रियों को जुनलोंग, क्विंगमिंग और लू की जगह लेने के लिए चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा गया था। अंतरिक्ष यात्रियों का यह नया दल पांच महीने तक अंतरिक्ष स्टेशन में रहेगा। यदि यह स्टेशन तैयार हो जाता है, तो चीन एकमात्र ऐसा देश होगा, जिसका अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा, क्योंकि रूस का जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) है वह कई देशों की एक सहयोगात्मक परियोजना है। आईएसएस 2030 तक सेवा से बाहर हो जाएगा। चीन के अंतरिक्ष स्टेशन की सबसे बड़ी खासियत उसकी दो रोबोटिक भुजाएं हैं। इनमें से भी लंबी भुजा अधिक अहम है, जो अंतरिक्ष से उपग्रहों समेत वस्तुओं को पकड़ सकती है। धरती पर लौटने के बाद तीनों अंतरिक्ष यात्री बाद में विमान से बीजिंग पहुंचे। मिशन कमांडर फेई ने कहा, हमने सभी निर्धारित काम पूरे कर लिए। हमें अपनी मातृभूमि पर लौटकर बहुत अच्छा लग रहा है। शिन्हुआ के अनुसार अंतरिक्ष स्टेशन में रहने के दौरान ए तीनों अंतरिक्ष यात्री देश की स्वविकसित दो फोटोन माइक्रोस्कोप की मदद से अपनी त्वचा कोशिकाओं का संरचनात्मक फोटो लेने में सफल रहे। दुनिया में अपने तरह की यह पहली उपलब्ध है।

अमेरिका, सऊदी अरब की सूडान के संघर्षरत पक्षों से नए संघर्षविराम पर सहमत होने की अपील

काहिरा। सऊदी अरब और अमेरिका ने रविवार को एक बयान जारी कर सूडान के संघर्षरत पक्षों से पूर्वोत्तर अफ्रीकी देश में नए सिरे से संघर्षविराम के लिए सहमत होने और उसे प्रभावी रूप से लागू करने का आग्रह किया।सूडान में अप्रैल के मध्य में जनरल अब्दुल–फतह बुरहान के नेतृत्व वाली सेना और जनरल मोहम्मद हमदान डागलो के नेतृत्व वाले अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद अराजकता फैली हुई है।सऊदी अरब और अमेरिका संघर्षरत पक्षों के बीच कई हफ्तों से मध्यस्थता कर रहे हैं। 21 मई को, दोनों देशों ने संघर्ष प्रभावित देश को अति आवश्यक मानवीय सहायता प्रदान करने में मदद करने के लिए एक अस्थाई संघर्षविराम समझौते की सफलतापूर्वक मध्यस्थता की। हालांकि, उनके प्रयासों को तब झटका लगा जब बुधवार को सेना ने घोषणा की कि वह अब सऊदी अरब के तटीय शहर जेद्दा में आयोजित संघर्षविराम वार्ता में भाग नहीं लेगी।सेना के फैसले के बाद, अमेरिका और सऊदी अरब ने कहा कि वे लघु अवधि के संघर्षविराम के बार–बार गंभीर उल्लंघन के परिणामस्वरूप वार्ता को निलंबित कर रहे हैं।राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने सेना और आरएसएफ द्वारा संचालित प्रमुख सूडानी रक्षा कंपनियों और सूडान में हिंसा को बढ़ावा देने वाले लोगों के खिलाफ प्रतिबंध लगाए।वाशिंगटन और रियाद ने रविवार को अपने बयान में कहा कि वे जेद्दा में मौजूद सेना और आरएसएफ के प्रतिनिधियों को शामिल करना जारी रखेंगे।दोनों देशों ने सूडान के संघर्षरत पक्षों से आग्रह किया कि वे नवीनतम संघर्ष विराम के शनिवार देर रात समाप्त होने के बाद एक नया संघर्ष विराम लागू करें। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य अंततः संघर्षरत देश में शत्रुता को स्थाई रूप से समाप्त करना है। सूडान में इस संघर्ष के चलते 16.5 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

अफ्रीका के सफेद गैंडों की आधी आबादी निजी मालिकों के हाथों में

भाषा। स्टेलनबोशा–हेलसिंकी

दक्षिणी सफेद गैंडों को व्यापक रूप से संरक्षण की सफलता की कहानी के रूप में जाना जाता है। 1920 के दशक में उनकी आबादी 100 से भी कम थी, जो 2012 में बढ़कर 20,000 हो गई। इनमें से ज्यादातर गेंडे दक्षिण अफ्रीका में हैं। इस सफलता का श्रेय संरक्षण के प्रयासों में आंशिक रूप से निजी क्षेत्र को शामिल किए जाने के फैसले को जाता है, जिसकी शुरुआत 1960 के दशक में हुई थी, जब सफेद गैंडों को लुहलुवे–इंफोलॉजी पार्क में उनके आखिरी निवास स्थल से निकाला गया था और अन्य सरकारी अभयारण्यों के साथ–साथ निजी भूमि पर भी रखा गया था।वर्ष 1991 में गेम थेफ्ट एक्ट में गैंडों के निजी स्वामित्व और इस्तेमाल से जुड़ी शर्तों को औपचारिक रूप दिया गया। उस समय अवैध शिकार के मामले बेहद कम थे और पर्यावरणीय पर्यटकों (इको टूरिस्ट) तथा ट्रॉफी हंटर (खेल गतिविधि के रूप में जंगली जीवों का शिकार करने और उनके अंगों को घर में ट्रॉफी के रूप में सजाने वाले शिकारी) के बीच गैंडों की बढ़ती मांग ने निजी भूस्वामियों को अपने यहां गैंडों की आबादी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, हमारे हालिया अध्ययनों से पता चलता है कि आज निजी भूस्वामी दक्षिण अफ्रीका के सफेद गैंडों की आधी से अधिक आबादी का संरक्षण करते हैं। जिम्बाब्वे और नामीबिया के सफेद गैंडों की 75 प्रतिशत से अधिक आबादी का संरक्षण निजी जमीन पर किया जाता है। दक्षिण अफ्रीका में एक दशक पहले 20 लाख हेक्टेयर में फैले क्रुगर राष्ट्रीय उद्यान में दुनिया के 20,000 सफेद गैंड़ों की आधी से अधिक आबादी रहती थी। क्रुगर में अकेले 2020 में अवैध शिकार के कारण सफदे गैंडों की आबादी छह प्रतिशत तक कम हो गई। लुहलुवे–इंफोलॉजी पार्क में भी इन जीवों की आबादी में इतनी ही गिरावट दर्ज की गई है। इस बीच, 2020 में दक्षिण अफ्रीका में निजी भूमि पर अवैध शिकार के कारण महज 0.5 फीसदी सफेद गैंडों की मौत हुई। ऐसा संभवतः इसलिए हुआ कि छोटी निजी संपत्तियों की देखभाल करना अधिक आसान होता है और निजी मालिकों ने 2017 में एक सफेद गैंडे पर 2,200 डॉलर खर्च किए, जबकि दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय उद्यानों ने 520 डॉलर खर्च किए। हालांकि, सुरक्षा पर भारी–भरकम खर्च ने भले ही अवैध शिकार के जोखिम को घटा दिया है, लेकिन इसने गैंडों के स्वामित्व से होने वाले लाभ को भी कम कर दिया है। गैंडों के मालिकों के लिए इन जीवों को अवैध शिकार से बचाने की बढ़ती लागत को वहन करना मुश्किल होता जा रहा है। इस बात के प्रमाण बढ़ रहे हैं कि वन्यजीव आबादी मिट्टी में कार्बन के स्तर को बढ़ा सकती है। ऐसे में सरकार गैंडा मालिकों को प्रोत्साहन राशि देने के साथ ही कर में छूट के जरिए गैंडा संरक्षकों की भूमिका का समर्थन कर सकती है। दक्षिण अफ्रीका जैवविविधता कर प्रोत्साहन प्रणाली लागू करने के मामले में अग्रणी है। हालांकि, यह प्रणाली केवल उन भूस्वामियों के लिए उपलब्ध है, जो औपचारिक रूप से अपनी जमीन को संरक्षित क्षेत्र घोषित करते हैं। गैंडों के संरक्षण के लिए वक्त निकलता जा रहा है। उन्हें बचाने में मदद करने के लिए अधिक समावेशी, न्यायसंगत और नवोन्मेषी समाधानों की आवश्यकता है।

सदमे में हैं ओडिशा ट्रेन हादसे में जीवित बचे लोग

भाषा। चेन्नई

ओडिशा में हुए रेल हादसे में जीवित बचे कई लोग विशेष ट्रेन से रविवार को यहां पहुंचे। उनके चेहरों से साफ जाहिर हो रहा था कि वे सदमे में हैं और उनके जल्दी इससे उबरने के आसार भी नहीं हैं। केरल की रहने वाली एक महिला ने कहा कि उन्होंने सिर्फ टेलीविज़न पर हादसों को देखा था और जब खुद इसका सामना किया तो वह बुरी तरह डर गई हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, यात्रियों को दी जाने वाली चादरों का इस्तेमाल घायलों को ले जाने के लिए किया गया। चादरें उनके खून से लाल हो गईं। बहुत डरावना मंजर था। महिला ने कहा कि सामान्य बोगी क्षमता से काफी अधिक खचा-खच भरी हुई थी। हादसे और लंबी यात्रा से थके एक शख्स ने कहा कि खून, यहां-वहां पड़े लोगों के अंगों और शवों को देखना पीड़ादायक था। दुर्घटना में जख्मी हुए अन्य मुसाफिर ने कहा, मैं बोगी एस-। में सो रहा था। अचानक से मैंने धमाके की आवाज़ सुनी। इससे पहले मैं कुछ समझ पाता कि क्या हुआ है एक रॉड जैसी कोई चीज़ मेरी पसलियों के पास लगी और मैं करीब-करीब बेहोश हो गया। उन्हें स्वास्थ्य कर्मी व्हीलचेयर पर राजीव गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज ले गए। तमिलनाडु के सेलम के रहने वाले सैनिक कनगराज चेन्नई आ रही ट्रेन में सवार थे। उन्होंने कहा कि चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से बोगियां अलग हो गईं, कुछ एक तरफ गिरी और कुछ अन्य कोचों पर जा गिरी। उन्होंने बताया कि जब बोगी हिली तो कुछ लोग एक के बाद एक उनके हाथ पर गिर पड़े। उन्होंने जितना संभव हो सका, उतने लोगों को बचाया, खासकर बच्चों को बचाया। ओडिशा में ट्रेन हादसे के 137 यात्री भद्रक से विशेष ट्रेन से यहां पहुंचे। सभी बुरी तरह थके हुए और सदमे में हैं। प्रणव विनेश ने बताया कि वह ट्रेन में सवार थे और खिड़की के शीशे टूट कर यात्रियों की कमर में घुस गए जिससे कई लोग जख्मी हुए। उन्होंने कहा कि वह किसी तरह से खिड़की के रास्ते ट्रेन से बाहर निकले।

ओडिशा के बालासोर में हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना के बाद रेल पटरियों को सही करने का कार्य दिन-रात किया जा रहा है

कोरोमंडल एक्सप्रेस की रफ्तार निर्धारित गति से तेज नहीं थी : रेलवे

नई दिल्ली। रेलवे ने रविवार को कहा कि ओडिशा के बालासोर जिले में दुर्घटना की शिकार हुई कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन की रफ्तार निर्धारित गति से तेज नहीं थी और उसे लूप लाइन में दाखिल होने के लिए ग्रीन सिग्नल मिला था। रेलवे के इस बयान को ट्रेन चालक के लिए, एक तरह से क्लीन चिट के तौर पर देखा जा रहा है। इस दुर्घटना में कम से कम 288 लोगों की मौत हुई है रेलवे बोर्ड के दो प्रमुख अधिकारियों सिग्नल संबंधी प्रधान कार्यकारी निदेशक संदीप माथुर और संचालन सदस्य जया वर्मा सिन्हा ने बताया कि दुर्घटना किस तरह हुई होगी। उन्होंने इंटरलॉकिंग सिस्टम के कामकाज के बारे में बताया। सिन्हा ने कहा कि कोरोमंडल एक्सप्रेस की दिशा, मार्ग और सिग्नल तय कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ग्रीन सिग्नल का मतलब है कि हर तरह से चालक जानता है कि उसका आगे का रास्ता साफ है और वह निर्धारित अधिकतम गति से ट्रेन चला सकता है। इस खंड पर निर्धारित गति 130 किलोमीटर प्रति घंटा थी और वह 128 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से अपनी ट्रेन चला रहा था। हमने लोको लॉग से इसकी पुष्टि की है। बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी शुक्रवार शाम लगभग सात बजे ओडिशा के बालासोर में बाहानगा बाजार स्टेशन के निकट आपस में भिड़ गई थीं। अधिकारियों ने कहा कि बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन 126 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। सिन्हा ने कहा, दोनों रेलगाड़ियों की रफ्तार निर्धारित गति से तेज होने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा, दुर्घटना केवल एक ट्रेन के कारण हुई, वह कोरोमंडल एक्सप्रेस थी। कोरोमंडल एक्सप्रेस मालगाड़ी से टकरा गई और उसके डिब्बे मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गए। यह ट्रेन लौह अयस्क से लदी हुई थी। माथुर ने दुर्घटना का संभावित कारण बताते हुए कहा कि अगर ट्रेन को लूप लाइन पर ले जाना होता है तो प्वाइंट मशीन को संचालित करना होता है।उन्होंने कहा, हमें यह देखना होगा कि आगे का ट्रैक खाली था या नहीं। सिग्नल को इस तरह से इंटरलॉक किया जाता है कि यह पता चल सके लाइन पर आगे कुछ है या नहीं।

आंध्र प्रदेश के 700 से अधिक यात्री बाल-बाल बचे, एक की मौत

विशाखापत्तनम। ओडिशा में हुई भीषण रेल दुर्घटना में आंध्र प्रदेश के एक व्यक्ति की मौत हुई है और 22 लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि राज्य के लगभग 700 यात्री बाल-बाल बच गए हैं। आंध्र प्रदेश के एक मंत्री ने रविवार को यह जानकारी दी। शिक्षा मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने पहचान की है कि हादसे का शिकार हुई दो ट्रेन शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस और एसएमवीटी बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में राज्य के695 यात्री सवार थे। मंत्री के मुताबिक, दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति की पहचान गुरुमूर्ति के रूप में की गई है, जो श्रीकाकुलम जिले के सोथाबोम्मली गांव का रहने वाला था। राज्य सरकार की ओर से जारी एक वीडियो लिंक में सत्यनारायण ने कहा, वह (गुरुमूर्ति) ओडिशा में काम करते थे और सेवानिवृत्ति के बाद अपनी पेंशन लेने के लिए वहां गए थे, तभी यह दुर्घटना हुई। उनके परिवार के सदस्य वहीं थे और कल शनिवार को शव का दाह संस्कार किया गया था। मंत्री के अनुसार, आंध्र प्रदेश के 480 लोग कोरोमंडल एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे और 211 अन्य ट्रेन में थे, जिनमें से 107 तिरुपति में उतर गए थे। सत्यनारायण ने बताया कि पूछताछ करने पर पता चला कि जीवित बचे लोगों में से 553 लोगों को किसी प्रकार की कोई चोट नही लगी है और वे अपने घरों को लौट गए है। हालांकि, बचे हुए 22 लोगों को मामूली चोटें आई है, जिनमें से एक को सिर में गंभीर चोट लगी थी, जबकि 28 यात्रियों का पता लगाने के प्रयास जारी है, जिनसे संपर्क नही हो सका। उन्होंने कहा कि सरकार ने आपदा प्रबंधन और पुलिस विभागों के अधिकारियों को इन 28 लोगों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें उनके फोन का पता लगाने और उनके घरों में जाने की कोशिश करना शामिल है। सत्यनारायण ने कहा कि घायलों में से विशाखापत्तनम के अस्पतालों में पांच का इलाज चल रहा है, चार लोग अस्पताल में आ रहे है, जबकि 11 लोग जांच कराने के बाद घर लौट गए है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने अधिकारियों को मृतकों के लिए 10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों के लिए दो लाख रुपए और मामूली रूप से घायलों के लिए एक लाख रुपए की आपातकालीन अनुग्रह राशि देने का निर्देश दिया है।

पुलिस ने सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा करने की कोशिश करने वालों को चेतावनी दी

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस ने रविवार को समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे बालासोर ट्रेन हादसे को सांप्रदायिक रंग देने वाली अफवाहों को फैलाने से बचें। पुलिस ने यह भी कहा कि अफवाह फैलाकर सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्वाई की जाएगी। ओडिशा पुलिस ने ट्विटर पर कहा, "यह देखने में आया है कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल शरारती तरीके से बालासोर में हुए दुखद ट्रेन हादसे को सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसने कहा, हम सभी से अपील करते हैं कि वे इस तरह के झूठे और दुर्भावनापूर्ण पोस्ट को प्रसारित करने से बचें। अफवाहें फैलाकर सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्वाई शुरू की जाएगी। सोशल मीडिया संदेशों में कुछ ऐसे संदेश भी दिखे जिनमें घटनास्थल के पास स्थित एक ढांचे को एक विशेष समुदाय से जोड़ा गया, जिसकी कई अन्य लोगों ने निंदा की है।

एनडीआरएफ के जवान ने सबसे पहले किया था सतर्क

भुवनेश्वर। कोरोमंडल एक्सप्रेस में सवार राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक जवान शायद पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने शुरुआती बचाव प्रयासों में शामिल होने से पहले ओडिशा के बालासोर में हुए ट्रेन हादसे के बारे में आपातकालीन सेवाओं को सतर्क किया था। एनडीआरएफ के जवान वेंकटेश एन. के. छुट्टी पर थे और पश्चिम बंगाल के हावड़ा से तमिलनाडु की यात्रा कर रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि वह बाल-बाल बच गए क्योंकि जिस डिब्बे बी-7 में वह सवार थे, वह पटरी से उतर गया था लेकिन आगे के डिब्बों से नहीं टकराया। कोलकाता में एनडीआरएफ की दूसरी बटालियन के साथ तैनात 39 वर्षीय जवान ने सबसे पहले बटालियन में अपने वरिष्ठ निरीक्षक को फोन करके दुर्घटना की जानकारी दी। उसके बाद उन्होंने व्हाट्सएप पर घटनास्थल की लाइव लोकेशन एनडीआरएफ नियंत्रण कक्ष को भेजी।

और इसका इस्तेमाल पहले बचाव दल

क्विक न्यूज

राजस्थान में महिला ने चार बच्चों की हत्या कर खुद को फांसी लगाई

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले के मंडली थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक महिला ने कथित तौर पर अपने चार बच्चों की हत्या कर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि महिला ने पहले अपने चारों बच्चों को कथित तौर पर अनाज के ड्रम में डालकर उसका ढक्कन बंद कर दिया और फिर खुद फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि पांचों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है। मंडली थानाधिकारी कमलेश ने बताया कि बानियावास गांव की रहने वाली उर्मिला (27) ने अपने चार बच्चों भावना (8), विक्रम (5), विमला (3) और मनीषा (2) को कथित तौर पर अनाज के ड्रम में डालकर बाहर से ढक्कन बंद कर दिया और फिर खुद फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। थानाधिकारी के मुताबिक, घटना के समय महिला का पति जेठाराम मजदूरी के लिए बालेसर (जोधपुर) गया हुआ था। उन्होंने बताया कि जब शाम के समय में उर्मिला और उसके बच्चे नही दिखे, तो पास में रह रहे जेठाराम के रिश्तेदार उसके घर पहुंचे। थानाधिकारी के अनुसार, रिश्तेदारों ने उर्मिला को फांसी के फंदे से झूलता देखा और उन्होंने जब बच्चों की तलाश की, तो वे ड्रम के अंदर मिले। इसके बाद, रिश्तेदारों ने पुलिस को मामले की सूचना दी। थानाधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह पति-पत्नी के बीच अनबन के चलते महिला द्वारा अपने बच्चों की हत्या के बाद आत्महत्या करने का मामला प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि महिला के घरवालों को घटना की सूचना दे दी गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माली समाज ने विभिन्न मांगों को लेकर जयपुर में महापंचायत आयोजित की

जयपुर। राजस्थान के माली समाज ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने और 12 फीसदी आरक्षण सहित विभिन्न मांगों को लेकर रविवार को जयपुर में एक महापंचायत का आयोजन किया। जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम मे आयोजित इस महापंचायत मे कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने भी भाग लिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।महापंचायत में विभिन्न मांगो को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमे महात्मा ज्योतिबा राव फुले और सावित्री बाई फुले को भारत रत्न से सम्मानित करने, सैनी, माली, कुशवाहा, शाक्य, मौर्य, सुमन, वनमाली, भोई माली समुदाय को उनके आर्थिक और सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर 12 प्रतिशत आरक्षण देने, विधानसभा चुनाव मे राष्ट्रीय दलो से प्रत्एक जिले मे कम से कम एक टिकट की मांग शामिल है।केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2018 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में कुल 200 सीटों में से इस समाज को भाजपा से छह टिकट मिले थे और कांग्रेस से चार टिकट मिले थे। उन्होंने विश्वास जताया कि अगर समाज एकजुट रहा तो इस बार उन्हें कम से कम 20-20 टिकट मिलेंगे।उन्होंने कहा, 2023 का विधानसभा चुनाव और 2024 का लोकसभा चुनाव आप सबके सामने है और अगर इन चुनाव में आप अपनी एकजुटता स्थानीय स्तर पर दिखाएंगे...अपने बीच में से मजबूत नेतृत्व खडा करने करेंगे तो सफलता आपके चरण चूमेगी। मौर्य के भाषण के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थकों ने गहलोत जिंदाबाद के नारे लगाए। गहलोत समर्थकों की नारेबाजी के कारण मौर्य को अपना भाषण कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बिना कोई भाषण दिए ही चले गए।मौर्य ने कहा, मै आप सबको भरोसा दिलाने आया हूं कि चाहे आरक्षण का मामला हो, राजनीतिक हिस्सेदारी का मामला हो या महात्मा ज्योतिबा फुले, माता सावित्री बाई फुले के सम्मान का मामला हो... तमाम मांगो को मै राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती के साथ रखने का प्रयास करूंगा। राज्यसभा सदस्य राजेंद्र गहलोत ने कहा ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी में समुदाय की आबादी सबसे अधिक है। हमारी मांग है कि भारत सरकार की तरह राज्य सरकार भी राजस्थान में ओबीसी कोटा बढ़ाकर 27 फीसदी करे। उन्होने पिछले चार साल से रिक्त ओबीसी आयोग का अध्यक्ष नियुक्त करने की भी मांग की। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री के पुत्र और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत ने ज्योतिबा फुले और सावित्री फुले के सामाजिक योगदान की चर्चा की। उन्होने कहा, माली समाज के आशीर्वाद से उनके पिता अशोक गहलोत को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला और उन्होंने (अशोक गहलोत ने) अपने तीनो कार्यकाल में इस बात का ध्यान रखा कि प्रदेश के गरीब, दलित और पिछडे लोगों को

उचित कपड़े नहीं पहनने वाले नहीं कर पाएंगे उत्तराखंड के मंदिरों में प्रवेश

हरिद्वार (उत्तराखंड)। उत्तराखंड के हरिद्वार, ऋषिकेश और देहरादून जिलों में मंदिर प्रशासकों ने उचित वस्त्र नही पहनने वालों के मंदिरों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। महानिर्वाणी पंचायती अखाड़ा के सचिव महंत रविन्द पुरी ने रविवार को कहा कि दक्ष प्रजापति मंदिर (हरिद्वार), टपकेश्वर महादेव मंदिर (देहरादून) और नीलकंठ महादेव मंदिर (ऋषिकेश) में छोटे कपड़े पहने महिलाओंपुरुषों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पुरी ने कहा कि ऐसी महिलाओं को ही मंदिरों मे प्रवेश की अनुमति होगी जिन्होंने 80 प्रतिशत तक शरीर ढंकने वाले कपड़े पहने हो। उन्होने कहा कि महानिर्वाणी पंचायती अखाड़ा से जुड़े इन मंदिरों में यह प्रतिबंध तत्काल प्रभावी होगा। महानिर्वाणी पंचायती अखाड़ा दशनाम नागा संतो से संबंधित है। पुरी ने कहा कि जल्दी ही यह प्रतिबंध देश भर मे अखाड़े से जुड़े मंदिरों मे लागू किया जाएगा। प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता के संबंध मे प्रश्न करने पर पुरी ने कहा, कभी-कभी, मंदिर आने वाले व्यक्तियों के कपड़े इतने छोटे होते है कि दूसरे लोगों को उन्हे देखकर शर्म आती है। उन्होने कहा, हरिद्वार के कनखल में स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर- जिसे दक्ष प्रजापति मंदिर भी कहा जाता है, को भगवान शिव का ससुराल माना जाता है। दुनिया भर के लोग इस मंदिर मे दर्शन के लिए आते है। पुरी ने कहा, प्रत्एक सोमवार को मंदिर मे श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। आज के युवा, मंदिरों मे ऐसे कपड़े पहन कर आते है जो शुचिता के प्रति उनकी उपेक्षा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे वस्त्रों से श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचती है और वे अक्सर मंदिर समिति से इसकी शिकायत करते है। उन्होने कहा कि लगातार मिल रही शिकायतो के आधार पर यह प्रतिबंध लगाया गया है और प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालो से सख्ती से निपटा जाएगा।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर अमृतसर में सुरक्षा कड़ी

अमृतसर, चंडीगढ़ (भाषा)। पंजाब के अमृतसर में, छह जून को ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वी बरसी से पहले सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने रविवार को अमृतसर में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। ऑपरेशन ब्लू स्टार सेना का अभियान था, जिसे जून 1984 में स्वर्ण मंदिर से उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए चलाया गया था। शुक्ला ने कहा, आंतरिक और बाहरी क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा गश्त बढ़ाकर सुरक्षा के कड़े उपाय किए गए है। पुलिस ने कहा कि चौबीसों घंटे निगरानी के लिए 68 चौकियां स्थापित की गई है, जबकि शहर के भीड़भाड़ वाले इलाको मे कई गश्ती दल तैनात किए गए है। शुक्ला ने लोगो से सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाहो पर विश्वास न करने की मीडिया के माध्यम से अपील की। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चिरंजीवी ने अपने बारे में सोशल मीडिया की खबरों की आलोचना की

हैदराबाद। अभिनेता चिरंजीवी ने एक सामान्य सर्जरी से जुड़ी उनकी हालिया टिप्पणी को तोड़ मरोड़ कर पेश कर उनके स्वास्थ्य के बारे में सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रम पैदा करने वाली खबरों की आलोचना की है। तेलुगू सिनेमा के दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी ने हाल मे एक कैंसर केयर सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर कहा था कि नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराने की वजह से वह कैंसर से ग्रसित होने से बच सके है। चिरंजीवी (67) ने शनिवार रात एक ट्वीट में कहा कि कुछ सोशल मीडिया मंच उनकी बात को सही तरह से नही समझ पाए और खबरे प्रकाशित कर दी, खबरों में कहा गया है कि मुझे कैंसर हुआ था और इलाज की वजह से मेरी जान बच गई। उन्होंने लिखा, मैंने कहा था कि नॉन-कैंसर पॉलीप्स (गांठ) का पता चला और उन्हे हटा दिया गया। मैने सिर्फ इतना कहा कि अगर मैने पहले जांच न कराई होती तो कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता। इसलिए सभी को सावधानी बरतनी चाहिए और स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा, कई शुभचिंतक मेरे स्वास्थ्य के बारे मे संदेश भेज रहे है। यह उन सभी के लिए स्पष्टीकरण है। यह पत्रकारों से अपील भी है। विषय को जाने बगैर आधारहीन बाते न लिखे। इसकी वजह से, कई लोग डर जाते है और आहत होते है।

केरल में मानसून तीन से चार दिन देरी से पहुंचेगा

नई दिल्ली। मानसून रविवार को केरल मे दस्तक देने वाला था लेकिन इसकी शुरुआत नही हुई और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इसमे तीन से चार दिन की और देरी होने की आशंका जताई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आम तौर पर एक जून को केरल में दस्तक देता है और इसकी शुरुआत सात दिन पहले या सात दिन बाद हो सकती है। मई के मध्य में, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा था कि मानसून 4 जून तक केरल मे दस्तक दे सकता है। आईएमडी ने रविवार को एक बयान में कहा, दक्षिण अरब सागर के ऊपर पश्चिमी हवाओं में वृद्धि के साथ स्थितियां अनुकूल हो रही है। साथ ही, पश्चिमी हवाओं की गहराई धीरे-धीरे बढ़ रही है और आज, 4 जून को पश्चिमी हवाओं की गहराई औसत समुद्र तल से 2.1 किलोमीटर ऊपर तक पहुंच गई। दक्षिणपूर्व अरब सागर पर बादल का द्रव्यमान भी बढ़ रहा है। उम्मीद है कि केरल में मानसून की शुरुआत के लिए इन अनुकूल परिस्थितियो में अगले तीन-चार दिनों के दौरान और सुधार होगा। वैज्ञानिकों ने कहा कि हालांकि, मानसून की शुरुआत में इस देरी से देश मे खरीफ की बुआई और कुल बारिश पर असर पड़ने की संभावना नही है। आईएमडी ने पहले कहा था कि अल नीनो की स्थिति विकसित होने के बावजूद दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम मे भारत में सामान्य बारिश होने की उम्मीद है। उत्तरपश्चिम भारत में सामान्य से लेकर सामान्य से कम बारिश होने की उम्मीद है।

महाकाल गलियारे में मूर्तियां गिरने की जांच को अदालत जाएगी कांग्रेस

भषा। भोपाल

उज्जैन के महाकाल लोक गलियारे में लगी सप्तऋषि की मूर्तियों में से छह मूर्तियां गिरने की घटना की न्यायिक जांच के लिए कांग्रेस मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा खखटाएगी। पार्टी के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के पास गलियारे में 28 मई को तेज हवाएं चलने के कारण सप्तऋषि की छह मूर्तियां गिर गई थीं। मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस के एक तकनीकी दल ने शनिवार को घटना की जांच शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने पीटीआईभाषा को बताया, हम उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए याचिका के साथ तैयार हैं। इसे वरिष्ठ अधिवक्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए भेजा गया है। पूरी संभावना है कि हम आने वाले सप्ताह में याचिका दायर कर देंगे। उन्होंने कहा कि वह वर्तमान न्यायाधीश से घटना की न्यायिक जांच का अनुरोध करेंगे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पार्टी प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार को निशाने पर लेगी। भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन्होंने तंज कसा कि इस सरकार ने भगवान को भी नहीं बख्शा है। नेता ने आरोप लगाया कि इस घटना से करोड़ों रुपए की लागत से बने गलियारे में मूर्तियों की स्थापना और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की बू आती है। गौरतलब है कि महाकाल लोक कॉरिडोर के पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल अक्टूबर में किया था। गलियारे के निर्माण की कुल लागत 856 करोड़ रुपए है, जिसमें पहले चरण में 351 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। गौरतलब है कि मूर्तियां गिरने की 28 मई को हुई घटना के बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस के प्रमुख कमलनाथ ने घटिया निर्माण की जांच की मांग की थी जबकि उनके सहयोगी अरुण यादव ने भाजपा सरकार को यह कहते हुए फटकार लगाई कि उसका भ्रष्टाचार भगवान को भी नहीं छोड़ रहा है। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने कांग्रेस द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार किया है और इस घटना के लिए तेज हवाओं को जिम्मेदार बताया। एक अधिकारी ने कहा कि मध्य प्रदेश लोकायुक्त (भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल) ने घटना पर स्वत: संज्ञान लिया है और अपनी तकनीकी शाखा से इसकी जांच करने को कहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल अक्टूबर महीने 900 मीटर लंबे "श्री महाकाल लोक" गलियारे के पहले चरण का लोकार्पण किया था। 900 मीटर से अधिक लंबा महाकाल लोक गलियारा पुरानी रुद्र सागर झील के चारों और फैला हुआ है। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के आसपास के क्षेत्र को पुनर्विकास करने की परियोजना के तहत रुद्र सागर ील को पुनर्जीवित किया गया है। गलियारे के लिए दो भव्य प्रवेश द्वार-नंदी द्वार और पिनाकी द्वार बनाए गए हैं। यह गलियारा मंदिर के प्रवेश द्वार तक जाता है तथा मार्ग में मनोरम दृश्य पेश करता है। महाकाल मंदिर के नवनिर्मित गलियारे में 108 स्तंभ बनाए गए हैं।

बोम्मई ने गोवध को लेकर कर्नाटक के पशुपालन मंत्री के बयान की निंदा की

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बसवराज बोम्मई ने राज्य के पशुपालन मंत्री के. वेंकटेश के इस बयान पर रविवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि जब भैंसों का वध किया जा सकता है तो गायों का क्यों नहीं। बोम्मई ने बयान की निंदा करते हुए कई ट्वीट किए। उन्होंने कहा कि भारतीय गायों से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और मां की तरह उनकी पूजा करते हैं। बोम्मई ने कहा, पशुपालन मंत्री के. वेंकटेश का बयान स्तब्धकारी है। हम उनके बयान की निंदा करते हैं। हम भारतीयों का गाय से भावनात्मक जुड़ाव है और हम गाय को माता के रूप में पूजते हैं। बोम्मई ने पूछा कि वेंकटेश किसे खुश करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री ने यह बयान अपना विभाग बदलवाने के लिए दिया या फिर कांग्रेस आलाकमान को खुश करने के लिए। भाजपा नेता ने कहा, "राष्ट्रपिता महात्मा गांधी गोवध पर प्रतिबंध की वकालत करने वाले पहले व्यक्ति थे। गोहत्या पर प्रतिबंध को महात्मा गांधी का समर्थन हासिल था और इसे 1960 के दशक में कई राज्यों में लागू किया गया था। बोम्मई के अनुसार, मंत्री के बयान से "राज्य में बड़े पैमाने पर गायों की तस्करी होगी और बूचड़खानों की संख्या बढ़ेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार अवैध बूचड़खानों को रोकने के लिए कानून लाई थी।

संजय पूरन सिंह चौहान की 72 हूरें सात जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

मुंबई। संजय पूरन सिंह चौहान द्वारा निर्देशित फीचर फिल्म 72 हूरें भारतीय सिनेमाघरों में सात जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने रविवार को यह जानकारी दी। फिल्म में अभिनेता पवन मल्होत्रा और आमिर बशीर ने अहम भूमिका निभाई है। यह फिल्म हिंसक चरमपंथ के परिणामों पर केंद्रित है। फिल्म का संपादन करने वाले संजय पूरन सिंह चौहान ने कहा कि फिल्म की कहानी बताती है कि किस तरह से लोगों को भड़काया जाता है और आतंकवाद के मूल कारणों को दूर करने की तत्काल आवश्यकता है। फिल्म के निर्माताओं ने एक बयान में कहा, अपराधियों द्वारा लोगों के दिमाग में जहर घोला जाता है, जो सामान्य व्यक्तियों को भी आत्मघाती हमलावरों में बदल देता है। हमें याद रखना चाहिए कि हमलावर खुद भी, हमारे जैसे परिवारों से होते हैं लेकिन वे आतंकवादियों के आकाओं की विकृत मान्यताओं और मानसिकता का शिकार हुए हैं। ए लोग 72 कुंवारी लड़कियों के विनाशकारी छलावे में फंस जाते हैं और अंत में एक भयावह नियति का सामना करते हैं। 72 हूरें फिल्म का 2019 में गोवा में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में प्रदर्शन किया गया था।

सफल हो रही राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना

भाषा। जयपुर

● ग्रामीण जनजीवन, संस्कृति विदेशों में भी हो रही लोकप्रिय

राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना के अंतर्गत ग्रामीण गेस्ट हाउस, कृषि पर्यटन इकाइयां, कैम्पिंग साइट और कैरावन पार्क की स्थापना से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। पर्यटन विभाग की निदेशक रश्मि शर्मा के अनुसार, इस योजना के चलते राज्य में अब ग्रामीण एक उद्यमी के रूप में भी अपनी पहचान बनाने में सफल हो सकेंगे। शर्मा के अनुसार, राजस्थान के किसान इस योजना के चलते कृषि जनित आय के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन एवं पर्यटन के माध्यम से रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने में कामयाब हो रहे हैं। शर्मा के अनुसार, अल्प समयावधि में राज्य में 35 से अधिक ग्रामीण पर्यटन इकाइयां पंजीकृत हो चुकी हैं और अधिकतर ने कार्य करना शुरू भी कर दिया है। इन ग्रामीण पर्यटन इकाइयों के कारण विदेशी मेहमान न सिर्फ राजस्थान के ग्रामीण जीवन को नजदीक से देख और समझ पा रहे हैं बल्कि ग्रामीण जीवन शैली को आत्मसात करते हुए ग्रामीण पर्यटन से भी जुड़ रहे हैं। शर्मा के अनुसार, राज्य सरकार ने राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना वर्ष 2022 में लागू की थी जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन को बढ़ाना देना, ग्रामीण जनजीवन, लोक कला व संस्कृति के साथ स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करते हुए रोजगार के अवसरों को सृजित करना है। शर्मा के अनुसार, योजना के तहत भूमि रूपांतरण के बिना ही भूमि का पर्यटन गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सकता है जिसका सीधा फायदा कृषि पर्यटन ईकाइ एवं ग्रामीणों को हो रहा है। इस योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में भी लोग पर्यटकों को अपने घर पर ठहरा सकते हैं। रिहायशी जमीन पर एक से पांच कमरों को होम स्टे और छह से दस कमरों को गेस्ट हाउस के रूप में संचालित किया जा सकता है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि पर अनुमोदित कृषि इकाई की स्थापना की जा सकती है, जो की न्यूनतम दो हजार वर्गमीटर और अधिकतम दो हेक्टेयर होनी चाहिए, जिसके दस प्रतिशत भू-भाग पर कुल नौ मीटर उंचाई में निर्मित भूतल के साथ एक मंजिला आवास में रहने और भोजन की व्यवस्था तथा शेष 90 प्रतिशत भाग का उपयोग कृषि व बागवानी कार्य, ऊंट फार्म, घोड़ा फार्म, पक्षी एवं पशुधन, फसल बोने, हस्तशिल्प, बगीचे आदि गतिविधियों द्वारा पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश का अनुभव देने के लिए किया जाएगा। योजना की खास बात यह भी है कि इसके जरिए ग्रामीण संस्कृति, हस्तशिल्प व खेलकूद का भी संरक्षण हो रहा है। जयपुर शहर के निकट आमेर तहसील का एक गांव बगवाड़ा में योगेंद्र सिंह बगवाड़ा, राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना के तहत बगवाड़ा हैरिटेज रिसॉर्ट संचालित कर रहे हैं। इस रिसॉर्ट को शुरू हुए कुछ ही महीने हुए हैं और यहां न्यूजीलैंड से एक परिवार आकर ठहरा और देसी पर्यटकों का रुख भी इस ग्रामीण पर्यटन इकाई की ओर हो रहा है। योगेंद्र सिंह का कहना है कि इस योजना के जरिए किसान अपनी खेती और खेत का संरक्षण करने में सफल हो रहे हैं और उन्हें यह आस भी बंध रही है कि इस योजना के कारण गांव से शहर की ओर पलायन रुकेगा। योगेंद्र सिंह के अनुसार खेत की ताजा सब्जियों के साथ खाना भी पर्यटकों के सामने पकाया जाता है।

जानी-मानी अभिनेत्री सुलोचना का निधन

मुंबई। मराठी और हिन्दी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री सुलोचना लाटकर का लंबी बीमारी के बाद यहां एक अस्पताल में रविवार को निधन हो गया। वह 94 वर्ष की थीं। सुलोचना के पोते पराग अजगावकर ने निधन की पुष्टि की। लाटकर ने 1940 के दशक में अपने करियर की शुरुआत की। सुलोचना की उल्लेखनीय फिल्मों में मराठी में सासुरवास , वहिनींच्या वांगडया , और धाकटी जाऊ तथा हिंदी में आए दिन बहार के, गोरा और काला, देवर, तलाश और आजाद शामिल हैं। उन्होंने 250 से अधिक हिंदी और मराठी फिल्मों में काम किया था। हिंदी फिल्मों में अदाकारा ने सुनील दत्त, देव आनंद, राजेश खन्ना, दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन सहित 1960, 1970 और 1980 के दशक के प्रमुख सितारों के लिए परदे पर मां की भूमिका निभाई।

भोपाल में एक कार्यक्रम में मप्र के सीएम शिवराज सिंह चौहान व उनकी पत्नी साधना सिंह

जोकोविच ने नडाल का रिकॉर्ड तोड़ा

17वीं बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में

भाषा। पेरिस

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने जॉन पॉल वेरिलस को हराकर रिकॉर्ड 17 वीं बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। जोकोविच ने इसके साथ ही उनके बराबर 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले राफेल नडाल के 16 बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के रिकॉर्ड तोड़ दिया। कूल्हे की चोट के कारण नडाल इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे है लेकिन फ्रेंच ओपन के अपने 16 क्वार्टर फाइनल अभियान में से वह 14 को खिताब में बदलने में सफल रहे है। रोलां गैरां के 2016 और 2021 के विजेता जोकोविच को अंतिम आठ में पहुंचने के लिए कोई पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने लगभग दो घंटे तक चले एकतरफा मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 94वें स्थान पर काबिज वेरिलस को 6-3, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी।इस दौरान सर्बिया के 36 साल के खिलाड़ी ने 35 विनर लगाए जबकि उनके खिलाफ सिर्फ 15 विनर लगे। जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 55वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे है और इस मामले में वह सिर्फ महान खिलाड़ी रोजर फेडरर (58 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल) से पीछे है। तीसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच के सामने 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव की चुनौती होगी। दोनों खिलाड़ियों के बीच नौ मुकाबलों में खाचानोव एक जीत दर्ज करने में सफल रहे है। खाचानोव ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में लोरेंजो सोनेगो।-6, 6-4, 7-6, 6-। से शिकस्त दी। महिलाओं के वर्ग में दो गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा और करोलिना मुचोवा क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। क्वार्टर फाइनल में दोनों खिलाड़ी एक दूसरे के आमने सामने होंगी।फ्रेंच ओपन 2021 की उपविजेता पाव्लुचेंकोवा ने 28वीं रैंकिंग की खिलाड़ी एलिस मर्टेंस को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। मुचोवा ने एलिना अवनेस्यान को 6-4, 6-4 से हराया।

युगल खिलाड़ी मियू काटो अनजाने में बॉल गर्ल को हिट करने के बाद डिस्क्वालीफाई हुई

पेरिस। जापान की युगल खिलाड़ी मियू काटो और उनकी जोड़ीदार को रविवार को गलती से एक बॉल गर्ल को गर्दन पर हिट करने के कारण फ्रेंच ओपन में अपने मैच से बाहर होने के बाध्य होना पड़ा। रोलां गैरां में कोर्ट 14 पर दूसरे सेट में काटो ने अपने रैकेट से शॉट लगाया और यह सीधे बॉल गर्ल की ओर गया जो खिलाड़ी की ओर नहीं देख रही थीं। पहले चेयर अंपायर एलेक्सांद्र जुगे ने काटो एक चेतावनी जारी की। लेकिन बाद में टूर्नामेंट के रैफरी रेमी अजेमार और ग्रैंडस्लैम सुपरवाइजर वेन मैकवेन कोर्ट पर देखने पहुंचे कि क्या हुआ था जिसके बाद काटो और उनकी जोड़ीदार इंडोनेशिया की अल्डिला सुतजादी को डिस्क्वालीफाई कर दिया गया। इससे चेक गणराज्य की मैरी बोजकोवा और स्पेन की सारा सोरिबेस टोर्मो मैच की विजेता बनीं। बोजकोवा ने कहा कि उन्होंने बॉल गर्ल को गेंद लगते हुए नहीं देखा लेकिन वह करीब 15 मिनट तक रोती रही।

भारत ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता

भाषा। एचियोन

रेजोआना हीना मलिक और भरतप्रीत सिंह ने रविवार को यहां एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में क्रमशः महिला 400 मीटर रेस और पुरुष चक्का फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किए जिससे भारतीय अभियान की शानदार शुरुआत हुई। हीना ने 53.31 सेकेंड में रेस पूरी कर स्वर्ण पदक जीता जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 53.22 सेकेंड के समय से थोड़ा अधिक रहा। उन्होंने अप्रैल में ताशकंद में हुई एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था। भरतप्रीत ने टूर्नामेंट के शुरुआती दिन 55.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो से भारत को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। अंतिमा पाल ने दिन का तीसरा पदक कांस्य के रूप में जीता। उन्होंने 5,000 मीटर रेस 17 मिनट और 17.11 सेकेंड के समय में पूरी की।

खबरें स्टेडियम से

अपने खेल में रोहित की शांतचितता जोड़ना चाहते हैं ग्रीन

बेकेनहैम (ब्रिटेन)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को उम्मीद है कि इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते हुए रोहित शर्मा के साथ काफी समय बिताने के बाद वह अपने खेल में भारतीय कप्तान जैसी शांतचितता को जोड़ने में सफल रहेंगे। ग्रीन ने आईपीएल में 452 रन बनाने के अलावा छह विकेट भी लिए तथा मुंबई को प्लेऑफ तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। ग्रीन ने सात जून से भारत के खिलाफ ओवल में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से पूर्व आईसीसी से कहा, उन्होंने (रोहित) मैदान पर जो शांतचितता दिखाई उसकी छाप स्पष्ट नजर आ रही थी। उन्होंने कहा, वह लंबे समय से खेल रहे है और 10 वर्षों से ऐसा कर रहे है। उनके साथ मैदान पर समय बिताना और बात करना शानदार रहा। ग्रीन ने कहा, मेरी भूमिका आक्रामक होकर खेलने का प्रयास करना था और ऐसे में उन्होंने इसको लेकर तरीके दिखाए फिर चाहे वह स्पिनरों या तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करनी हो या फिर क्षेत्ररक्षण करते समय गेंदबाजी में बदलाव करना हो। आईपीएल में व्यस्त होने के कारण ग्रीन देर से ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़े और उन्होंने गुरुवार को पहली बार अभ्यास सत्र में भाग लिया। डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारियों में जुटे ग्रीन का मानना है कि बेहतरीन फॉर्म में चल रहे विराट कोहली उनकी टीम के लिए सबसे बड़ा खतरा होंगे।

आईपीएल ने खिलाड़ियों के समय पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का एकाधिकार खत्म किया: कमिंस

बेकेनहैम (ब्रिटेन)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने खिलाड़ियों के समय पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एकाधिकार को खत्म कर दिया है और उन्होंने कहा कि भविष्य में खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर राष्ट्रीय टीम को महत्व देने के लिए मनाना चुनौती होगा। कमिंस ने कहा कि आईपीएल ने एक दशक पहले क्रिकेट का परिदृश्य बदल दिया था और ऐसे में वह ट्रेंट बोल्ट के न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुबंध को ठुकरा कर विश्व भर की टी20 लीग में खेलने के फैसले से सहमत दिखे। भारत के खिलाफ सात जून से ओवल में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पहले कमिंस ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, पिछले कुछ समय से लग रहा था कि ऐसा होने वाला है और अब ऐसा हो रहा है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों के समय पर अब पहले की तरह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का एकाधिकार नहीं रहा। आईपीएल ने एक दशक पहले इसमें बदलाव कर दिया था, लेकिन अब अधिक से अधिक खिलाड़ी इसमें शामिल हो रहे हैं और इसलिए मेरा मानना है कि हमें इसको लेकर सक्रिय होना होगा। कमिंस चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी किसी भी अन्य चीज पर राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता दें लेकिन उन्होंने कहा कि मोटी धनराशि वाले फ्रेंचाइजी आधारित लीग के मौजूदा समय में ऐसा करना चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलने को जितना हो सके उतना खास बनाना होगा। लेकिन यह चुनौती बनने जा रहा है। हमें इसको लेकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कमिंस ने इसके साथ ही कहा कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ने द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखलाओं को अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है।

अफगानिस्तान को दूसरे एकदिवसीय में हराकर श्रीलंका ने श्रृंखला बराबर की

हम्बनटोटा। धनंजय डिसिल्वा और वानिंदु हसरंगा के हरफनमौला खेल के दम पर श्रीलंका ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के दूसरे मुकाबले में रविवार को यहां अफगानिस्तान को 132 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। डिसिल्वा (24 गेंद में नाबाद 29) और हसरंगा (12 गेंद में नाबाद 29) ने ताबड़तोड़ पारी खेलने के बाद अपनी फिरकी में फंसा कर अफगानिस्तान के तीन-तीन विकेट चटकाए। श्रीलंका ने कुसल मेंडिस (78) और दिमुथ करुणारत्ने (52) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर श्रीलंका ने छह विकेट पर 323 रन बनाने के बाद अफगानिस्तान की पारी को 42.1 ओवर में 191 रन पर समेट दिया। श्रीलंका की यह रन के लिहाज से यह अफगानिस्तान पर सबसे बड़ी जीत है। इस जीत से टीम श्रृंखला के शुरुआती मैच में मिली छह विकेट की शिकस्त की निराशा को कम करने में सफल रही। अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जदरान (54) और कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी (57) ने अर्धशतक जमाए लेकिन इन दोनों के अलावा सिर्फ रहमत शाह (36) और अजमतुल्लाह ओमरजई (28) ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके। टीम ने 45 रन के अंदर आखिरी आठ विकेट गंवा दिया। मैन ऑफ द मैच डिसिल्वा ने 10 ओवर में 39 रन देकर तीन जबकि हसरंगा ने नौ ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट चटकाए। दुश्मांता चमीरा ने दो तो वहीं महीश तीक्षणा और कप्तान दासुन शनाका ने एक-एक विकेट लिए।

रीयाल मैड्रिड से अलग होंगे बेंजेमा

मैड्रिड। फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर करीम बेंजेमा अगले सत्र से रीयाल मैड्रिड का प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे। स्पेन के शीर्ष क्लबों में शामिल रीयाल मैड्रिड ने रविवार को बताया कि उसने बेंजेमा के साथ उनके शानदार और अविस्मरणीय करियर को आगे नहीं बढ़ाने का समझौता किया। यह घोषणा बेंजेमा के सऊदी अरब में खेलने की संभावना से जुड़ी खबरों के बीच आई है। बेंजेमा 2009 से रीयाल मैड्रिड के साथ है। उनके 14 साल के करियर के दौरान इस क्लब ने 25 खिताब जीते, जो स्पेन की इस बड़ी टीम के साथ किसी भी खिलाड़ी के लिए एक रिकॉर्ड है।

दर्शकों की हूटिंग के बीच पीएसजी को अलविदा कहा लियोनेल मेसी ने

पेरिस। अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने दर्शकों की हूटिंग के बीच पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की तरफ से अपना आखिरी मैच खेला। फ्रांसीसी लीग का खिताब पहले ही अपने नाम पर सुनिश्चित कर चुके पीएसजी को अपने आखिरी मैच में क्लेरमोट से 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। पीएसजी के समर्थकों ने मेसी के प्रति किसी तरह का सम्मान नहीं दिखाया तथा जब उद्घोषक ने जब इस स्टार खिलाड़ी के नाम की घोषणा की तो दर्शकों ने उनकी हूटिंग की। इसके कुछ मिनट बाद मेसी ने मुस्कुराते हुए अपने तीन बच्चों के साथ मैदान पर प्रवेश किया। उन्होंने बाद में पीएसजी की वेबसाइट से कहा, मैं इन दो साल के लिए क्लब, पेरिस शहर और उसके लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। मैं आपको भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। मेसी के रहते हुए पीएसजी ने इन दो सत्रों में दो बार फ्रांसीसी लीग और फ्रांसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब जीते। मेसी ने इस बीच क्लब की तरफ से सभी प्रतियोगिताओं में 32 गोल किए और 35 गोल करने में मदद की। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान ने पीएसजी के साथ अपने अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाया। उनके अब सऊदी अरब में खेलने की संभावना है।

कई बीमारियों की रामबाण दवा है साइकिल चलाना

लखनऊ। साइकिल चलाने वाले लोग ज्यादा स्वस्थ होते हैं और उनमें कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम भी कम होता है। सभी उम्र के लोगों को नियमित रूप से व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। इसमें साइकिलिंग भी एक बेहतर अभ्यास हो सकता है। यह संदेश पेडल यात्री साइकिलिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में विश्व साइकिलिंग दिवस के अवसर पर आयोजित साइकिल रैली में हिस्सा लेने वाले साइकिलिस्टों ने दिया। इस रैली की शुरुआत 1090 चौराहे से सुबह पांच बजे हुई जिसमें शामिल लगभग 25 साइकिलिस्टों ने बेहतर स्वास्थ्य फिटनेस इम्यूनिटी और पर्यावरण संरक्षण हेतु साइकिलिंग अपनाने के प्रति जन जागरूकता लाने के लिए शपथ ली। यहां से सभी प्रतिभागी जी.20 रोड होते से अर्जुनगंज होते हुए सोमनाथ द्वार होते हुए 25 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर पहुंचे जहां इस रैली का समापन हुआ। इस अवसर पर पीसीए के महासचिव व आनन्द किशोर पांडेय ने कहा कि हम सबको व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ ही प्रकृति के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए इसके लिए ज्यादा से ज्यादा नॉन मोटराइज्ड वेहिकल व साइकिल का इस्तेमाल दैनिक जीवन में करना चाहिए। इस अवसर पर रिटायर्ड ब्रिगेडियर परितोष शाह, डॉ सुदीप एसजीपीजीआई, अरुण मौर्य, संजय अग्रवाल, मनोज सिंह, प्रदीप ,, प्रतिमा अवस्थी,साद जमन, आशीष मुखर्जी, कुशान सिन्हा, प्रतिष्ठा महेश्वरी, शिखर खन्ना, अभिषेक सिंह, सुयश कपूर आदि उपस्थित रहे।

हेजलवुड डब्ल्यूटीसी फाइनल की आस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हुए

भाषा। लंदन

अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड मांसपेशियों के खिंचाव की चोट से पूरी तरह से उबरने मे नाकाम रहने के बाद भारत के खिलाफ आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से बाहर हो गए। हेजलवुड को यह चोट इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान लगी थी। द ओवल में सात से 11 जून तक खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में उनकी जगह टीम में तेज गेंदबाज माइकल नेसर को शामिल किया गया है। हेजलवुड को डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एशेज टेस्ट श्रृंखला के लिए तैयार होने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है।ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, जोश (हेजलवुड) खेलने के लिए जरूरी फिटनेस हासिल करने के काफी करीब है लेकिन हम इस बात से अवगत हैं कि यह दौरा सिर्फ एक टेस्ट मैच का नहीं है। उन्होंने कहा, इस विश्राम से जोश को एजबेस्टन (एशेज श्रृंखला का पहला मैच) टेस्ट से पहले आदर्श तैयारी का मौका मिलेगा। हमारी टीम को सात सप्ताह से कुछ अधिक समय में छह टेस्ट मैचों में भाग लेना है ऐसे में हमें अपने सभी तेज गेंदबाजों की जरूरत होगी। नेसर इस सत्र में ग्लेमोर्गन के लिए काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे हैं और अच्छी लय में हैं। उन्होंने अपने पिछले तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं जिसमें यॉर्कशर के खिलाफ 32 रन पर सात विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए दो टेस्ट खेले हैं और सात विकेट लिए हैं।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान बेली ने कहा, माइकल का काउंटी क्रिकेट में अच्छी लय में है। टीम में उसकी दावेदारी को देखते हुए उसे काउंटी क्रिकेट में खेलने की अनुमति दी गई थी। हमारी तेज गेंदबाजी समूह को वह मजबूती प्रदान करेगा। टीम के अंतिमएकादश में हालांकि हेजलवुड की जगह मध्यम तेज गति के गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को जगह मिलने की अधिक संभावना है। ओवल की परिस्थितियां बोलैंड की गेंदबाजी के लिए ज्यादा मुफीद है।कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि जहां उनकी टीम अपना पहला डब्ल्यूटीसी खिताब जीतने के लिए उत्सुक है लेकिन पांच टेस्ट मैचों की एशेज श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए तेज गेंदबाजों के प्रबंधन पर ध्यान दिया गया है। न्होंने संवाददाताओं से कहा, निश्चित रूप से आगामी कार्यक्रम के बारे में सोचा गया था। हम बहुत आगे नहीं जाना चाहते हैं। हमें डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए मिला है, जिसे लेकर हम उत्साहित हैं। इसके तुरंत बाद हमें अपना ध्यान इंग्लैंड और एशेज पर लगाना होगा। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की एशेज श्रृंखला 16 जून से शुरू होगी। चोट के कारण पिछले कुछ समय में ऑस्ट्रेलिया के लिए ज्यादातर मैचों में बाहर रहने वाले हेजलवुड एशेज जैसी महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए तैयार होने के लिए और समय मिलेगा। इस 32 साल के तेज गेंदबाज ने पिछले 19 मैचों में सिर्फ चार टेस्ट खेले है।हेजलवुड ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में इस चोट के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए केवल तीन मैच खेले। हेजलवुड ने जांच में चोट के मामूली निकलने के बाद सिडनी में गेंदबाजी अभ्यास शुरू किया था।

इंग्लैंड में पता चल जाता है कि आक्रमण कब करना है : रोहित

भाषा। लंदन

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उपमहाद्वीप से बाहर अपना एकमात्र टेस्ट शतक 2021 में द ओवल में बनाया था और उनका कहना है कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में बल्लेबाज के तौर पर कोई भी क्रीज पर सहज महसूस नहीं करता लेकिन उसे पता चल जाता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम के गेंदबाजों के खिलाफ कब आक्रामकता बरतनी है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले भारतीय कप्तान को लगता है कि इंग्लैंड की पिचों पर कड़ी मेहनत के अलावा कोई विकल्प नहीं है। रोहित ने रविवार को यहां आईसीसी के एक कार्यक्रम आफ्टरनून विद टेस्ट लीजेंड्स में कहा, मुझे लगता है कि आमतौर पर बल्लेबाज के लिए इंग्लैंड में काफी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां होती हैं। जब तक आप चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहते हो, तब तक आपको सफलता मिलती है। रोहित 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट में भारत में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। पैट कमिंस, रॉस टेलर और इयान बेल के साथ बैठे भारतीय कप्तान ने अपने निजी अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, 2021 में मुझे एक चीज महसूस हुई कि आप कभी भी क्रीज पर जमते नहीं हो और फिर मौसम बदलता रहता है। आपको लंबे समय तक ध्यान लगाए रखना होता है और फिर आपको पता चल जाता है कि अब गेंदबाजों को धुनने का समय आ गया है। सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपको क्रीज पर जाकर समझना होता है कि आपकी मजबूती क्या है। मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के साथ इतने वर्षों में वह आंकड़ों और डाटा पर काफी ध्यान देते हैं। रोहित को लगता है कि द ओवल में सफलता हासिल करने वाले पूर्व खिलाड़ियों के स्कोर बनाने के पैटर्न को जानना बुरा विचार नहीं है। उन्होंने कहा, मैं उनका (सफल खिलाड़ियों) अनुकरण करने की कोशिश नहीं करूंगा।

रहाणे के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल में करो या मरो जैसी स्थिति होगी

लंदन। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 18 महीने के लंबे इंतजार के बाद भारत की तरफ से अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जून से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उनके लिए करो या मरो जैसी स्थिति हो सकती है। टी20 प्रारूप से पांच दिवसीय प्रारूप मे ढल रहे रहाणे चीजों को सरल बनाए रखना चाहते है और उन्हे उम्मीद होगी कि जिस शानदार टाइमिंग से उन्होंने आईपीएल मे रन बनाए, वह लंदन में भी उनके साथ बनी रहेगी। रहाणे का भारत के अंतिम एकादश में जगह बनाना लगभग तय है। रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को 2022 के शुरू मे दक्षिण अफ्रीका से श्रृंखला गंवाने के बाद बाहर कर दिया गया था। पुजारा ने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करके पहले ही राष्ट्रीय टीम में वापसी कर दी थी। अब तक 82 टेस्ट मैच खेल चुके रहाणे को राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। उन्होने रणजी ट्रॉफी और हाल मे आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टीम मे वापसी की।लेकिन यदि श्रेयस अय्यर चोटिल नही होते तो फिर रहाणे के लिए वापसी करना मुश्किल होता। अय्यर मध्यक्रम मे खुद को साबित कर चुके है और ऐसे में रहाणे जब ओवल मे क्रीज पर उतरेगे तो उनके लिए करो या मरो जैसी स्थिति होगी। रहाणे को आगे की श्रृंखलाओं के लिए टीम मे अपना स्थान पक्का करने के लिए हर हाल मे अच्छा प्रदर्शन करना होगा।रहाणे की कप्तानी मे भारत ने 2021 मे ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया था। तब उन्होने अपने खेत और नेतृत्व कौशल से काफी प्रभावित किया था। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ रहाणे अच्छा प्रदर्शन करते रहे है। यह अलग बात है कि उनके प्रदर्शन मे निरंतरता का अभाव रहा है जिसके कारण उनका टेस्ट औसत 38.52 है। डब्ल्यूटीसी फाइनल में रहाणे पर कप्तानी का दबाव नही होगा और ऐसे मे उनका ध्यान बल्लेबाजी पर ही केंद्रित रहेगा। वह अपने बल्ले से आलोचकों को करारा जवाब देना चाहेंगे।

अभिनव, गौतमी को सुहल जूनियर विश्वकप में भारत को दूसरा स्वर्ण

भाषा। सुहल (जर्मनी)

भारतीय निशानेबाज गौतमी भनोट और अभिनव साव की जोड़ी ने रविवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय निशानेबाजों ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में कुल 17 का स्कोर बनाया। फ्रांस की ओसियाने मुलर और रोमेन ऑफ्रेरे की जोड़ी ने फाइनल में सात अंक के स्कोर से रजत पदक अपने नाम किया।नार्वे की पर्निले नोर-वोल और जेंस ओल्स्रुड ओस्टली की जोड़ी ने इटली की अन्ना शियावोन और लुका सबारबाती के खिलाफ कांस्य पदक के मैच में 17 अंक बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया। मिश्रित राइफल स्पर्धा में स्वाती चौधरी और सलीम की एक अन्य भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन में 624.3 के स्कोर से सातवें स्थान पर रही। गौतमी भनोट और अभिनव की जोड़ी क्वालीफिकेशन में 628.3 अंक के स्कोर से दूसरे स्थान पर रही थी। वहीं 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में संयम ने अभिनव चौधरी के साथ जोड़ी बनाई और 12 अंक बनाकर रजत पदक जीता। जूरी किम और कंघिन किम ने 16 अंक के स्कोर से स्वर्ण पदक जीता। संयम ने शनिवार को महिलाओं की एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। संयम और अभिनव की जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में 578 अंक से पहला स्थान हासिल किया। सुरुचि इंदर सिंह और शुभम बिस्ला ने कांस्य पदक हासिल किया। उनकी जोड़ी क्वालीफिकेशन में 571 के स्कोर से चौथे स्थान पर रहकर पदक दौर में पहुंची। स्कीट स्पर्धा में भारतीय निशानेबाज क्वालीफिकेशन से आगे नहीं बढ़ सके।

ब्राजील को हराकर इजराइल अंडर-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में

भाषा। ब्यूनस आयर्स

इजराइल ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए खिताब के प्रबल दावेदार ब्राजील को 3-2 से हराकर अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सैन जुआन में खेले गए इस मैच में इजराइल ने अतिरिक्त समय में विजई गोल किया। इजराइल ने दो पेनल्टी को भी बर्बाद किया लेकिन ब्राजील इसका फायदा नहीं उठा पाया। सेमीफाइनल में इजराइल का मुकाबला उरूग्वे और अमेरिका के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इटली ने भी कोलंबिया को 3-। से पराजित करके अंतिम चार में जगह बना ली है। उसका अगला मुकाबला नाइजीरिया और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। ब्राजील और इजराइल के बीच मैच में पहला हाफ गोल रहित रहा। इसके बाद मार्कोस लियोनार्डो ने ब्राजील के लिए पहला गोल किया लेकिन इजराइल ने चार मिनट बाद ही अनन खलैली के हेडर से बराबरी कर ली। माथियस नैसिमेंटो ने अतिरिक्त समय के पहले मिनट में ब्राजील को 2-। से बढ़त दिला दी लेकिन हमजा शिबी ने इसके दो मिनट बाद इजराइल के लिए दूसरा गोल कर दिया। उसकी तरफ से डोर डेविड तुर्गमैन ने अतिरिक्त समय के पहले हाफ के इंजरी टाइम में दो रक्षकों को छका कर विजई गोल दागा।

एम्बाप्पे ने फ्रांसीसी लीग में रिकॉर्ड पांचवी बार जीता गोल्डन बूट

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के स्ट्राइकर काइलियन एम्बाप्पे ने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग मे अपना दबदबा कायम रखते हुए रिकॉर्ड पांचवी बार गोल्डन बूट (प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाला पुरस्कार) हासिल किया। पीएसजी की टीम इस मैच में क्लेरमोंट से 3-2 से हार गई लेकिन एम्बाप्पे ने इसमें गोल दागा। इससे एम्बाप्पे ने 29 गोल के साथ फ्रांसीसी लीग में अपने अभियान का अंत किया। यह पांचवा अवसर है जबकि उन्होने लीग मे सर्वाधिक गोल किए।

रवि दहिया बिश्केक रैंकिंग सीरीज से हटे

मुलायम और पंकज कांस्य प्लेऑफ मे हारे

भाषा। बिश्केक

ओलंपिक रजत पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया रविवार को यहां अभ्यास के दौरान घुटने में चोट लगने के कारण बिश्केक रैंकिंग सीरीज कुश्ती प्रतियोगिता से हट गए जबकि मुलायम यादव और पंकज कांस्य पदक के प्लेऑफ में हार गए जिससे भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल टीम टूर्नामेंट से खाली हाथ लौटेगी। दहिया को 61 किग्रा भार वर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड में किर्गिस्तान के ताइरबेक जुमाशबेक उलु से भिड़ना था। दहिया सितंबर 2022 में बेलग्रेड में विश्व चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहने के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे। भारत के सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य ने कहा, इस साल जनवरी में रवि का घुटना चोटिल हो गया था लेकिन वह उससे उबर गए थे। यहां अभ्यास के दौरान उनके उसी घुटने में खिंचाव आ गया। एशियाई खेलों के ट्रायल जल्द ही होने वाले हैं और ऐसे में उन्होंने प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया ताकि उनकी चोट और गंभीर ना हो जाए। इसी वजन वर्ग में पंकज जॉर्जिया के जियोर्गी गोनियाशविली पर 8-2 से जीत दर्ज कर के करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जिसमें उनकी भिड़ंत हमवतन और अंडर 23 विश्व चैंपियन अमन सहरावत से हुई। इस साल जाग्रेब ओपन में कांस्य पदक जीतने वाले अमन को इस मुकाबले में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन पंकज ने उन्हें पस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और 8-। से आसान जीत दर्ज की। वह हालांकि फाइनल में नहीं पहुंच सके और अंतिम चार में उलुलू से 0-7 से हार गए। फिर पंकज कांस्य पदक मैच में तुर्की के एमराह ओर्मांग्लू से।-6 से पराजित हो गए। भारत के एक अन्य पहलवान मुलायम यादव ने 70 किग्रा भार वर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड में कजाकिस्तान के दोझान असेटोव को आसानी से 9-4 से हराया। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल के मुकाबले में रक्षण का शानदार नमूना पेश करते हुए जॉर्जिया के डेविट पाट्सिनशविली पर 6-2 से आत्मविश्वास भरी जीत दर्ज की। बाद में वह सेमीफाइनल में स्थानीय प्रबल दावेदार ओरोजोबेक तोकतोमामबेतोव से।-7 से हार गए। तुर्की के सर्वेत कोस्कुन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में वह।-6 से पिछड़ रहे थे लेकिन लगातार पांच अंक बनाकर स्कोर बराबर करने में सफल रहे। पर वह इस आधार पर हार गए कि कोस्कुन ने उनके खिलाफ एक दाव में ज्यादा अंक (चार अंक) जुटाए थे। बजरंग पूनिया के पसंदीदा 65 किग्रा भार वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में अनुज कुमार अजरबैजान के अली रहीमजादा से 6-7 से हार गए। भारत ने 74 किग्रा, 79 किग्रा और 92 किग्रा भार वर्ग में कोई खिलाड़ी नहीं उतारा है। भारत ने अभी तक इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते हैं। शनिवार को महिला पहलवानों में तीन पदक जीते जबकि एक पदक ग्रीको रोमन में मनजीत ने जीता।

महिला जूनियर एशिया कप में मलेशिया के खिलाफ जीत का क्रम जारी रखने उतरेगा भारत

काकामीगाहारा (जापान),। शानदार शुरुआत के बाद आत्मविश्वास से भरी भारतीय महिला हॉकी टीम को जूनियर एशिया कप में मलेशिया के खिलाफ सोमवार को यहां होने पूल ए के अपने दूसरे मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में उज्बेकिस्तान को 22-0 से करारी शिकस्त देकर बेहतरीन शुरुआत की। उज्बेकिस्तान के खिलाफ इस मैच में भारत ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। उसके कम से कम आठ खिलाड़ियों ने गोल किए। इन खिलाड़ियों में वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, मुमताज खान, अन्नू, सुनलिता टोप्पो, मंजू चोरसिया, दीपिका सोरेंग, दीपिका और नीलम शामिल हैं। भारत सोमवार को मलेशिया के खिलाफ इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करेगा। भारतीय कप्तान प्रीति ने कहा कि टीम टूर्नामेंट के आगामी मैचों में जीत की लय बरकरार रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।